THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 204 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आश्विन कृ.12 2080 बुधवार, 11 अक्टूबर-2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16** **मूल्य : 8 रुपये**

दिवाली का
सबसे बड़ा
धमाका

रेट में होगा पूरे
10 लाख का इजाफा

FIXED PRICE

KEDIA
सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट		आज की रेट	दिवाली बाद की रेट	पजेशन की रेट	पजेशन के बाद रेंटल
युनिट टाइप	साइज				POSSESSION DEC. 2025
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	49.50 LACS	54 LACS	67.50 LACS	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 LACS	60 LACS	75 LACS	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	60.50 LACS	66 LACS	82.50 LACS	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	66 LACS	72 LACS	90 LACS	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	77 LACS	84 LACS	105 LACS	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	110 LACS	120 LACS	150 LACS	50,000

KEDIA®
1800-120-2323
info@kedia.com www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

'2024 तक होती रहेगी विपक्षी नेताओं पर रेड'

आप नेता अमानतुल्लाह के घर ईडी की छापेमारी पर बोले संजय राउत

मुंबई, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले पर आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्ला खान के घर पर ईडी ने मंगलवार को छापेमारी की। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उद्धव बाला साहब ठाकरे की शिवसेना के सांसद संजय राउत ने कहा, 2024 के चुनाव होने तक विपक्ष के नेताओं पर ईडी की छापेमारी करती रहेगी। महाराष्ट्र में 10-12 लोगों के नामों की लिस्ट ईडी के पास है। ईडी के पास अजित पवार का केस था, एकनाथ शिंदे पर ईडी का केस था, कई नेता जेल जाने वाले थे, क्या ईडी उनके पास जा रही? संजय राउत ने

कहा,'विपक्ष के प्रमुख नेताओं पर 2024 तक छापेमारी जारी रहेगी। महाराष्ट्र में 10-12 लोगों के नामों की लिस्ट ईडी के पास है ईडी के पास अजित पवार का केस था। एकनाथ शिंदे पर ईडी का केस था, कई नेता जेल जाने वाले थे, क्या ईडी उनके पास जा रही है? जो विपक्ष में है उनके पास ईडी, सीबीआई, आईटी जाती रहेगी। ये चलता रहेगा।'

अमानतुल्ला खान के घर पर ईडी के छापे

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन के एक मामले की जांच के सिलसिले में मंगलवार को दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक मानतुल्लाह खान के परिसरों पर छापे मारे। प्रारंभिक सूचना के अनुसार, ईडी धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापेमारी कर रही है और करीब तीन परिसरों की तलाशी ली जा रही है। खान को सितंबर 2022 में दिल्ली एसीबी ने गिरफ्तार किया था। एसीबी का मामला ''दिल्ली वक्फ बोर्ड के कामकाज में वित्तीय गड़बड़ी और अन्य अनियमितताओं से जुड़ा है।'' एसीबी की प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि खान ने दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में काम करते हुए सभी नियमों और सरकारी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करते हुए गैरकानूनी रूप से 32 लोगों की भर्ती की। उसने खान पर भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के भी आरोप लगाए हैं।

भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के 26 नये मामले सामने आए

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के 26 नये मामले सामने आए हैं और उपचाराधीन मरीजों की संख्या 337 है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय द्वारा सुबह आठ बजे अद्यतन किये गये आंकड़ों के अनुसार, कोविड से जान गंवाने वालों की कुल संख्या 5,32,035 है। देश में संक्रमण के अब तक 4,49,99,392 मामले सामने आ चुके हैं। मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, संक्रमण से उबर चुके लोगों की संख्या बढ़कर ,44,67,020 हो गयी है। संक्रमण से उबरने की राष्ट्रीय दर 98.81 प्रतिशत, जबकि मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत है।

इजरायल और हमास से युद्ध के बीच दिल्ली में सख्त पहरा

इजरायली दूतावास और यहूदियों के धार्मिक स्थलों की बढ़ाई सुरक्षा

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में इजरायल और फलस्तीन के बीच जारी जंग को ध्यान में रखते हुए दिल्ली पुलिस ने इजरायली दूतावास के आसपास सुरक्षा कढ़ी कर दी है। इस बात की जानकारी एक अधिकारी ने आज मंगलवार को दी। अधिकारी ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने इजरायल-हमास संघर्ष के मद्देनजर इजरायली दूतावास और चाबड़ हाउस के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है। उन्होंने आगे कहा कि नई दिल्ली में इजरायली दूतावास और मध्य दिल्ली के चांदनी चौक स्थित चाबड़ हाउस के आसपास तैनात स्थानीय पुलिस को कड़ी निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। इज़रायली दूतावास और भारत में इज़रायली रजादूत नोर गिलों के अधिकारिक आवास के बाहर अतिरिक्त पुलिस तैनात की गई है। इसके अलावा नई दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में यहूदियों के धार्मिक स्थल चबाड़ हाउस के पास भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

भारत ने किया है इजरायल का समर्थन

इजराइल पर हमास के लड़ाकों के हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजरायल का समर्थन करने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि इजराइल में हमास के हमले के बाद मारे गए नागरिकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। भारत मुश्किल की इस घड़ी में इजराइल के साथ खड़ा है। इसके साथ ही इजराइल-हमास संघर्ष में अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, यूक्रेन, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया समेत पश्चिमी देशों ने इजरायल के साथ खड़े होने की बात की है। फलस्तीनी चरमपंथी समूह की ओर से इजरायल पर अचानक किए गए हमले में सैकड़ों इजरायली मारे गए हैं और सैकड़ों अन्य घायल हुए हैं। वहीं, इजरायल की भीषण जवाबी कार्रवाई में भी गाजा पट्टी क्षेत्र में सैकड़ों फलस्तीनी मारे गए हैं

भाजपा के खिलाफ विपक्ष लामबंद

जम्मू में फारुक-महबूबा-विकार ने लगाया मोर्चा

जम्मू, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा के विरोध में जम्मू के महाराजा हरि सिंह पार्क में प्रदेश की विपक्षी दलों के नेता और कार्यकर्ता एकत्रित हो गए हैं। जम्मू कश्मीर में लोकतांत्रिक व्यवस्था बहाल करने सहित अन्य ज्वलंत मुद्दों को लेकर आज एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन का आह्वान किया गया है। प्रदर्शन में नेशनल कांफ्रेंस अध्यक्ष डॉ। फारूक अब्दुल्ला, पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विकार रसूल वानी सहित अन्य दलों के नेता पहुंचे हैं। धरने से डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) और अपनी पार्टी के नेता बाहर हैं। पूर्व में हुई विपक्षी दलों की बैठक में इन दोनों पार्टियों के नेता नहीं नजर आए थे। विपक्षी दलों का आरोप है कि भाजपा सरकार जमीनी स्तर के हालात को जानती है तभी जानबूझ कर चुनाव को लगातार टाल रही है। अब कारगिल चुनाव के नतीजों से सारी स्थिति साफ हो गई है। जम्मू-कश्मीर के नागरिकों को चुनी हुई लोकप्रिय सरकार से वंचित रखा जा रहा है। सरकार अगर केंद्र और प्रदेश स्तर पर जम्मू कश्मीर में हालात सामान्य होने के दावे कर रही है तो चुनाव के समय हालात खराब क्यों दिखाए जा रहे हैं। विपक्षी नेताओं का कहना है कि यहां लंबे समय से संविधान प्रक्रिया को निलंबित किया गया है।

'सरकार की उदार आयात नीति किसानों के लिए बन गई चिंता'

एमएसपी को लेकर कांग्रेस ने बीजेपी पर कसा तंज

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी उदार आयात नीति देश में किसानों के लिए भारी संकट पैदा कर रही है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि मध्य प्रदेश और राजस्थान में किसानों द्वारा सोयाबीन न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम कीमत पर बेचा जा रहा है और कई राज्यों में उन्हें दूध के भी अच्छे दाम नहीं मिल रहे हैं।

जयराम रमेश में कसा तंज

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ₹मोदी सरकार की उदार आयात नीति विभिन्न राज्यों में किसानों के लिए भारी संकट पैदा कर रही है। राजस्थान और मध्य प्रदेश में सोयाबीन एमएसपी से कम में बेचा जा रहा है, क्योंकि सस्ते आयात की अनुमति दी गई है। रमेश ने कहा, इन राज्यों और अन्य राज्यों में भी सस्ते पाम तेल के आयात के कारण दूध की कीमतें गिर रही हैं, जिससे सस्ते शुद्ध घी में वनस्पति वसा की मिलावट को बढ़ावा मिल रहा है। दूध की कम कीमतों के कारण किसानों को भारी नुकसान हो रहा है।

अगले महीने दोनों राज्यों में चुनाव

मालूम हो कि मध्य प्रदेश और राजस्थान दोनों में अगले महीने चुनाव होने वाले हैं। चुनाव आयोग ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की है कि राजस्थान में 23 नवंबर को और मध्य प्रदेश की 230 सीटों के लिए 17 नवंबर को चुनाव आयोजित किए जाएंगे। इनके अलावा, मिजोरम, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में भी मतदान की तारीख तय हो गई है। साथ ही, पांचों राज्यों की मतगणना 3 दिसंबर को की जाएगी।

दिल्ली में फिर गैंगवार: दो गुटों की झड़प में 2 लोगों की मौत, एक घायल

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के अशोक विहार इलाके में दो समूहों के बीच हुई कथित झड़प में दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार की है।

पुलिस ने मंगलवार को बताया कि उत्तर पश्चिमी दिल्ली के अशोक विहार इलाके से दो समूहों के बीच झड़प की सूचना मिली थी। इस झड़प में दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया है। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान रघु और भूरा के रूप में हुई है।

मणिपुर के मोरेह शहर में कर्फ्यू में ढील रद्द की गयी

इंफाल, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। मणिपुर में तेंगनौपाल जिला प्राधिकारियों ने भारत-म्यांमा सीमा पर स्थित मोरेह शहर में दैनिक कर्फ्यू में ढील रद्द कर दी है। तेंगनौपाल के जिला मजिस्ट्रेट कृष्ण कुमार द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया कि दैनिक कर्फ्यू में आम लोगों को दवाओं और खाद्य सामग्री समेत आवश्यक सामान खरीदने के लिए सुबह छह बजे से शाम पांच बजे तक ढील दी गयी थी जिसे "अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है क्योंकि लोगों के एकत्रित होने की आशंका है।" इसमें कहा गया है कि हालांकि, जिले के बाकी हिस्सों में सुबह छह बजे से शाम पांच बजे तक कर्फ्यू में ढील दी जाएगी। इसमें कहा गया है कि यह आदेश कानून प्रवर्तन एजेंसियों पर लागू नहीं होगा। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भीड़ का एक बड़ा समूह कुकी बहुल शहर में इकट्ठा हुआ। इस समूह ने बाजार के एक हिस्से को साफ करना शुरू कर दिया था जिसका पहले मेइती समुदाय इस्तेमाल करता था ताकि उसका उपयोग किया जा सके। इसके बाद सुरक्षा बलों ने हस्तक्षेप किया जिससे तनाव पैदा हो गया था।

जरीन खान ने जीती कानूनी जंग

कोलकाता मजिस्ट्रेट ने अरेस्ट वारंट किया रद्द

कोलकाता, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। सलमान खान के साथ फिल्म 'वीर' में नजर आ चुकी एक्ट्रेस जरीन खान को लेकर बड़ी खबर आई है। खबर ये कि कोलकाता के सियालदह कोर्ट से जरीन खान के नाम पर जो गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। अब वो अरेस्ट वारंट कोलकाता मजिस्ट्रेट ने रद्द कर दिया है। दरअसल जरीन खान ने न तो जमानत के लिए अपील की और न ही कोर्ट के सामने पेश हुईं, जिसके कारण अदालत ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। एक्ट्रेस जरीन खान काफी समय से कानूनी पचड़ों में फंस हुई थीं, जिसकी वजह से वह खबरों और सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में बनी हुई थीं।

जरीन खान का अरेस्ट वारंट हुआ रद्द

जरीन खान के खिलाफ साल 2018 में एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी ने कोलकाता में 6 कार्यक्रमों में शामिल न होने पर एक्ट्रेस के खिलाफ मामला दर्ज कराया था, जिसके बाद नारकेलडांगा पुलिस ने सियालदह कोर्ट में आरोप पत्र पेश किया था। इंडिया टीवी के सुत्रों के अनुसार कोलकाता मजिस्ट्रेट ने जरीन खान के खिलाफ जारी अरेस्ट वारंट को रद्द कर दिया है। इसके पहले जब एक्ट्रेस से गिरफ्तारी वारंट के बारे में पूछा गया था तब उन्होंने इस मामले पर कोई सफाई नहीं दी थी।

ये था पूरा मामला

2018 में जरीन खान को कोलकाता में एक दुर्गा पूजा कार्यक्रम में प्रदर्शन करने के लिए कहा गया था। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि वह कार्यक्रम में शामिल नहीं हुईं, जिसके बाद आयोजकों ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद एक्ट्रेस को कोलकाता पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया था। जरीन ने आरोप लगाया था कि आयोजकों ने उन्हें गुमराह कर कार्यक्रम में बुलाया था और ये भी कहा था कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री भी इसका हिस्सा होंगी। एक्ट्रेर और उनकी टीम को बाद में पता चला कि यह उत्तरी कोलकाता में एक छोटा सा कार्यक्रम था। इसके अलावा जरीन ने यह भी खुलासा किया था कि आयोजकों को उनके रहने और एयर टिकटों को लेकर गलतफहमी हुई थी।

शोपियां में चल रही मुठभेड़ में सेना ने दो आतंकी को किया ढेर, सर्च ऑपरेशन जारी

अलशीपोरा, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। शोपियां के अलशीपोरा में सुरक्षाबलों ने मंगलवार सुबह आतंकियों 2 आतंकवादी मार गिराए। इस बात की जानकारी खुद कश्मीर पुलिस ने दी है। कश्मीर पुलिस जोन ने सोशल साइट एक्स पर एक पोस्ट के जरिये जानकारी देते हुए कहा कि, शोपियां के अलशीपोरा इलाके में मुठभेड़ चल रही है। पुलिस और सुरक्षा बलों ने मोर्चा संभाल रखा है। बता दें कि सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच सोमवार यानी 9 अक्टूबर की देर रात यह मुठभेड़ शुरू हुआ। इस मुठभेड़ में पुलिस और सुरक्षबल पुरी मजबूती के साथ आतंकियों का मुकाबला कर रहे हैं। कश्मीर पुलिस ने सुबह ट्वीट करते हुए बताया कि उन्हें इस मुठभेड़ में एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस और सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को मार गिराया है। सूत्रों ने बताया कि कुछ आतंकी रात का फायदा उठाकर भागने की कोशिश कर रहे थे। इसके साथ ही कश्मीर पुलिस ने ये भी जानकारी दी है कि भले ही सेना ने दो आतंकवादीयों को मार गिराया है। लेकिन इलाके में अभी भी कुछ आतंकी मौजूद है।

उनका पता लगाने के लिए सेना सर्च ऑपरेशन चला रही है। जल्द ही उन आतंकीयों को सेना पकड़ लेगी। सेना के साथ मुठभेड़ में मारे गए आतंकियों की पहचान मोरीफत मकबूल और जाजिम फारूक के नाम से हुई है, जिन्हें अबरार के नाम से भी जाना जाता है। दोनों ही आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का हिस्सा थे। कश्मीर पुलिस के एडीजीपी ने कहा, 'आतंकवादी अबरार कश्मीरी पंडित दिवंगत संजय शर्मा की हत्या में शामिल था।'

'टीएमसी का यह धरना नहीं, धंधा है'

अभिषेक बनर्जी के प्रदर्शन पर बीजेपी नेता सुकांत मजूमदार का तंज

कोलकाता, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के आश्वासन के बाद तृणमूल कांग्रेस ने राजभवन के सामने से अपने धरने को वापस ले लिया। इसपर बंगाल के बीजेपी अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने मंगलवार को तंज कसते हुए कहा कि टीएमसी का यह धरना नहीं बल्कि धंधा है। मजूमदार ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, यह एक धंधा था, न कि धरना। अब क्योंकि घरना खत्म कर लिया गया है, तो धंधा भी बंद कर दिया जाएगा। बंगाल के लोग यह जानते हैं कि यह विरोध सिर्फ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई जांच से ध्यान भटकाने के लिए था।

राज्यपाल ने 24 घंटे में सवालों का जवाब देने को कहा- बनर्जी

बता दें कि तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के लिए मनरेगा और अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए धन आवंटन पर केंद्र सरकार के खिलाफ अपना विरोध वापस ले लिया। बनर्जी ने कहा, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने 24 घंटे में हमारे सवालों का जवाब देने का वादा किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अन्य वरिष्ठ नेताओं की सलाह के अनुसार हम विरोध वापस ले रहे हैं।

सरकार केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है

वहीं, कोलकाता के मेयर और पश्चिम बंगाल के मंत्री फिरहाद हकीम ने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। इस आरोप पर मजूमदार ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोगों ने मंत्री को कैमरे के सामने रिश्वत लेते देखा है। उन्होंने कहा, फिरहाद हकीम से पूछें कि बीजेपी उनसे क्या मांग कर रही है। पश्चिम बंगाल के लोगों ने उन्हें कैमरे के सामने रिश्वत लेते देखा है। वह जेल भी जा चुके हैं। सीबीआई ने पश्चिम बंगाल में नागरिक निकायों द्वारा की गई भर्तियों में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में कोलकाता में फिरहाद हकीम के घर की तलाशी ली है। अधिकारियों ने कहा कि केंद्रीय एजेंसी ने नगर निकायों की भर्ती में कथित अनियमितताओं से संबंधित एक केस में राज्य में लगभग 12 स्थानों पर तलाशी ली।

पुडुचेरी की परिवहन मंत्री चंद्रा प्रियंका ने मंत्री पद से दिया इस्तीफा, वजह भी बताई

पुडुचेरी, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। पुडुचेरी की परिवहन मंत्री चंद्रा प्रियंका ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए मंगलवार (10 अक्टूबर) को मंत्री पद से अपना इस्तीफा दे दिया. उनका इस्तीफा ऐसे समय आया है जब केंद्र शासित प्रदेश राजनीतिक अनिश्चितताओं और नेतृत्व परिवर्तन से जूझ रहा है. उनके इस्तीफे से राजनीतिक हलकों में पुडुचेरी में सरकार की स्थिरता को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है, क्योंकि सत्तारूढ़ दल के पास विधानसभा में अल्प बहुमत है. कैबिनेट या राजनीतिक पुनर्गठन में कोई भी संभावित फेरबदल केंद्र शासित प्रदेश के राजनीतिक परिदृश्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है.

इस्तीफा देने की वजह भी बताई

अपने इस्तीफे में उन्होंने कहा कि वह अब षडयंत्रकारी राजनीति से नहीं लड़ सकतीं और उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से माफी मांगी. उन्होंने कहा, आम तौर पर कहा जाता है कि निचले समाज की महिलाएं अगर राजनीति में आएंगी तो उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा. मैं मिले अवसरों का पूरा फायदा उठाकर लोगों के लिए दिन-रात काम कर रही हूं. उन्होंने आगे कहा, "मुझे एहसास हुआ कि भले ही मैं लोगों के प्रभाव से मंच पर आ जाऊं, लेकिन साज़िश की राजनीति और पैसे के बड़े राक्षस के सामने लड़ना इतना आसान नहीं है. एक दलित महिला के रूप में, दलित महिला होने के दोहरे गौरव के साथ, मुझे नहीं पता था कि ये दूसरों की जिद थी और मुझे लगातार जाति और लिंग के आधार पर हमले का सामना करना पड़ा."

कौन हैं चंद्रा प्रियंका?

वो 41 सालों में केंद्र शासित प्रदेश में निर्वाचित होने वाली पहली महिला मंत्री थीं. साल 2021 में वो मंत्री बनीं थीं. चंद्रा प्रियंका के पिता चंद्रकासु 6 बार नेदुंगडु सीट से विधायक रह चुके हैं. अपने पिता के निधन के बाद साल 2016 में उन्होंने पहली बार नेदुंगडु निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की.

टास्क फोर्स ने 802 ग्राम चरस के साथ दो युवक किए गिरफ्तार

कुल्लू, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स कुल्लू की टीम ने चरस तस्करी के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। चरस तस्करी का मामला मध्य रात्रि उस दौरान सामने आया जब एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की टीम भराड़ी फोरलेन में नाका पर मौजूद थी। इस दौरान टीम द्वारा एक वॉल्वो बस को जांच के लिए रोका गया। जांच के दौरान टीम ने दो युवकों की शक के आधार पर तलाशी ली तो उनके कब्जे से 802 ग्राम चरस बरामद हुई। टीम ने चरस की खेप को कब्जे में लेकर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स हेमराज वर्मा ने बताया की टीम द्वारा आरोपी टीकम राम (21) पुत्र सुहानू राम निवासी पनाली, तहसील बालीचौकी जिला मंडी व वीर सिंह (27) पुत्र छापे राम निवासी खलायूं, बालीचौकी जिला मंडी के विरुद्ध मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है

सरकारी बंगला बचाने की लड़ाई पहुंची हाईकोर्ट

अदालत के फैसले के खिलाफ आप सांसद राघव चड्ढा ने उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने सरकारी बंगला बचाने के लिए हाईकोर्ट का रुख किया है। बीते दिनों पटियाला हाउस कोर्ट ने उन्हें टाइप 7 बंगला खाली करने का आदेश दिया था। अब राज्यसभा सांसद पटियाला हाउस कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंच गए हैं। आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने अंतरिम आदेश रद्द करने के निचली अदालत के फैसले को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी है।

इस याचिका को मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति संजीव नरुला की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए पेश किया गया जो बुधवार को इसे सूचीबद्ध करने पर राजी हो गयी। चड्ढा की वकील ने कहा कि संसद सदस्य को एक नोटिस दिया गया और बंगला खाली कराने की कार्यवाही जारी है। उन्होंने इससे पहले कहा कि निचली अदालत की ओर से रोक लगायी गयी थी लेकिन इसे अब हटा लिया गया है।

निचली अदालत ने दिया था ये आदेश

निचली अदालत ने पांच अक्टूबर को आदेश दिया था कि 'आप' नेता राघव चड्ढा यह दावा नहीं कर सकते कि आवंटन रद्द होने के बाद भी उन्हें राज्यसभा सदस्य के रूप में अपने पूरे कार्यकाल के दौरान सरकारी बंगले पर कब्जा कायम रखने का पूर्ण अधिकार है। अदालत ने 18 अप्रैल को पारित उस अंतरिम आदेश को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की जिसमें राज्यसभा सचिवालय को चड्ढा को सरकारी बंगले से बेदखल नहीं करने का निर्देश दिया गया था। निचली अदालत ने कहा कि चड्ढा को अंतरिम राहत दी गई थी कि उन्हें कानूनी प्रक्रिया के बिना आवास से बेदखल नहीं किया जाएगा।

आवास रद्द किए जाने के बाद क्या बोले थे चड्ढा?

वहीं राज्यसभा सचिवालय की ओर से आवंटित आवास रद्द किए जाने के बाद राघव चड्ढा ने कहा था, आवास का आवंटन राज्यसभा के सभापति की ओर से स्वयं मेरी सभी विशिष्टताओं को ध्यान में रखने के बाद किया गया था। लांकि, बाद में बिना किसी कारण या कारण के आवास रद्द करना यह संकेत देता है कि पूरी कार्रवाई मुझे टारगेट करने और परेशान करने के लिए की गई थी।

महिला के गले से मंगलसूत्र झपटा, मोबाइल भी छीन भागे बाइक सवार

सोनीपत, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोनीपत के देवी लाल चौक के पास बाइक सवार दो युवक महिला का सोने का मंगलसूत्र और मोबाइल छीनकर भाग गए। महिला सडक़ पार कर रही थी। इसी दौरान झपटमारों ने वारदात को अंजाम दिया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने जांच के बाद मुकदमा दर्ज कर लिया है। मूलरूप से बिहार के जिला समस्तीपुर के वारिस नगर फिलहाल कपड़ा मार्केट बस अड्डे के पास रहने वाली सीता देवी ने सिविल लाइन थाना पुलिस को बताया वह गांधी चौक स्थित बैंक से अपने कमरे पर आ रही थीं। जब वह देवी लाल चौक के पास पहुंची तो इसी दौरान बाइक सवार दो युवक आए और उनके गले से सोने का मंगलसूत्र व हाथ से मोबाइल छीनकर भाग गए। दोनों झपटमार विपरीत दिशा से गीता भवन चौक की तरफ भाग निकले। उन्होंने शोर भी मचाया, लेकिन वह भाग निकले। जिस पर उन्होंने पुलिस को शिकायत दी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 204 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.12 2080 बुधवार, 11 अक्टूबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कश्मीर में अब कंकड़ उठाने की किसी की हिम्मत नहीं : अमित शाह

केसीआर पर लगाया सिर्फ खोखले वादे करने का आरोप

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि पहले लोग कहते थे कि धारा 370 को हाथ लगाओगे, तो खून की नदियां बह जाएंगी, नदियां तो छोडिए अब किसी की कंकड़ उठाने की भी हिम्मत नहीं है। राम मंदिर को लेकर 550 सालों तक लाखों लोगों ने आंदोलन किया। मोदी जी ने वहां राम मंदिर बनाने के लिए भूमि पूजन कर दिया। अगले साल भक्त मंदिर में दर्शन कर सकेंगे।

अमित शाह ने कहा कि मेरी केसीआर से विनती है कि अगर हिम्मत है तो अपने दोनों घोषणापत्रों को सार्वजनिक मंच पर एक बार पढ लें। उन्होंने कहा कि केसीआर ने न अस्पतालों में भर्ती की, न यूनिवर्सिटी में। नौकरी देने के वादे में केसीआर सरकार फेल हो गई है, उन्हें जनता से वोट मांगने का अधिकार नहीं है। गृहमंत्री ने 10 अक्टूबर को तेलंगाना के हैदराबाद में बुद्धिजीवियों को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

आने वाले दिनों में तेलंगाना की जनता को तय करना है कि तेलंगाना का शासन किस पार्टी के हाथ में रहेगा। तीन ऑप्शन है, बीजेपी, कांग्रेस और तीसरी केसीआर की पार्टी। 2013 में देश में कांग्रेस की सरकार थी, तब देश में सारी परिवारवादी पार्टियों का जमघट था। देश की सुरक्षा को कोई ठौर-ठिकाना नहीं था। राजधानी दिल्ली में भी महिलाएं सुरक्षित नहीं थीं। आए दिन पाकिस्तान के आतंकवादी देश में घुसकर सैनिकों के सिर काटकर ले जाते थे और पीएम मौनी बाबा मनमोहन सिंह कुछ बोल नहीं पाते थे।

हाल ही में चंद्रयान-3 का सफल लैंडिंग हुई। 1996 में जब कपिल देव के नेतृत्व में देश वर्ल्ड कप जीता था, तब ऐसा माहौल बना था। मैं एक मंदिर में गया था, वहां एक महिला सालों से भीख मांगती है, मैंने सोचा उसे कुछ दे दूं, लेकिन उसने कुछ भी लेने से मना कर दिया। महिला ने कहा कि आज चंद्रयान चांद पर पहुंच गया। मैं आज भिक्षा नहीं लूंगा।

एयरस्ट्राइक जैसी चीजें पहले अमेरिका जैसे देशों के लिए रिजर्व माना जाता था, लेकिन मोदी जी के नेतृत्व में देश दुश्मन के हर कदम का जवाब दे रहा है। मोदी जी ने परिवार की राजनीति को खत्म कर दिया है। अब लोग मोदी के खिलाफ एक साथ हो गए हैं। ये सभी परिवारवादी पार्टियां हैं। हम अपनी अगली पीढ़ी के लिए राजनीति में नहीं है, हम देश की सेवा के लिए राजनीति में हैं।

तेलंगाना के लिए निजाम के शासन से मुक्ति से बड़ी कोई बात नहीं हो सका। आप यहां बीजेपी की सरकार बना दो, उसके बाद 17 सितंबर को हर राज्य, हर जिले, हर गांव में हैदराबाद विमोचन दिवस मनाया जाएगा।

केसीआर कहते हैं कि हम एनडीए में जाएंगे तो यह होगा, वह होगा। लेकिन आज मैं तेलंगाना की जनता से साफ कह रहा हूं कि हम केसीआर के साथ नहीं बैठ सकते। जो मजलिस के साथ बैठा हो हम उसके साथ कभी नहीं बैठ सकते। केसीआर को वोट दोगे तो भी मजलिस के पास जाएगा, कांग्रेस को वोट दोगे वो भी मजलिस के पास जाएगा।

अमित शाह ने दोपहर 3:30 बजे तेलंगाना के आदिलाबाद में जन गर्जना रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि केसीआर की पार्टी का चुनाव चिन्ह एम्बेसडर गाड़ी है, लेकिन उनकी गाड़ी की स्टियरिंग ओवैसी के हाथ में है। क्या आप यहां मजलिस के इशारे पर चलने वाली सरकार चाहते हैं या लोगों के हित के बारे में सोचने वाली भाजपा सरकार। केसीआर का सिर्फ एक ही लक्ष्य है, अपने बेटे केटीआर को मुख्यमंत्री बनाना। जबकि भाजपा का लक्ष्य है, हर युवा को रोजगार, अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं देना।

>14

राज्यसभा निलंबन के खिलाफ राघव चड्ढा सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा ने राज्यसभा से अपने निलंबन के खिलाफ मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। चड्ढा को अगस्त में पांच राज्यसभा सांसदों का नाम चयन समिति में शामिल करने से पहले उनकी सहमति नहीं लेने के आरोप में निलंबित कर दिया गया था। उन पर दिल्ली सेवा विधेयक से संबंधित एक प्रस्ताव में पांच सांसदों के फर्जी हस्ताक्षर करने का आरोप लगाया गया है।

आप सांसद को तब तक के लिए निलंबित कर दिया गया है, जब तक उनके खिलाफ मामले की जांच कर रही विशेषाधिकार समिति अपनी रिपोर्ट नहीं सौंप देती।

चंद्रबाबू नायुडू की याचिका पर सुनवाई टली

सर्वोच्च अदालत में शुक्रवार को फिर से लगेगा केस

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। स्किल डेवलपमेंट स्कैम केस में जेल में बंद चंद्रबाबू नायुडू को फिर से मायूसी का सामना करना पड़ा है। दरअसल इस मामले में एफआईआर को खारिज करने की उनकी याचिका पर आज सर्वोच्च अदालत में सुनवाई होनी थी। लेकिन कोर्ट ने शुक्रवार की तारीख दे दी।

नायुडू के वकील चाहते थे कि उनकी याचिका पर आज सुनवाई पूरी हो जाए। कोर्ट ने तारीख दी तो उनके वकील ने कहा कि गुरुवार को केस सुन लीजिए। लेकिन बेंच का कहना था कि

आज दोपहर बाद उनके पास कुछ अहम केस लगे हैं। लिहाजा आज सुनवाई नहीं हो सकती। या तो शुक्रवार की तारीख रखी जाए या फिर सोमवार की। दोनों पक्षों के वकीलों की जिरह सुनने के बाद शीर्ष अदालत ने फैसला किया कि सुनवाई शुक्रवार दोपहर बाद की जाएगी।

आंध्र प्रदेश सरकार की तरफ से इस मामले में सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी पेश हुए जबकि नायुडू की तरफ से हरीश साल्वे ने पैरवी की। आज सुनवाई पूरी करने की नायुडू के वकील की मांग पर मुकुल रोहतगी का कहना था कि ये नामुमकिन है। आज सुनवाई पूरी नहीं हो सकती है।

नायुडू के खिलाफ इस मामले में आंध्र प्रदेश की सीआईडी जांच कर रही है। सीआईडी की दलील पर कोर्ट ने उनको न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। नायुडू की मांग है कि ये मामला फर्जी है।

राहुल गांधी बोले- मध्यप्रदेश भाजपा-आरएसएस की लैबोरेटरी

शहडोल में कहा- यहां मरे लोगों का इलाज होता है, भाजपा नेता आदिवासियों पर पेशाब करते हैं

शहडोल, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को शहडोल के ब्यौहारी में कहा, मध्यप्रदेश भाजपा-आरएसएस की लैबोरेटरी है। यहां मरे हुए लोगों का इलाज होता है। यहां भाजपा के नेता आदिवासियों पर पेशाब करते हैं। जो जानवरों को भी नहीं खिलाया जाता, वो सड़ा हुआ अनाज आपको देते हैं।

राहुल ने जातीय जनगणना कराने की बात दोहराते हुए कहा, हमारी सरकार बनी तो पहला काम जातीय जनगणना कराने का होगा। चुनाव की तारीख का ऐलान होने के बाद राहुल गांधी का ये पहला और 10 दिन के अंदर एमपी का दूसरा दौरा है। इससे पहले वे 30 सितंबर को शाजापुर जिले के कालापीपल विधानसभा क्षेत्र में जन आक्रोश रैली में शामिल होने आए थे।

आदिवासी अफसर 100 रुपए में से सिर्फ 10 पैसे का निर्णय लेते हैं :

अगर भारत सरकार 100 रुपए खर्च करती है तो ओबीसी वर्ग के अफसर सिर्फ 5 रुपए का निर्णय लेते हैं। अब आप ये बताइए कि अगर भारत सरकार 100 रुपए खर्च करती है तो आदिवासी अफसर कितने रुपए का निर्णय लेते हैं? आदिवासी अफसर 100 रुपए में से सिर्फ 10 पैसे का निर्णय लेते हैं। आदिवासी वर्ग का इससे बड़ा अपमान नहीं होगा।

पीएम मोदी के मुंह में आदिवासी, लेकिन दिमाग में 'वनवासी' :

पहले पीएम नरेंद्र मोदी अपने भाषणों में वनवासी कहते थे। अब वे आदिवासी कहते हैं। मुंह से आदिवासी शब्द निकलता है, लेकिन दिल और दिमाग में वनवासी है। आदिवासी शब्द का मतलब हिंदुस्तान के वासी। यानी वे लोग, जो इस जमीन के मालिक थे। यहां पहले आए। वनवासी का मतलब है- आपका जमीन पर हक नहीं बनता। आप जंगल में रहते हो।

मध्यप्रदेश में महाकाल कॉरिडोर में भगवान शिव से चोरी की गई :

आडवाणी जी ने अपनी किताब में लिखा है, आरएसएस और भाजपा की सच्ची लैबोरेटरी (कारखाना) गुजरात में नहीं, मध्यप्रदेश में है। बीजेपी के इस कारखाने में मरे हुए लोगों का इलाज किया जाता है। उनका पैसा चोरी किया जाता है। महाकाल कॉरिडोर में भगवान शिव से चोरी की गई। स्कूल यूनिफॉर्म, मिड-डे मील के पैसे की चोरी की जाती

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई जमकर फटकार

कहा- हम देश कैसे चला सकते हैं

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाते हुए केरल में हाथियों की मौत पर अंतरिम याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि ऐसे हजारों मुद्दे हो सकते हैं, जिन पर ध्यान देने की जरूरत हो, लेकिन शीर्ष अदालत हर मामले पर नजर रखकर अदालत को निष्क्रिय नहीं बना सकता।

प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, ये स्थानीय मुद्दे हैं जिन पर हाईकोर्ट विचार कर सकता है। यदि वे कोई बड़ी गलती करते हैं, तो हम उन्हें सुधारने के लिए यहां हैं।

उन्होंने कहा, देश में सुप्रीम कोर्ट की क्या भूमिका है। आप जानते हैं कि हम देशभर में उठने वाले मुद्दों से निपटने के लिए नहीं हैं। अगर हाईकोर्ट गलती करता

है, तो हम सुधारने के लिए हैं। उन्होंने कहा कि हम देश कैसे चला सकते हैं।

बता दें, एक व्यक्ति की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सीयू सिंह ने शुरूआत में केरल में बंदी हाथियों की मौत और नियमों के उल्लंघन का मुद्दा उठाया।

साथ ही तुरंत सुनवाई करने का अनुरोध किया। सिंह का कहना है कि फरवरी 2019 से नवंबर 2022 तक के बीच में उपेक्षा और अधिक काम की वजह से करीब 135 हाथियों की मौत हो चुकी है। इस पर पीठ ने सिंह से हाईकोर्ट की ओर रुख करने को कहा। साथ ही कहा कि वहां के न्यायाधीश को स्थानीय हालातों का पता है।

वहीं, जब इस बात पर जोर दिया गया कि मामले की सुनवाई शीर्ष अदालत में ही की जानी चाहिए तो पीठ ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट को निष्क्रिय करने के लिए यहां हर चीज पर विचार नहीं कर सकते। पीठ ने कहा, हमारा मानना है कि ऐसे अंतरिम आवेदनों पर विचार करना संभव नहीं होगा। जब रिट याचिका सूचीबद्ध हो तो हस्तक्षेपकर्ता को महत्वपूर्ण मुद्दों पर सुना जा सकता है। प्रधान न्यायाधीश ने शीर्ष अदालत की भूमिका को समझने की जरूरत पर जोर दिया। हालांकि, पीठ ने मुख्य मामले को दिसंबर में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

ए. राजा से जुड़ी 15 संपत्तियों को किया जब्त

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री ए राजा की से जुड़ी 15 संपत्तियों को प्रवर्तन निदेशालय ने जब्त कर लिया है। ज्ञात हो की साल 2004 से साल 2007 के बीच जब ए राजा पर्यावरण एवं वन विभाग के मंत्री थे उस दौरान उन्होंने गुरुग्राम की एक बड़ी रियल एस्टेट कंपनी को नियमों के विपरीत जाकर पर्यावरण मंजूरी दिया था। इस क्लीयरेंस को देने के बदले ए राजा की बेनामी कंपनी को ये जमीने बतौर रिश्वत दी थी, जिसे ए राजा ने अपने परिवारजनों और करीबियों ने नाम पर किया था।

जांच में ये भी पता चला की तमिलनाडु के कोयम्बटूर में ए राजा ने इसी रिश्वत के पैसे से 55 करोड़ की 45 एकड़ जमीन भी खरीदी थी। जिसके बाद प्रवर्तन निदेशालय ने पिछले साल दिसंबर महीने में इन सम्पतियों को कुर्क करना शुरू कर दिया था। खास बात ये है, जिस कंपनी के नाम पर ये जमीने ली गयी वो कंपनी जमीनी स्तर पर नहीं है बल्कि सिर्फ कागजों में है।

संजय सिंह की रिमांड तीन दिन बढ़ी

ईडी ने कोर्ट में कहा- शराब लाइसेंस के लिए घूस मांगी गई

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाले के मामले में आरोपी आप सांसद संजय सिंह को आज राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। ईडी ने कोर्ट में संजय सिंह की पांच की रिमांड की मांग की, लेकिन कोर्ट ने तीन दिन की रिमांड स्वीकृत की। अब आप सांसद 13 अक्टूबर तक ईडी की रिमांड में रहेंगे। ईडी ने कोर्ट में कहा कि घूस लेने के नहीं, घूस मांगने के सबूत हैं। शराब लाइसेंस के लिए घूस मांगी गई।

इससे पहले, संजय सिंह को गिरफ्तार करने के बाद ईडी ने कोर्ट में पेश किया था। जहां से कोर्ट ने सांसद को पांच दिनों की ईडी की रिमांड पर भेज दिया था। रिमांड के दौरान सिंह से पूछताछ हुई तो वहीं दूसरी तरफ उनके करीबियों को समन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया गया। ईडी ने विवेक त्यागी और सर्वेश मिश्रा को समन जारी कर पूछताछ की। वहीं दूसरी तरफ कोर्ट के बाहर संजय सिंह के हजारों समर्थक धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।

कोर्ट ने भेजा था पांच दिन की रिमांड पर

गिरफ्तार राज्यसभा सांसद संजय सिंह को 10 अक्टूबर तक प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेजा गया था। मामले में ईडी ने 10 दिन की कस्टडी मांगी थी। हालांकि कोर्ट ने सुनवाई के दौरान ईडी के समक्ष कई सवाल उठाए और इसके बाद सिर्फ पांच दिन की रिमांड दी।

ईडी ने रखी थी कोर्ट में ये दलीलें

बीते गुरुवार को राउज एवन्यू कोर्ट में विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल के समक्ष संजय सिंह को कड़ी सुरक्षा में पेश किया गया था। ईडी ने संजय सिंह की 10 दिन की रिमांड मांगते हुए कहा था कि वह मामले में पूरी तरह से लिप्त हैं। ईडी के वकील ने कहा था कि संजय के घर से कई दस्तावेज बरामद हुए हैं।

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण मामला

सुप्रीम कोर्ट ने एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमीशन से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमीशन (सीएक्यूएम) से रिपोर्ट मांगी है। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा है कि प्रदूषण पर नियंत्रण करने के लिए क्या कदम उठाए गए है। दरअसल एमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने सुप्रीम कोर्ट से दखल की मांग की है। सर्दी के मौसम में प्रदूषण से बढ़ते स्तर का मामला कोर्ट के सामने रखते हुए कमीशन से रिपोर्ट तलब करने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि पराली जलाने से भी प्रदूषण बढ़ रहा है, ये मामला सीएक्यूएम के पास है और वो मुद्दों से निपट रहा है। जस्टिस संजय किशन कौल की बेंच ने कहा कि एमिक्स क्यूरी ने सर्दियों में बढ़ते प्रदूषण की गंभीर समस्या को सामने रखा है। पराली जलाने समेत सारे मुद्दे सीएक्यूएम को पास हैं।

लद्दाख में हिमस्खलन से सेना के एक जवान की मौत, 3 लापता

लद्दाख, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना के पर्वतारोहियों के एक समूह के लद्दाख में माउंट कुन पर हिमस्खलन में फंस जाने से एक सैनिक की मौत हो गई। वहीं तीन लापता हैं. लद्दाख में 40 सैनिकों का एक दल माउंट कुन रूटीन ट्रेनिंग के लिये गया था। यह टीम हाई एल्टीट्यूड वेलफेयर स्कूल और आर्मी एडवेंचर विंग का है। 8 अक्टूबर को ट्रेनिंग के दौरान अप्रत्याशित रूप से ये दल हिमस्खलन की चपेट में आ गया।

एक अधिकारी ने बताया कि लद्दाख में बर्फ़ीली तूफान में चार सैनिक फंस गए। बचाव अभियान के दौरान एक सैनिक का शव बरामद किया गया है। खराब मौसम और भारी बर्फबारी के बीच बाकी फंसे हुए सैनिकों की तलाश जारी है।

भारतीय सेना के अधिकारियों के अनुसार, माउंट कुन (लद्दाख) के पास नियमित प्रशिक्षण गतिविधियों के दौरान दुर्भाग्य से समूह को अप्रत्याशित हिमस्खलन का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, हमारे चार समर्पित कर्मी नीचे फंस गए थे। हिमस्खलन की चपेट में आए एक जवान का शव बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि खराब मौसम और भारी बर्फ के ढेर के बावजूद, बड़े पैमाने पर बर्फ के नीचे फंसे अन्य लोगों का पता लगाने और उन्हें निकालने के लिए खोज और बचाव अभियान जारी है।

कलाकार चिंतन उपाध्याय को उम्रकैद की सजा

पत्नी और उसके वकील की हत्या के दोषी

मुंबई, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई की अदालत ने मंगलवार को कलाकार चिंतन उपाध्याय को अपनी पत्नी हेमा उपाध्याय और उनकी वकील की हत्या करने के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई है। हेमा और उनका वकील हरेश भमबानी की हत्या 11 दिसंबर 2015 में हुई थी। दोनों के शव को कार्डबोर्ड में भरकर मुंबई के कांदिवली इलाके में खाई में फेंक दिया गया था।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एस.वाई. भोसले ने पांच अक्टूबर को चिंतन उपाध्याय को इस मामले में दोषी करार दिया था। अन्य आरोपियों विजय राजभर, प्रदीप राजभर और शिवकुमार राजभर को भी इस दोहरी हत्या के मामले में उम्र कैद की सजा दी गई है। हत्याकांड को अंजाम देने वाला आरोपी विद्याधर राजभर फिलहाल फरार है।

शनिवार को सजा पर बहस के दौरान चिंतन ने अदालत में कहा, मेरी अंतरात्मा साफ है। मैंने कोई गुनाह नहीं किया है। मैं निर्दोष हूं। हालांकि, अदालत ने मुझे दोषी करार दिया है, कोई दया नहीं दिखाई जानी चाहिए। अदालत मुझे जो भी सजा सुनाएगी, मैं उसे स्वीकार करने के लिए तैयार हूं।

हत्या के तुरंत बाद ही चिंतन को गिरफ्तार कर लिया गया था। साल 2021 में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने से पहले करीबन छह सालों तक चिंतन जेल में था।

चिंतन ने अदालत के समक्ष प्रस्तुत होकर दावा किया था पुलिस इस हत्याकांड को सुलझाने में नाकाम रही और इसी का फायदा उठाकर उसे झूठे मामले में फंसाया गया है।

नोबेल प्राइज विनर अमर्त्य सेन के निधन की खबर गलत, बेटी बोलीं- वो एकदम ठीक हैं

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। मीडिया में भारतीय अर्थशास्त्री और नोबेल प्राइज विनर अमर्त्य सेन के निधन की गलत खबर चलाई गई। रिपोर्टर के मुताबिक कुछ लोग सेन के खिलाफ सोशल मीडिया पर कैम्पेन चला रहे हैं। उसी के तहत यह अफवाह फैलाई गई। अमर्त्य सेन की बेटी नंदनादेव सेन ने भी मीडिया से कहा, वे बिल्कुल सेहतमंद हैं। उन्होंने कहा, हमने कैंब्रिज में अपने परिवार के साथ बेहतरीन हफ्ता बिताया। कल रात जब हमने उनसे विदा ली तो हमेशा की तरह उन्होंने हमें कसकर गले लगाया। वे हार्वर्ड में हर हफ्ते 2 कोर्स पढ़ा रहे हैं। वे अपनी जेंडर बुक पर काम कर रहे हैं। हमेशा की तरह व्यस्त!

इससे पहले नोबेल प्राइज विनर अमेरिकी प्रोफेसर क्लाउडिया गोल्डिन ने शाम 4:44 बजे ट्वीट किया था, मेरे सबसे प्रिय प्रोफेसर अमर्त्य सेन का निधन हो गया। इसके करीब एक घंटे बाद शाम 5.41 बजे अमर्त्य सेन की बेटी नंदनादेव सेन ने ट्वीट करके उनके स्वस्थ्य होने की जानकारी दी। 3 नवंबर, 1933 को शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल में जन्मे अमर्त्य सेन को 1998 में अर्थशास्त्र का नोबेल प्राइज दिया गया था। 1999 में उन्हें भारत रत्न दिया गया।

अजित पवार ने खुद को बताया एनसीपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष

शिंदे सरकार में शामिल होने के कदम का किया बचाव

मुंबई, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के भीतर विभाजन पर चुनाव आयोग (ईसीआई) में चल रही सुनवाई के बीच अजित पवार ने खुद को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताया और एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल होने के अपने कदम का बचाव किया। उन्होंने कहा कि कई शीर्ष राजनेताओं ने राज्य के राजनीतिक इतिहास में अलग रुख अपनाया है।

अजित पवार ने दो जुलाई को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इस दिन वह आठ अन्य राकांपा विधायकों के साथ शिवसेना-भाजपा सरकार में शामिल हुए थे। वह मंगलवार को वह अपने कार्यकाल के 100 दिन पूरे कर रहे हैं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार समाज के सभी वर्गों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है और राकांपा इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करेगी।

खुद को राकांपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताने वाले पवार ने एक बयान में कहा कि रोजगार, समाज के सभी वर्गों का आर्थिक सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, सभी कल्याणकारी उपायों को लागू करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, राकांपा सत्ता के माध्यम का इस्तेमाल कर इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। आलोचना किसी भी राजनेता के जीवन का हिस्सा होती है। मैं हमेशा रचनात्मक आलोचना का संज्ञान लेता हूं।

>14

'मिशन 80' के लिए बीजेपी ने बनाई रणनीति

बड़ी सीटों पर फिल्म स्टार और दिग्गज लड़ सकते हैं चुनाव

लखनऊ, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बीजेपी लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर पूरी तरह से जुट गई है। हर सीट का आकंलन किया जा रहा है और जमीनी स्तर पर रिपोर्ट तैयार की जा रही है। यूपी में बीजेपी ने सभी 80 सीटों को जीतने का लक्ष्य रखा है। ऐसे में बीजेपी की उन सीटों पर भी नजर है, जिन पर 2019 के चुनावों में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था। इन सीटों के लिए बीजेपी ने खास रणनीति तैयार की है। भारतीय जनता पार्टी ने इस बार 2019 से भी ज्यादा बड़ी जीत का लक्ष्य रखा है, ऐसे में उसे सबसे ज्यादा उम्मीद यूपी से है। यूपी से सबसे ज्यादा लोकसभा सीटें आती हैं और यहां पर पार्टी की स्थिति भी काफी मजबूत है। फिलहाल 14 सीटों विपक्षी दलों का कब्जा है। मिशन 80 के लक्ष्य को पाने के लिए

बीजेपी अब विपक्ष के कब्जे वाली सीटों पर दिग्गजों को मैदान में उतारने की रणनीति तैयार कर रही है। इनमें फिल्मी हस्तियों से लेकर प्रशासनिक अधिकारी और कई बड़े चेहरे हो सकते हैं।

दिग्गजों पर दांव चल सकती है बीजेपी

बीजेपी इन दिनों एक-एक सीट पर प्रत्याशी को लेकर मंथन में जुटी है। पार्टी की आंतरिक रिपोर्ट आने के बाद 20 से 30 फीसदी तक मौजूदा सांसदों के टिकट काटने के कयास भी लग रहे हैं। मध्य प्रदेश और राजस्थान में जिस तरह से पार्टी ने कई केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों को भी विधानसभा चुनाव में उतार दिया, उसके बाद माना जा रहा है कि यही रणनीति यूपी में भी देखने को मिल सकती है। बीजेपी योगी सरकार के दिग्गज मंत्रियों, इसके अलावा कैबिनेट मंत्री और राज्यमंत्रियों को चुनाव में उतार सकती है।

बड़ी सीटों पर बड़े चेहरे

खबरों के मुताबिक इस बार यूपी की राजनीति में कई बड़े चेहरे चुनावी मैदान में नजर आएंगे। पार्टी का फोकस उन 14 सीटों पर है, जिन पर अभी विपक्षी दलों का कब्जा है। माना जा रहा है कि पार्टी बसपा के मौजूदा सांसदों को भी बीजेपी में शामिल कराकर चुनाव मैदान में उतार सकती है। इसके अलावा अन्य पार्टियों के जाने-माने चेहरों और जातीय समीकरण को देखते हुए कई नेताओं को बीजेपी में शामिल कराया जा सकता है। यूपी की बड़ी सीटों पर बड़े चेहरे उतारे जाएंगे। इनमें मोदी सरकार के मंत्री राजनाथ सिंह, स्मृति ईरानी, पंकज चौधरी, अनुप्रिया पटेल, कौशल किशोर, संजीव बालियान, जनरल वीके सिंह, भानू प्रताप वर्मा कई बड़े चेहरों को मौका दिया जाएगा। इसके अलावा अयोध्या, गोरखपुर, प्रयागराज, कानपुर जैसी सीटों पर फिल्मी जगत की हस्तियां को टिकट दिया जा सकता है।

पति बना हैवान

पत्नी को पीट-पीटकर किया अधमरा, फिर गला दबाकर की हत्या

औरैया, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। जिले के अजीतमल कोतवाली क्षेत्र में पति ने पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। वारदात की जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर पुलिस की टीम पहुंच गई। पत्नी की हत्या करने के आरोपी पति फरार हो गया था। पुलिस ने टीम लगाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही पुलिस घटनास्थल से महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिवार में पत्नी की हत्या के बाद दो मासूम बच्चों के सिर से मां का साया छिन गया है। मिली जानकारी के अनुसार गृह कलेश के चलते पति और पत्नी के अक्सर लड़ाई होती थी। रात दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि पति ने पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी।

यूपी: महिला जज ने नाम पूछा, जवाब मिला

मैं सीओ ठाकुरद्वारा हूं, नाम रिकॉर्ड में पढ़ लो; एचसी ने लिया संज्ञान

प्रयागराज, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा में तैनात पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) राजेश कुमार तिवारी के खिलाफ जिला अदालत की एक महिला सिविल जज का तिरस्कार करने, रौब दिखाने, धमकाने के आरोप में आपराधिक अवमानना का नोटिस जारी किया है। महिला जज ने इसकी शिकायत मुरादाबाद के जिला जज से की थी। इसका स्वतः संज्ञान लेते हुए हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एसएएच रिजवी की खंडपीठ ने यह आदेश दिया। मुरादाबाद की महिला जज ने पूरे प्रकरण की शिकायत जिला जज से की थी। बताया था कि 24 जुलाई को सीओ राजेश कुमार तिवारी छेड़खानी और दलित उत्पीड़न मामले की पीड़िता का कलमबद्ध बयान दर्ज करवाने अदालत पहुंचे थे। इस दौरान अदालत ने जांच अधिकारी से नाम पूछा तो उन्होंने नाम बताने से इन्कार कर दिया। कहा... मैं सीओ ठाकुरद्वारा हूं, नाम फाइल में पढ़ लो। अदालत के ऐसे व्यवहार पर एतराज जताए जाने पर सीओ ने व्यंग्यात्मक तरीके से नाम बताया। महिला जज का आरोप है कि उनसे सीओ ने यह भी कहा कि लगता है कि पहली बार कलमबद्ध बयान दर्ज कर रही हैं। इसके बाद वह कुटिल मुस्कान के साथ कोर्ट रूम से बाहर चले गए। सिविल जज ने सीओ के इस बर्ताव की शिकायत जिला जज और मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट से की थी। इसके बाद जिला जज ने एसएसपी मुरादाबाद के माध्यम से सीओ को तलब भी किया था। इसके बाद जिला जज ने पूरा प्रकरण हाईकोर्ट को संदर्भित कर दिया। हाईकोर्ट ने इसका स्वतः संज्ञान लिया। खफा हाईकोर्ट ने अदालती कार्यवाही के दौरान महिला जज का तिरस्कार करने, रौब दिखाने और धमकी देने का सीओ ठाकुरद्वारा राजेश कुमार तिवारी को दोषी माना और उनके खिलाफ आपराधिक अवमानना नोटिस जारी कर दिया। हाईकोर्ट ने अपने कार्यालय को जिला जज के माध्यम से एक हफ्ते में नोटिस तामील कराने का आदेश दिया है। शिकायती पत्र की कॉपी भी सीओ को देने के लिए कहा गया है, ताकि वह कोर्ट में स्पष्ट जवाब के साथ हाजिर हों।

मेरठ में डेंगू से हालात बेकाबू मरीजों की संख्या 500 के पार

मेरठ, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेरठ में लगातार डेंगू के मरीज बढ़ रहे हैं। महानिदेशक परिवार कल्याण ने मेरठ में डेंगू के मामलों पर चिंता जताई है। मेरठ में अब तक डेंगू के 583 मरीज मिल चुके हैं। वहीं मेरठ के सरधना क्षेत्र के गांव कपसाड़ में बुखार के 45 नए मरीज मिले हैं। गांव कपसाड़ में हर घर में बुखार का मरीज मिल रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में कैंप किए हुए है। मेरठ जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या रोज तेजी से बढ़ रही है। मेरठ में डेंगू के 25 मरीज मिले हैं। अब कुल मरीजों की संख्या 583 हो गई है। तेज बुखार, जोड़ों में दर्द वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है। डेंगू के बढ़ते मामलों को देखते हुए महानिदेशक परिवार कल्याण डॉ। बृजेश राठौर मेरठ पहुंचे। उन्होंने दौराला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित मटौर और मैथना गांव का निरीक्षण किया। पीएल शर्मा अस्पताल पहुंचकर उन्होंने डेंगू मरीजों का हाल जाना और जरूरी हिदायतें भी दीं। पीएल शर्मा अस्पताल में डेंगू वार्ड में जगह नहीं है। डेंगू के बढ़ते मरीजों की संख्या को देखते हुए मलेरिया विभाग ने भी अभियान चलाया हुआ है। मेरठ सीएमओ कार्यालय से डीजी हेल्थ ने डॉ। राठौर ने मेरठ, गाजियाबाद, हापुड, बुलंदशहर, नोएडा, बागपत जिलों के सीएमओ के साथ बैठक कर जिलों में डेंगू से निपटने के बेहतर प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं।

15 से 21 के बीच शिक्षकों का योगदान करा देगी नीतीश सरकार

पटना, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई शिक्षा भर्ती परीक्षा का रिजल्ट आने से पहले ही एक लेटर वायरल हो रहा है। यह लेटर वैरिफिकेशन से संबंधित है। इसमें लिखा है कि शिक्षक बहाली परीक्षा में पास करने वाले अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन 15 से 21 अक्टूबर तक होगा। इसमें 17 और 18 अक्टूबर को माध्यमिक स्तर के कक्षा के अभ्यर्थियों के डॉक्यूमेंट का वेरिफिकेशन होगा। वहीं 19, 20 और 21 अक्टूबर को प्राथमिक स्तर के कक्षा के अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट का वेरिफिकेशन होगा। इस वायरल लेटर पर शिक्षा विभाग बिहार सरकार अंकित है।

इलाहाबाद एचसी ने कांग्रेस को 2.66 करोड़ रुपए का बकाया देने को कहा

प्रयागराज, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने कांग्रेस पार्टी को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) को 2.66 करोड़ रुपये भुगतान करने का निर्देश दिया। हाईकोर्ट ने 1981 और 1989 के बीच यूपीएसआरटीसी के बसों और टैक्सियों का उपयोग करने के लिए कांग्रेस को तीन महीने के भीतर भुगतान करने को कहा है। जस्टिस विवेक चौधरी और जस्टिस मनीष कुमार की डिवीजन बेंच मामले की सुनवाई कर रही थी। बेंच ने कांग्रेस द्वारा लगाए गए राजनीतिक प्रतिशोध के आरोप को खारिज कर दिया और कहा कि राशि का भुगतान देय तिथि से 5 प्रतिशत ब्याज के साथ किया जाना चाहिए।

हाईकोर्ट ने आदेश दिया,

केवल ये कहकर कि राजनीतिक प्रतिशोध के कारण राशि गलत तरीके से वसूल की जा रही है या यह तकनीकी आधार लेते हुए कि राशि को भू-राजस्व के बकाया के रूप में वसूल नहीं किया जा सकता है, उसे अपने बिलों का भुगतान करने के दायित्व से बचने की स्वतंत्रता नहीं दी जा सकती है। कोर्ट ने कहा कि कांग्रेस की राजनीतिक रैलियों और अन्य गतिविधियों के लिए यूपीएसआरटीसी द्वारा वाहन उपलब्ध कराए गए थे। हालांकि कांग्रेस ने शुरू में इस मामले को सुलझाने में रुचि दिखाई थी, लेकिन समय बीतने के साथ उसने अपना रुख पूरी तरह से बदल दिया और अब केवल तकनीकी पहलुओं पर दलीलें पेश कर रही है।

क्या है पूरा मामला?

बकाया बिलों में से एक 1984 में दिवंगत प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए लोगों को ले जाने के लिए किराए पर लिए गए वाहनों से भी संबंधित था। राज्य ने 1998 में यूपी पब्लिक मनी (बकाया वसूली) अधिनियम, 1972 के तहत कांग्रेस के खिलाफ वसूली कार्यवाही शुरू की थी। नवंबर 1998 में अदालत ने वसूली कार्यवाही पर रोक लगा दी और मामला पिछले 25 वर्षों से लंबित रहा। अदालत ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ पार्टी रहते हुए कांग्रेस ने अपनी राजनीतिक गतिविधियों के लिए सुविधाओं का लाभ उठाया और कभी-कभी तत्कालीन मुख्यमंत्री या संबंधित मंत्री के निर्देश पर वाहनों की खरीद की गई। दो मौकों पर कांग्रेस ने कुछ पैसों का भुगतान किया था। हालांकि शेष बिल लंबित है।

कांग्रेस का कहना है कि बिल मनगढ़ंत और झूठे थे। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि लेनदेन की प्राप्तियों से इनकार नहीं किया गया था। रिकॉर्ड पर ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे पता चले कि राज्य सरकार ने बकाया भुगतान के लिए कोई निर्णय लिया है। सार्वजनिक संपत्ति का उपयोग अपने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए किया था। अदालत ने कहा कि कांग्रेस बकाया राशि का भुगतान करने के लिए बाध्य है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने कांग्रेस को तीन महीने के भीतर ब्याज सहित बकाया भुगतान करने का आदेश दिया।

साधू दुबे को गुजरात से बुलाएगी पुलिस, जमीन विवाद को लेकर पूछेगी ये सवाल; खुलेंगे कई राज

देवरिया, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के देवरिया में हुई छह लोगों की हत्या ने सभी को झकझोर दिया। इस मामले में जांच लगातार जारी है। पुलिस इस मामले में अब उस शख्स तक पहुंच गई है, जिसकी जमीन को लेकर यह नरसंहार हुआ था। साधू दुबे का पता पुलिस ने पहले ही लगा लिया था और अब उससे पूछताछ की तैयारी की जा रही है। रुद्रपुर के फतेहपुर लेहड़ा हत्या कांड के बाद पुलिस को ज्ञान प्रकाश उर्फ साधू दुबे की की याद आ गई है। एसपी संकल्प शर्मा ने गुजरात में मौजूद साधू से मोबाइल पर रविवार की रात बात की और घटना की जानकारी देने के साथ ही अन्य जानकारियां भी ली। पुलिस विवेचना के दौरान साधू को पूछताछ के लिए देवरिया बुलाएगी। इसकी तैयारी पुलिस ने शुरू कर दी है। पुलिस उसे कभी-भी जिले में बुला सकती है। पुलिस साधू दुबे से इस पूरे भूमि विवाद के बारे में पूछेगी।

उत्तर प्रदेश में मानसून पर लगेगा ब्रेक, 15 अक्टूबर से शुरू होगी ठंड

वाराणसी, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। मानसून उत्तर प्रदेश से अगले दो दिनों में विदाई ले लेगा। बादलों की आवाजाही खत्म हो जाएगी और मौसम शुष्क हो जाएगा। इसे लेकर आईएमडी ने अगले 5 दिनों का अपडेट दिया है। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो मंगलवार को पश्चिमी यूपी के एक से दो जिलों में हल्की बौछार की संभवाना है। इसके बाद मानसून साल भर के लिए प्रदेश से विदा हो लेगा। इसके बाद 14 अक्टूबर तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार अफजल दो दिनों में धुंध (कोहरा) शुरू हो सकती है। वहीं इस वर्ष 15 अक्टूबर से ही ठंड की शरूआत के पूर्वानुमान है।

पश्चिमी विक्षोभ हुआ बेअसर

मौसम वैज्ञानिकों की माने तो हिमालय में बना पच्छिमी विक्षोभ 10 अक्टूबर को पश्चिमी यूपी में कुछ जिलों में हल्की बौछार कराएगा। मानसून का बादल आसमान से अब विदाई लेगा और बारिश खत्म हो जाएगी। पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले 4 दिनों तक मौसम शुष्क रहने का पूर्वानुमान है और तीखी धूप लोगों परेशान करती दिखाई देगी। यपी मौसम विभाग की मानें तो मंगलवार-बुधवार के बाद फिर मौसम बदलने का पूर्वानुमान है। 12-13 अक्टूबर के मानसून पूरे तरह से प्रदेश से विदा हो जाएगा और बारिश का यह सिलसिला थम जाएगा और तापमान में भी परिवर्तन देखने को मिलेगा। तामपमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की जाएगी जिससे ठंड दस्तक देगी।

वाराणसी में अगले 5 दिन कैसा रहेगा मौसम

आईएमडी की वेबसाइट के अनुसार वाराणसी में 10 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक मौसम साफ रहेगा। न्यूनतम तापमान में 4 डिग्री की गिरवाट दर्ज की जाएगी। वाराणसी में आज का न्यूनतम तापमान 26 डिग्री रहने का अनुमान है। वहीं मौसम के परिवर्तन के बाद 15 अक्टूबर को न्यूनतम तापमान 22 डिग्री तक पहुंचने का पूर्वानुमान है। वहीं अधिकतम तापमान में महज एक डिग्री की गिरवाट दर्ज की जाएगी। वाराणसी में आज अधिकतम तापमान 36 डिग्री रहने का पूर्वानुमान है। वाराणसी में मंगलवार की सुबह ह्यूमिडिटी 77 प्रतिशत और हवा 8 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चल रही है।

बेवफाई! दूसरी लड़की के चक्कर में पत्नी को मार डाला? हाजीपुर में दामाद पर लगा हत्या का आरोप

हाजीपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। महुआ थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में सोमवार (9 अक्टूबर) को एक महिला का संदिग्ध हालत में शव मिला। मृतक महिला की पहचान कुंदन राय की पत्नी प्रियंका कुमारी (30) के रूप में की गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग जुट गए। लोगों ने इसकी जानकारी महुआ थाने की पुलिस को दी। पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच की। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। घटना को लेकर आरोपी पति को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ में जुटी है। अपनी बेटी की मौत के बाद मायके वालों ने उसके पति पर ही हत्या का आरोप लगाया है। परिवार वालों ने बताया कि लड़की के चक्कर में घटना को अंजाम दिया गया है। कुंदन का किसी लड़की के साथ अवैध संबंध था जिसके कारण पत्नी प्रियंका के साथ अक्सर मारपीट करता था। मायके वालों ने कहा कि कुंदन कुमार से प्रियंका की शादी हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद से ही पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया। अक्सर कुंदन अपनी पत्नी प्रियंका के साथ मारपीट करता था। पति-पत्नी के बीच विवाद इसलिए हो रहा था क्योंकि कुंदन अपने गांव की ही किसी लड़की के साथ प्रेम करता था। उसकी पत्नी उसका विरोध करती थी।

एकतरफा प्यार में लड़की की मांग में डाला सिंदूर तो युवती ने उतार डाला भूत!

जमुई, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। शहर के झाझा बस स्टैंड के पास एक मनचले युवक की शर्मनाक करतूत सामने आई है। यहां एक युवक ने बीच सड़क पर एक लड़की की मांग में जबरन सिंदूर डाल दिया, जिसके बाद लोगों की भीड़ जुट गई। इस दौरान पीड़ित लड़की बेहद गुस्से में दिखी और युवक को जमकर खरी खोटी सुनाती दिखी। लड़की बेहद गुस्से में देख स्थानीय लोगों ने युवक को पकड़ लिया जमकर पिटाई की। इसके बाद लोगों ने आरोपी युवक को पुलिस को सौंप दिया। इस बीच सूचना के बाद मौके पर पहुंची नगर थाना पुलिस युवक को अपने कब्जे में ले थाना ले गई। पकड़े गए युवक का नाम वीरू सिंह बताया गया है जो शहर के उझंडी मोहल्ले का रहने वाला है। गिरफ्तार युवक ने बताया कि वह उसे लड़की से प्रेम करता है जिस कारण उसकी मांग में सिंदूर डाल दिया। जानकारी के अनुसार उझंडी के रहने वाले युवक वीरू सिंह की बहन की शादी लड़की के पड़ोस में हुई है, जिस कारण युवक वीरू लड़की के घर आना-जाना करता था।

चंद्रशेखर ने पीएम पर साधा निशाना

कहा- देश के हालात ठीक नहीं चल रहे हैं

बिजनोर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जनता को उत्तर नहीं देना चाहते हैं। जब पिछले दिनों सदन में मणिपुर की हिंसा के बारे में सवाल उठाए। तो प्रधानमंत्री संसद को छोड़ भाग गए। कहा कि यदि वह पार्लियामेंट में होते हैं तो भागने नहीं देते। संविधान, लोकतंत्र खतरे में है। देश के दलितों, शोषितों, आदिवासी कमजोर वर्गों के लोगों को एक होकर बाबा डॉक्टर भीमराव आंबेडकर ,मान्यवर काशीराम के अधूरे सपनों को पूरा करना होगा। आपको बताते चले कि केएम इंटर कॉलेज के मैदान में संपन्न सामाजिक न्याय संविधान बचाओं रैली को संबोधित करते चंद्रशेखर ने कहा कि देश के हालात ठीक नहीं चल रहे हैं। लोकतंत्र, संविधान को बचाना जरूरी हो गया है।

बहुजन संस्थापक कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर सभी को एक होकर संघर्ष करने की कसम खिलाई। कहा कि हम उनके अधूरे सपनों को हर हाल पूरा कर डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के संविधान को नहीं बदलने देंगे। सामाजिक न्याय संविधान- बचाओ रैली का मतलब ही यही है कि सभी कमजोर वर्ग के लोगों को एक साथ होकर सत्ता पक्ष में बैठे ऐसे लोगों को कुर्सी से उतार कर फेंक दें। जिनसे देश को खतरा है। चंद्रशेखर आजाद ने महात्मा गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि जब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर दलित शोषितों को उनके अधिकारों के प्रति एक कर आंदोलन कर रहे थे। तो महात्मा गांधी ने विरोध किया था। लेकिन कार्यकर्ताओं ने डॉक्टर आंबेडकर का समर्थन किया। तभी से देश में लोगों को आरक्षण मिला है।

बबीना ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

शक्ति परीक्षण के लिए बीडीसी की तलाश शुरू, 13 को होगा सत्यापन

झांसी, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बबीना ब्लॉक प्रमुख बबीता के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित कराने के लिए सत्ता पक्ष ने शक्ति प्रदर्शन की तैयारी कर ली है। अविश्वास प्रस्ताव के परीक्षण के लिए 13 अक्टूबर को बैठक बुलायी गयी है। इसके पहले ही क्षेत्र पंचायत सदस्यों को अपने पक्ष में करने के प्रयास तेज हो गये हैं। इस बीच, रक्सा क्षेत्र के एक क्षेत्र पंचायत सदस्य के कथित तौर पर अपहरण के प्रयास ने पूरे मामले को लोगों को सामने ला दिया है। ब्लॉक प्रमुख चुनाव में तमाम प्रयास के बाद भी बबीना ब्लॉक में भाजपा को सफलता नहीं मिल पायी थी। यहां विरोधी खेमे से बबीता ने जीत हासिल की थी। इसके बाद से ही बबीना ब्लॉक प्रमुख को घेरने के प्रयास चलते रहे। इस बीच, बीते दिनों बबीना ब्लॉक प्रमुख व उनके पति पर मुकदमे दर्ज किए गए। अब 13 अक्टूबर को होने वाली बबीना ब्लॉक की बैठक में अध्यक्ष को शामिल नहीं होने देने तथा क्षेत्र पंचायत सदस्यों को अपने पक्ष में करने के प्रयास चल निकले हैं। इस पूरी प्रक्रिया में अति उत्साह में भाजपा के ही एक समर्थक बीडीसी मोहित गुप्ता के अपहरण की बीती रात कोशिश की गयी। लोगों ने अपहरण करने आए एक व्यक्ति को पकड़ लिया, तो कुछ गायब हो गए। इससे क्षेत्र पंचायत सदस्यों को अपने पक्ष में करने की योजना सबके सामने आ गयी। हालांकि अभी तक ब्लॉक प्रमुख को लेकर किसी राजनीतिक दल ने पत्ते नहीं खोले हैं। ब्लॉक प्रमुख चुनाव में सामने आए विरोधी दल के नेता भी गायब हैं। क्षेत्र पंचायत सदस्यों को अपने हाल पर छोड़ दिया गया है। बबीना ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित कराने के लिए अभी भी संख्या पूरी नहीं हो पायी है। कई बीडीसी सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन तो कर दिया है, लेकिन फिर भी संशय की स्थिति है। और सत्ताधारी दल इसको लेकर पूरी तरह आश्वस्त हो जाना चाहता है। इसलिए बीडीसी को एक साथ बिठाया जा रहा है।

गया एयरपोर्ट से 14 अक्टूबर से शुरू होगी इंटरनेशनल हवाई सेवा

गया, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के हवाई यात्रियों के लिए काम की खबर है। गया जैसे जिले के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई जहाजों का उड़ना एक सपना जैसा है जो कि अब धीरे-धीरे साकार होता दिख रहा है। आगामी 14 अक्टूबर से गया से अलग-अलग देशों के लिए सीधी फ्लाइट सेवा शुरू की जा रही है। यह सेवा गया एयरपोर्ट से भूटान, म्यांमार और थाईलैंड के लिए विमान सेवा शुरू होगी। हालांकि हाल ही में वियतनाम से पहली चार्टर्ड फ्लाइट यात्रियों को लेकर गया एयरपोर्ट पहुंची है। साथ ही श्रीलंका के लिए सीधी विमान सेवा शुरू होने की संभावना है। 14 अक्टूबर से फ्लाइट सेवा शुरू होगी।

लालू यादव बोले- कैंसर का इलाज सिरदर्द की दवा से नहीं

बीजेपी ने पलटकर उन्हीं के अंदाज में दे दिया जवाब

पटना, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में जातीय गणना की रिपोर्ट के बाद सियासत तेज है। आंकड़ों को लेकर जो भी सवाल उठाए जा रहे हैं उसको लेकर सरकार की ओर से साफ भी कर दिया है कि जो रिपोर्ट है वह सही है। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने ट्वीट करते हुए निशाना साधा था। कहा था कि कैंसर का इलाज सिरदर्द की दवा खाने से नहीं होगा। लालू को उन्हीं के अंदाज में मंगलवार को बीजेपी ने जवाब दिया है।

बीजेपी बोली- अपने समय में क्यों नहीं कराई जातीय गणना?

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने कहा कि लालू यादव की यह बात सही है

कि कैंसर का इलाज सिरदर्द की दवा खाने से नहीं होगा, लेकिन बिहार में एक यह भी कहावत चलती है 'सूप दुसता है चलनी को, जिसमें कई छेद'। आपने अपने समय में जातीय गणना क्यों नहीं करवाई?

'जनाधार खिसक रहा तो जातीय गणना की हो रही बात'

प्रभाकर मिश्रा ने लालू को कहा कि आपने तो 15 साल बिहार में शासन किया। केंद्र में मनमोहन सिंह की 10 साल की सरकार थी उसमें आप मंत्री थे। उस वक्त आपको जातीय गणना की याद क्यों नहीं आई? आप इतना लेट क्यों कर दिए? जातीय गणना की शुरुआत एनडीए के शासनकाल में हुई है। अब आपका जनाधार खिसक रहा है तो जातीय गणना की बात आप कर रहे हैं।

लालू प्रसाद यादव ने क्या कहा था?

लालू प्रसाद यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा जातिगत जनगणना के विरुद्ध जो भी लोग हैं वो इंसानियत, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक बराबरी तथा समानुपातिक प्रतिनिधित्व के खिलाफ है। ऐसे लोगों में रत्ती भर भी न्यायिक चरित्र नहीं होता है। किसी भी प्रकार की असमानता एवं गैरबराबरी के ऐसे समर्थक अन्यायी प्रवृत्ति के होते हैं जो जन्म से लेकर मृत्यु तक केवल और केवल जन्मजात जातीय श्रेष्ठता के आधार एवं दंभ पर दूसरों का हक खाकर अपनी कथित श्रेष्ठता को बरकरार रखना चाहते हैं। कैंसर का इलाज सिरदर्द की दवा खाने से नहीं होगा।

सुविचार

जो सत्य है, उसे साहसपूर्वक निर्भीक होकर लोगों से कहो। उससे किसी को कष्ट होता है या नहीं, इस पर ध्यान मत दो।

भारी मात्रा में नकदी के साथ चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स पुलिस के साथ कमिश्नर टास्कफोर्स नॉर्थ जोन के अधिकारियों ने बंजारा हिल्स पीएस की सीमा सिग्नल जंक्शन, रोड, नंबर 3 पर वाहन की चेकिंग के दौरान 3,35,00,000 (तीन करोड़ पैंतीस लाख) रुपये की बेहिसाबी नकदी बरामद की। गिरफ्तार आरोपियों में ग्रीन हिल्स, चंदानगर निवासी हनुमंत रेड्डी, मुशीराबाद निवासी बी. प्रभाकर, मदीनागुड़ा मंडला श्रीरामुलु रेड्डी, मदीनागुड़ा निवासी मंडला उदय कुमार रेड्डी शामिल हैं। वेस्ट जोन के डीसीपी जोएल डेविस ने बताया कि आरोपियों के पास से तीन करोड़ पैंतीस लाख नकद, एक कैश गिनने की मशीन, एक कार मिली है।

पूछताछ करने पर आरोपी हनुमंत रेड्डी ने खुलासा किया कि वह एक निजी फार्म में काम करता है। वह तीनों व्यक्तियों के साथ मिलकर हवाला राशि एकत्र करता था और जुड़वां शहरों में विभिन्न स्थानों पर पहुंचाता था। हवाला लेनदेन से निपटने के लिए उन्होंने एक साल पहले प्लाट नंबर 583, साईं कृपा बिल्डिंग, ऑरोरा कॉलोनी, बंजारा हिल्स में एक कार्यालय खोला है। आमतौर पर प्रभाकर को ग्राहकों से हवाला रकम के ऑर्डर मिलते हैं। उनके निर्देश पर चौधरी हनुमंत रेड्डी, श्रीरामुलु रेड्डी और उदय कुमार रेड्डी ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुसार हवाला राशि एकत्र करते हैं और वितरित करते हैं। 1 करोड़ हवाला रकम पहुंचाने के लिए वह 25 हजार रुपये कमीशन लेता था। प्रभाकर के निर्देश पर, हनुमंत रेड्डी ने अन्य व्यक्तियों के साथ बेगमबाजार, नामपल्ली, गोशामहल और जुबली हिल्स से हवाला राशि एकत्र की। एकत्र की गई हवाला राशि को वाहन से साईं कृपा बिल्डिंग, अरोरा कॉलोनी, बंजारा हिल्स स्थित उनके कार्यालय में स्थानांतरित करते समय, रास्ते में ट्रैफिक सिग्नल हिल्स के पास वाहन को रोका और तलाशी लेने पर नकदी मिली।

सीपी ने लाइसेंसी हथियार धारकों से अपने हथियार जमा कराने को कहा

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने आज तेलंगाना विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सभी लाइसेंस प्राप्त हथियार धारकों को अपने हथियार जमा करने के लिए कहा। सीपी की ओर से 16 अक्टूबर से पहले पुलिस स्टेशनों में हथियार जमा करने का आदेश दिया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि हथियार जमा नहीं करने पर कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि जमा किए गए हथियार 10 दिसंबर के बाद लिए जा सकते हैं। यहां बता दें कि ईसीआई ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव का शेड्यूल जारी कर दिया है। राज्य विधानसभा चुनाव एक ही चरण में होंगे. अधिसूचना 3 नवंबर को जारी की जाएगी। 10 नवंबर नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख है और नामांकन की जांच 13 नवंबर को होगी।

आरटीसी ने 'बतुकम्मा' और 'दशहरा' के लिए विस्तृत व्यवस्था की

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बथुकम्मा और दशहरा त्योहारों के दौरान यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) पूरी तरह से तैयार है। यात्रियों की अनुमानित भीड़ को पूरा करने के लिए, आरटीसी ने 13 से 24 अक्टूबर के बीच 5,265 विशेष बसों की व्यवस्था की है। पुलिस और परिवहन विभाग टीएसआरटीसी के साथ सहयोग कर रहे हैं। टीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनर ने सोमवार को हैदराबाद में पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ एक समन्वय बैठक के दौरान कहा, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यात्री सुरक्षा सर्वोपरि हो और त्योहार के दौरान कोई अप्रिय घटना न हो। त्योहार के दौरान अपने गृहनगर जाने वाले यात्रियों को किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

आरटीसी ने 536 सेवाओं के लिए अग्रिम आरक्षण सुविधा भी प्रदान की है और हैदराबाद और सिकंदराबाद से तेलंगाना के सभी हिस्सों और पड़ोसी राज्यों के लिए विशेष बसें संचालित होंगी। हम विशेष शिविर क्षेत्र स्थापित करेंगे और यात्रियों को सभी सुविधाएं प्रदान करेंगे। हम यात्री यातायात पर नज़र रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए व्यस्त क्षेत्रों में निगरानी अधिकारियों की नियुक्ति कर रहे हैं कि उन्हें सही समय पर बसें उपलब्ध हों। सज्जनार ने कहा, यात्रियों को जानकारी प्रदान करने के लिए स्वयंसेवकों को नियुक्त किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए नागरिक टीएसआरटीसी कॉल सेंटर नंबर 040-69440000 या 040-23450033 पर कॉल कर सकते हैं।

विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन पर यात्री बैटरी चालित कार्ट सेवा शुरू की गई

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों के लिए आवश्यक और महत्वपूर्ण सुविधाएं प्रदान करने के अपने निरंतर प्रयास में, विजयवाड़ा मंडल ने विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन पर बैटरी संचालित कार्ट सेवाएं शुरू कीं। विजयवाड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक नरेंद्र ए. पाटिल ने दो बैटरी की घोषणा की। ऑपरेटेड कार्ट सेवाएँ आज जनता के लिए खुली हैं। ये बैटरी चालित गाड़ियां सेवाएं चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगी और आवश्यकतानुसार यात्रियों और उनके सामान को संबंधित प्लेटफार्मों/कोचों तक पहुंचाने में सहायता करेंगी। यह ठेका वाणिज्यिक विभाग द्वारा गैर-किराया राजस्व पहल के तहत प्रदान किया गया है। सम्मानित रेल यात्री मोबाइल नंबर 9640694079 पर संपर्क करके विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन पर प्रति सीट मात्र 50 रुपये की किफायती दर पर बैटरी चालित कार्ट सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। यात्रियों के लाभ के लिए, भुगतान डिजिटल भुगतान मोड के माध्यम से भी किया जा सकता है। मीडिया को संबोधित करते हुए, विजयवाड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक, नरेंद्र ए. पाटिल ने विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन पर एक और मूल्य वर्धित सेवाएं शुरू करने के लिए रामबाबू वाविलपल्ली, सीनियर डीसीएम और वाणिज्यिक टीम की सराहना की। डीआरएम ने कहा कि ये दो बैटरी चालित गाड़ियां यात्रियों, विशेषकर वृद्धों, गर्भवती महिलाओं, बच्चों, दिव्यांगजनों और हड्डी संबंधी समस्याओं वाले रोगियों के लिए बेहद मददगार होंगी। उन्होंने कहा कि यात्रा करने वाले लोगों की प्रतिक्रिया के आधार पर, यात्रियों की सेवा के लिए अधिक बैटरी चालित गाड़ियां शुरू की जाएंगी। रामबाबू वाविलपल्ली, सीनियर डीसीएम; सुश्री नुसरत एम. मंदरूपकर, पीआरओ रवि प्रकाश, स्टेशन प्रबंधक, विजयवाड़ा; कार्यक्रम के दौरान इंस्पेक्टर और कर्मचारी मौजूद रहे।

सीएम केसीआर की पत्नी ने तिरुमाला मंदिर में पूजा-अर्चना की

तिरूपति, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की पत्नी शोभा राव ने मंगलवार को यहां प्रसिद्ध तिरुमाला मंदिर में पूजा-अर्चना की। हैदराबाद से विशेष विमान से तिरूपति पहुंचने के बाद शोभा ने आज सुबह परिवार के कुछ सदस्यों के साथ दर्शन किये। उन्होंने अर्चना सेवा में भाग लिया और पहाड़ी मंदिर में पूजा अनुष्ठानों के हिस्से के रूप में अपना सिर भी मुंडवाया। मुख्यमंत्री केसीआर के खराब स्वास्थ्य की खबरों के बीच उनका मंदिर दौरा हुआ।

पिछले हफ्ते, उनके बेटे और मंत्री के. टी. रामा राव ने खुलासा किया था कि वह वायरल बुखार और एक माध्यमिक संक्रमण से पीड़ित हैं। भारत के चुनाव आयोग द्वारा तेलंगाना में विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के एक दिन बाद शोभा ने प्रसिद्ध मंदिर में प्रार्थना की। मुख्यमंत्री के रूप में हैट्रिक लगाने का लक्ष्य लेकर चल रहे केसीआर 15 अक्टूबर को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) चुनाव अभियान शुरू करने वाले हैं और उसी दिन चुनाव घोषणापत्र भी लॉन्च करेंगे।

पार्टी ने केसीआर द्वारा संबोधित की जाने वाली सार्वजनिक बैठकों की एक श्रृंखला की भी घोषणा की है। बीआरएस प्रमुख, जो दो विधानसभा सीटों गजवेल और कामारेड्डी से चुनाव लड़ेंगे, 9 नवंबर को नामांकन दाखिल करने की योजना बना रहे हैं। 119 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव 30 नवंबर को होने हैं। बीआरएस ने पहले ही 115 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है।

मतदाता जागरूकता पर राज्य भर में साइकिल रैली

सीईओ विकास राज ने रैली में भाग लेने वालों का किया सम्मान

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विकास राज ने कहा कि मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत साइकिल रैली के परिणाम मिले हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव अधिकारी राजीव कुमार ने कहा कि इस महीने की 4 तारीख को दुर्गम चेरुवु में आयोजित राज्यस्तरीय साइकिल रैली से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत हो चुकी है। इस मौके पर सीईओ विकास राज ने कहा कि युवा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए उन्होंने कई कॉलेजों का दौरा किया और उन्हें मतदाता पंजीकरण और मतदान के प्रति पूरी तरह जागरूक किया। इस अवसर पर, साइकिल रैली में भाग लेने वालों को सम्मानित किया गया क्योंकि वे हैदराबाद से जनगांव वारंगल, हनमाकोंडा, सिद्दीपेट, करीमनगर और निज़ामाबाद होते हुए कामारेड्डी जिले तक आए थे। इस अवसर पर सेवानिवृत्त महानिदेशक मोहन ने राज्य स्तर पर साइकिलिंग में भाग लेने का अवसर देने के लिए सीईओ को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस साइकिल रैली में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और यह लक्ष्य के अनुरूप पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार राज्य स्तरीय साइकिल रैली का आयोजन किया गया है। जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में कमिश्नर रोनाल्ड रोज, ज्वाइंट सीईओ सरफराज अहमद समेत अन्य शामिल हुए।

हाईकोर्ट ने मंत्री श्रीनिवास गौड़ के चुनाव के खिलाफ याचिका खारिज कर दी

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्पाद शुल्क मंत्री श्रीनिवास गौड़ को मंगलवार को उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली। कोर्ट ने श्रीनिवास गौड़ के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। महबूबनगर के निवासी राघवेंद्र राजू ने 2018 में एक याचिका दायर कर दावा किया था कि श्रीनिवास गौड़ का चुनाव अमान्य था क्योंकि उन्होंने चुनाव में गलत हलफनामा दाखिल किया था।

हालांकि, मंत्री ने अपने खिलाफ दायर याचिका को खारिज करने के लिए हाई कोर्ट में याचिका भी दायर की. इस हद तक जांच करने वाली अदालत ने याचिका खारिज कर दी।

बलात्कारी को उम्रकैद, पीड़िता को 10 लाख और बच्चे को 5 लाख रुपये देने का आदेश

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पोस्को अधिनियम के तहत एक नाबालिग लड़की का यौन शोषण करने और उसे गर्भवती करने के लिए एक व्यक्ति को आजीवन कारावास और 32,000 रुपये का जुर्माना भरने की सजा सुनाई गई।

शादनगर पुलिस, साइबराबाद के अनुसार, अपराध 25 मई, 2017 से पहले रंगा रेड्डी जिले के फारूकनगर मंडल में हुआ था। नाबालिग लड़की और आरोपी एक ही गांव में रहते हैं। आरोपी पुजारी पांडु पीड़िता का पीछा करता था और उससे दोस्ती करता था और उसे शादी करने का झूठा वादा करता था। पीड़िता के मना करने के बावजूद आरोपी ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया और उसे गर्भवती कर दिया। उसके गर्भवती होने के बाद आरोपी ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया, क्योंकि वह एससी समुदाय से है। शिकायत के अनुसार, शादनगर पीएस, रक्षिता के मूर्ति ने बताया कि पोस्को अधिनियम के तहत आईपीसी की धारा 420 और धारा 3 (ए) और 4 के तहत मामला दर्ज किया। जांच पूरी होने के बाद संबंधित अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया. मुकदमे के बाद, शादनगर में एफटीएससी और पोक्सो कोर्ट ने आरोपी पूजारी पांडु को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और 32,000 रुपये का जुर्माना लगाया। न्यायाधीश ने पीड़िता को 10,00,000 रुपये और लड़के के लिए 5,00,000 रुपये का मुआवजा भी दिया। शिकायतकर्ता एम. स्टीफन रवीन्द्र, आईपीएस, पुलिस आयुक्त, साइबराबाद ने आईओ, पीपी और सीडीओ की सराहना की और घोषणा की कि उन्हें मासिक इनाम मेले में पुरस्कृत किया जाएगा।

हिट एंड रन की घटना में एसपीएफ़ कांस्टेबल की मौत

नलगोंडा, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार तड़के हलिया मंडल के वेंकटपुरम में हिट एंड रन की घटना में एक विशेष सुरक्षा बल कांस्टेबल (एसपीएफ) की मौके पर ही मौत हो गई। एसपीएफ़ कांस्टेबल बी. मधु नागार्जुन सागर बांध पर कार्यरत थे और जब वह मोटरसाइकिल पर नलगोंडा जा रहे थे तो दुर्घटना का शिकार हो गए।

यदाद्री-भोंगिर जिले के मोथकुर मंडल के अरेगुडेम के मूल निवासी, मधु को सिर पर गंभीर चोटें आईं और एक अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हलिया पुलिस मुकदमा दर्ज कर दुर्घटना को अंजाम देने वाले वाहन की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

रेल मंत्रालय
(दक्षिण मध्य रेलवे)

अधिसूचना

PUB/1138

सिकंदराबाद, 20 जून, 2023

का.आ.2738 (अ).— केंद्रा सरकार, रेलवे (संशोधन) अधिनियम, 2008 की धारा 2 के खंड (37 क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा, "मुदखेड और डोन (417.88 कि.मी) के बीच दोहरीकरण " को जन प्रयोजन हेतु राष्ट्रीय अवसंरचना प्रदान करने के लिए महाराष्ट्र राज्य के नांदेड जिले में, तेलंगाना राज्य के निर्मल, निज़ामाबाद, कामारेड्डी, मेदक, मेड्चल - मल्काजगिरि, महबूबनगर और जोगुलांबा-गद्वाल तथा आंध्र प्रदेश राज्य के कर्नुल और नंद्याल जिले में भूमि अधिग्रहण हेतु आधिकारिक राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से एक विशेष रेल परियोजना के रूप में अधिसूचित करती है.

[फा. सं. W.Con.182/SRP-06/MUE-DHNE/23-24/247/37A]

A1568 एच. के. भगोरिया, मुख्य इंजीनियर / निर्माण-V

रेल मंत्रालय
(दक्षिण मध्य रेलवे)

अधिसूचना

PUB/1137

सिकंदराबाद, 28 जुलाई 2023

का.आ.-----. केंद्रीय सरकार, रेलवे अधिनिम की धारा2 के खंड (7क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन के तारीख से, नीचे सारणी के स्भ (2) में यथा उल्लिखित विशेष रेल परियोजना की बाबत उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में उल्लिखित राज्य में निष्पादन, अनुरक्षण, प्रबंधन और परिचालन के लिए सक्षम प्राधिकार के रूप में कार्य करने के लिए सारणी स्तम्भ (5) में उल्लिखित अधिकारी को प्राधिकृत करती है.

सारणी

क्र सं.	विशेष रेल पिरयोजना	राज्य	जिला	सक्षम प्राधिकारी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	मुदखेड-डोन (417.88 किमी) के बीच ट्रैक का दोहरीकरण	तेलंगाना	निज़ामाबाद	राजस्व मंडल अधिकारी, निज़ामाबाद

[फाइल सं. : W.Con.182/SRP-06/MUE-DHNE/23-24/247/7A/I]

(अमित अग्रवाल)

मुख्य इंजीनियर / नि / आयोजना एवं सर्वेक्षण

दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद

A1567

रेल मंत्रालय
(दक्षिण मध्य रेलवे)

अधिसूचना

PUB/1136

सिकंदराबाद, 15 सितंबर 2023

का.आ.-----. केंद्रीय सरकार, रेलवे अधिनिम, 2008 की धारा2 के खंड (7क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन के तारीख से, नीचे सारणी के स्भ (2) में यथा उल्लिखित विशेष रेल परियोजना की बाबत उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में उल्लिखित राज्य में निष्पादन, अनुरक्षण, प्रबंधन और परिचालन के लिए सक्षम प्राधिकार के रूप में कार्य करने के लिए सारणी स्तम्भ (5) में उल्लिखित अधिकारी को प्राधिकृत करती है.

सारणी

क्र सं.	विशेष रेल पिरयोजना	राज्य	जिला	सक्षम प्राधिकारी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	मुदखेड-डोन (417.88 किमी.) के बीच ट्रैक का दोहरीकरण	तेलंगाना	कामारेड्डी	राजस्व मंडल अधिकारी, कामारेड्डी / येल्लारेड्डी / बांसवाड़ा

[फाइल सं. :W.Con.182/SRP-06/MUE-DHNE/23-24/247/7A/IV]

(अमित अग्रवाल)

मुख्य इंजीनियर / निर्माण / आयोजना एवं सर्वेक्षण

दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद

A1566

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Service No.14803490F, Rank: SEP Name: MD Nasar S/o. Late. MD. Jafar, R/o. H.No.8-96, Aloor, VTC: Chevella, Ranga Reddy Dist-501503, Telangana State, my wife name changed from Bilgees to Bilquis Begum (affidavit no. 31AA 353616 dt.06-10-2023)

I, Service No.14803490F, Rank: SEP Name: MD Nasar S/o. Late. MD. Jafar, R/o. H.No.8-96, Aloor, VTC: Chevella, Ranga Reddy Dist-501503, Telangana State, my Mother incorrect name & DOB Jubeda 01-07-1951 & Correct Name& DOB Jubeda Beguam 01-01-1950 (affidavit no. 31AA 353615 dt.06-10-2023)

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB/1131

प्रपत्र 10-1

सार्वजनिक अधिसूचना

एतद्वारा निम्न विवरित खंड के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है कि:

सेक्शन : सिकंदराबाद डिवीजनः यात्रियों की सार्वजनिक ढुलाई तथा माल ढुलाई सेवाओं के परिचालन के लिए, दमरे के सिकंदराबाद डिवीजन के चर्लापल्ली स्टेशन पर प्रस्तावित टर्मिनल सुविधाओं मध्देनजर मौजूदा ओएचइ के प्रति संशोधनों सहित सीएचजेड यार्ड पर नये रूप से मुहैय्या किए गये ओएचइ का ऊर्जाकरण करना।

ओएचई मास्ट लोकेशनः दक्षिण मध्य रेलवे के यात्रियों की सार्वजनिक ढुलाई तथा माल ढुलाई सेवाओं के परिचालन के लिए, चिंतलपल्ली यार्ड पर सीएचः 204045.70एम से 207353.90एम से, ओएचई मास्ट लोकेशन सीएचजेड/एसएन 01(किमी/सीएचः204/45.70) से ओएचइ मास्ट लोकेशन सीएचजेड/2101(किमी/सीएचः 207/353.90) तक तत्संबंधित कार्य के उपलक्ष्य में उपरोक्त सेक्शन के 25000 वोल्ट, 50 एचजेड, ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स को प्रभावी तिथि 20-10-2023 को या इसके बाद उर्जित (एनर्जाइज) किया जायेगा। अतः निर्दिष्ट तिथि या उसी तिथि से ओवर हेड ट्रैक्शन लाइनस् को निरंतर लाइव या सक्रिय माना जायेगा तथा इसके चलते कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवर हेड लाइन के निकट न पहुंच सकेगा न कोई कार्य ही कर सकेगा।

प्रपत्र 10-2

(एसीटीएम अनुच्छेद 21020, खंड ।।, भाग ।- सुधार पर्ची सं.32, दि.09.10.2020)

एसी 25 केवी ट्रैक्शन का प्रारंभ सडक उपयोगकर्ताओं को चेतावनी

आम जनता को एतद्वारा निम्न सेक्शन के तहत 25 केवी ए.सी. इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के प्रारंभ के बारे में अधिसूचित किया जाता है कि,

सेक्शन : सिकंदराबाद डिवीजनः यात्रियों की सार्वजनिक ढुलाई तथा माल ढुलाई सेवाओं के परिचालन के लिए, दमरे के सिकंदराबाद डिवीजन के चर्लापल्ली स्टेशन पर प्रस्तावित टर्मिनल सुविधाओं मध्देनजर मौजूदा ओएचइ के प्रति संशोधनों सहित सीएचजेड यार्ड पर नये रूप से मुहैय्या किए गये ओएचइ का ऊर्जाकरण करना।

ओएचई मास्ट लोकेशनः दक्षिण मध्य रेलवे के यात्रियों की सार्वजनिक ढुलाई तथा माल ढुलाई सेवाओं के परिचालन के लिए, चिंतलपल्ली यार्ड पर सीएचः 204045.70एम से 207353.90एम से, ओएचई मास्ट लोकेशन सीएचजेड/एसएन 01(किमी/सीएचः204/45.70) से ओएचइ मास्ट लोकेशन सीएचजेड/2101(किमी/सीएचः 207/353.90) तक, तत्संबंधित कार्य के मध्देनजर अत्यधिक ऊंचाई के भार के संपर्क में आने या लाइव ट्रैक्शन वायर्स (संपर्क वायर्स) के खतरनाक निकटता की रोकथाम के लिए सभी लेवल क्रासिंग्स पर सड़क के स्तर से उपर 4.78 मीटर्स की स्पष्ट अधिकतम ऊंचाई के साथ हाइट गेजेस स्थापित किए गए हैं।

अतः आम जनता को एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि, लदान करने वाले वाहनों के प्रति उक्त निर्दिष्ट ऊंचाई का कडाई से पालन किया जाए और इसका पूरा ध्यान रखें कि, किसी भी परिस्थिति में सड़क वाहनों में लदान किए गए भार, उपरोक्त हाइट गेज का उल्लंघन कतई न करते हो।

अत्यधिक ऊंचाई के भार के खतरे निम्न प्रकार हैं-

हाइट गेज के लिए खतरा और सड़क के साथ-साथ रेलवे लाइन के लिए रुकावट I

II) मटेरियल या उपकरण को खतरा या तत्संबंधित वाहन में लदान किये गये उपकरण के लिए खतरा।

III) कंडक्टर्स के संपर्क में आने से या इसके खतरनाक निकटता के कारण आग का खतरा तथा जिंदगी का जोखिम ।

A1561 उप मुख्य बिजली अभियंता, सिकंदराबाद

रेल मंत्रालय
(दक्षिण मध्य रेलवे)

अधिसूचना

PUB/1135

सिकंदराबाद, 20 जुलाई 2023

का.आ.-----. केंद्रीय सरकार, रेलवे अधिनिम की धारा2 के खंड (7क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन के तारीख से, नीचे सारणी के स्भ (2) में यथा उल्लिखित विशेष रेल परियोजना की बाबत उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में उल्लिखित राज्य में निष्पादन, अनुरक्षण, प्रबंधन और परिचालन के लिए सक्षम प्राधिकार के रूप में कार्य करने के लिए सारणी स्तम्भ (5) में उल्लिखित अधिकारी को प्राधिकृत करती है.

सारणी

क्र सं.	विशेष रेल पिरयोजना	राज्य	जिला	सक्षम प्राधिकारी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	मुदखेड-डोन (417.88 किमी.) के बीच ट्रैक का दोहरीकरण	तेलंगाना	वनपर्ती	राजस्व मंडल अधिकारी, वनपर्ती
2.			निर्मल	राजस्व मंडल अधिकारी, भैंसा

[फाइल सं. : W.Con.182/SRP-06/MUE-DHNE/23-24/247/7A]

(अमित अग्रवाल)

मुख्य इंजीनियर/नि/आयोजना एवं सर्वेक्षण

दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद

A1565

रेल मंत्रालय
(दक्षिण मध्य रेलवे)

अधिसूचना

PUB/1134

सिकंदराबाद, 12 सितंबर 2023

का.आ.-----. केंद्रीय सरकार, रेलवे अधिनिम, 2008 की धारा2 के खंड (7क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन के तारीख से, नीचे सारणी के स्भ (2) में यथा उल्लिखित विशेष रेल परियोजना की बाबत उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में उल्लिखित राज्य में निष्पादन, अनुरक्षण, प्रबंधन और परिचालन के लिए सक्षम प्राधिकार के रूप में कार्य करने के लिए सारणी स्तम्भ (6) में उल्लिखित अधिकारी को प्राधिकृत करती है.

सारणी

क्र सं.	विशेष रेल पिरयोजना	राज्य	जिला	तालुका	सक्षम प्राधिकारी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	मुदखेड-डोन (417.88 किमी) के बीच ट्रैक का दोहरीकरण	तेलंगाना	मेदक	रामायमपेट	राजस्व मंडल अधिकारी, मेदक
				शंकरमपेट	
				नरसिंगि	राजस्व मंडल अधिकारी, तूप्रान
				चेगुंटा	
				तूप्रान	
				मनोहराबाद	

[फाइल सं. :W.Con.182/SRP-06/MUE-DHNE/23-24/247/7A/III]

(अमित अग्रवाल)

मुख्य इंजीनियर / निर्माण / आयोजना एवं सर्वेक्षण

दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद

A1564

रेल मंत्रालय
(दक्षिण मध्य रेलवे)

अधिसूचना

PUB/1133

सिकंदराबाद, 31 जुलाई 2023

का.आ.-----. केंद्रीय सरकार, रेलवे अधिनिम, 2008 की धारा2 के खंड (7क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन के तारीख से, नीचे सारणी के स्भ (2) में यथा उल्लिखित विशेष रेल परियोजना की बाबत उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में उल्लिखित राज्य में निष्पादन, अनुरक्षण, प्रबंधन और परिचालन के लिए सक्षम प्राधिकार के रूप में कार्य करने के लिए सारणी स्तम्भ (6) में उल्लिखित अधिकारी को प्राधिकृत करती है.

सारणी

क्र सं.	विशेष रेल पिरयोजना	राज्य	जिला	तालुका	सक्षम प्राधिकारी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	मुदखेड - डोन (417.88 किमी) के बीच ट्रैक का दोहरी करण	तेलंगाना	महबूबनगर	--	राजस्व मंडल अधिकारी, महबूबनगर
2.		महाराष्ट्र	नांदेड	भोकर	अनुविभागीय अधिकारी, भोकर
				उमरी	अनुविभागीय अधिकारी, धर्माबाद
				धर्माबाद	

[फाइल सं. : W.Con.182/SRP-06/MUE-DHNE/23-24/247/7A/II]

(अमित अग्रवाल)

मुख्य इंजीनियर / निर्माण / आयोजना एवं सर्वेक्षण

दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद

A1563

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 11 अक्टूबर - 2023

पांच राज्यों में चुनावी बिगुल

पांच विधानसभाओं के चुनाव का बिगुल बजा चुका है। मतदान की तारीखें घोषित हो गई हैं। सात नवंबर को पहला मतदान होगा। राज्य होंगे मिजोरम और छत्तीसगढ़। सत्रह नवंबर को छत्तीसगढ़ के दूसरे चरण के लिए और मध्यप्रदेश में मतदान होंगे। उसके एक-एक हफ्ते के अंतर पर राजस्थान और तेलंगाना में मतदान होंगे। लेकिन सबके नतीजे तीन दिसंबर को ही आएंगे। इस तरह कुल छब्बीस दिनों तक इन राज्यों में चुनावी उत्सव का माहौल रहेगा। छत्तीसगढ़ को छोड़ कर बाकी सभी राज्यों में एक ही चरण में मतदान कराए जाएंगे। हालांकि दो राज्यों में मतदान की तारीखें अलग-अलग हैं। इस चुनाव को लेकर लगभग सभी राजनीतिक दल पहले से ही कमर कस चुके थे। चुनावी घोषणा के पहले से ही तैयारी कर ली गई है। सभी राजनीतिक दलों के तमाम बड़े नेताओं की रैलियां महीना भर पहले से शुरू हो चुकी हैं। इसलिए मतदान की तारीखें घोषित होने के बाद अब चुनावी शोर और सरगर्मी बढ़ जाएगी। ओपीनियन पोल के अनुसार राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर है। अभी तक तो विपक्षी दल एकजुट हैं, आगे क्या होगा कहा नहीं जा सकता। इस तरह इन चुनावों में सरगर्मी कुछ अधिक रहने की संभावना है। हर राजनीतिक दल के बड़े नेता चुनाव प्रचार में उतरेंगे। सुरक्षा कारणों को देखते हुए निर्वाचन आयोग ने मतदान को अवधि काफी लंबी करने का फैसला लिया है। चूंकि छत्तीसगढ़ का अधिकांश भाग नक्सल प्रभावित माना जाता है इसलिए यहां हमेशा अतिरिक्त सुरक्षा की जरूरत रहती है। कोशिश की जाती है कि उन इलाकों में लोग अधिक से अधिक संख्या में घरों से निकलें और अपने मताधिकार का उपयोग करें। इसलिए वहां दो चरण में मतदान का फैसला किया गया है। ईवीएम से मतदान शुरू होने के बाद से अपेक्षा की जाती है कि मतदान और नतीजों के बीच की अवधि कम से कम रहे। कम से कम चरणों में मतदान कराए जाएं। मगर ईवीएम के उपयोग के बाद भी निर्वाचन आयोग इस अपेक्षा पर अभी अपेक्षित खरा नहीं उतर सका है। पिछले कई चुनावों से देखा जा रहा है कि जब भी कई राज्यों के चुनाव एक साथ कराए जाते हैं, तो मतदान की तारीखों में लंबा अंतर रखा जाता है। कई बार मतगणना तक महीने भर से अधिक का समय लग जाता है। जाहिर है इससे कई तरह की उलझनें पैदा होती हैं। चुनाव विशेषज्ञ इसे उचित नहीं मानते। पांच राज्यों के चुनाव अधिकतम दो दिनों में बांटे जा सकते थे, जिससे खर्च कम बैठता और राजकीय अमले को लंबे समय तक नाहक अफरातफरी के माहौल में नहीं फंसे रहना पड़ता। जहां मतदान सबसे अंत में होगा, वहां सबसे लंबे समय तक चुनाव प्रचार चलेगा और स्वाभाविक ही वहां के प्रशासनिक कामकाज में बाधा आएगी। इस तरह चुनाव की तारीखों को लंबे समय तक चलने देने के पीछे अक्सर निर्वाचन आयोग का तर्क होता है कि सुरक्षा कारणों की वजह से उसे ऐसा फैसला करना पड़ा है। लेकिन जब लोकसभा चुनाव भी लगभग इतने समय में संपन्न करा लिए जाते हैं, तो पांच राज्यों के चुनाव में भला सुरक्षाबलों की तैनाती में ऐसी अड़चन कहां से और कैसे आ सकती

बदलता भारत !

श्यामल बिहारी महतो

उस दिन राजू सिंह नेताओं वाली गेटप में था । नेतागिरी की ओर उसने पहला कदम बढ़ाया था । मुहल्ले में मोदी वाला स्वच्छ भारत अभियान के तहत झाड़ू वाला फोटो शूट करवाया जाना था । सारी तैयारियां हो चुकी थी ।बस मीडिया के कुछ लोग और राजू सिंह की प्रेमिका लाजवंती और उनकी सहेलियों के आने का इंतजार था। थोड़ी देर बाद वे लोग भी पहुंचे गये थे । लाजवंती एकदम से लाल पटाखा लग रही थी। कल ही राजू ने उसके जन्म दिन पर गुलाबी रंग की सलवार सूट और एक वीवो का मोबाइल गिफ्ट किया था । थोड़ी देर बाद सबने कायदे से हाथों में झाड़ू पकड़ लिए थे । सब कुछ राजू सिंह के कहे अनुसार चल रहा था । तभी फुसरो नगर परिषद में स्वीपर (सफाई कर्मी) का काम करने वाला प्रेमलाल घासी जाने किधर से आ टपका ! टपका तो टपका । मुंह खोल दिया उसने । कहा- नेता जी बाज़ार चौक में जो गंदगी जमी हुई है, उसे भी साफ करवा देते तो मुहल्ले में उसकी दुर्गंध आनी बंद हो जाती..! पहले दिन ही अशुभ ! स्याला रंग में भंग डाला ! सबका मूड ऑफ ! बाबू साहबों की शान में गुस्ताख़ी ! सभी की गांड़ लहर उठी । एक साथ राजू सिंह के कई चम्मचे प्रेमलाल घासी पर टूट पड़े और जम कर उसकी कुटाई कर दी । बाकी कसर राजू सिंह ने पुरी कर दी ।उसकी कमीज़ का कालर पकड़ खींचते हुए कहा- स्याले घासी तुम हमको अपनी तरह का समझता है ? हम राना प्रताप के वंशज हैं ! जो काम तुम्हारा बाप करते करते मर गया वही काम तुम हमसे करने को कहता है -इतनी तेरी हिम्मत बढ़ गई है...? और चूतड में एक लात जमा दी थी उसने । प्रेमलाल घासी वहीं जमीन पर मुंह के बल गिर पड़ा था । एक दांत टूट गई और मुंह खून से भर गया था।यह देख लाजवंती और उनकी सहेलियां डर कर भाग खड़ी हुई थीं।अगले दिन अखबारों की सुर्खियां थीं " स्वचछ भारत अभियान के दौरान झाड़ू कम लात-घूंसे ज्यादा चले " और नीचे सारी खबरें फोटो के साथ उगल दी गई थी। राजू सिंह और उनके कुछ साथियों पर हरिजन एक्ट के तहत थाने में मामला दर्ज हो गया था । शाम को लाजवंती ने फोन पर कहा " यह क्या कर लिया तुमने, मैं कहती रही, आगे बढ़ना है तो गुस्से पर काबू रखना सीखो, सब बेकार कर दिया... !"" सॉरी जान ! मैं थोड़ा पी लिया था..!"" संभल के रहना, मेरे कालोनी के लड़के बमके मूड में दिख रहे हैं..!" और फोन कट गया था । दलित-पिछडों के नेता चिल्लाने लगे । दबे - कुंचलों पर ज़ुल्म हो रहा है और पुलिस आंख कान मूंद गांधी के बंदर जैसे हाथ पे हाथ धरे बैठी हुई है। सुन सुन कर पुलिस की कान के पर्दे फट गई। अगले दिन पुलिस ने राजू सिंह को चावल की बोरी की तरह उठाया और जेल में डाल आई । राजू सिंह पेशे से ठेकेदार था । शुरू में छोटे छोटे काम करता और छोटी छोटी बातें करता था । फिर बड़े बड़े काम करने लगा और बातें भी बड़ी बड़ी करने लगा था । थोड़ा और आगे बढ़ा तो सफेद खादी कुर्ता पायजामा पहनने लगा और नेताओं सी बोली बोलने लगा था । वह हर दिन उसी बाजार चौक से गुजरता था और सालों से बाजार चौक की गंदगी के अंबार को भी देखता आ रहा था। ठेकेदार बनने के पहले वह ऐसे जगहों में बहुतों बार घूमा था । पर कभी नाक पर रूमाल नहीं रखा था-रूमाल रहता भी नहीं था उसके पास ! आज उसी चौक की गंदगी की बात उठा कर प्रेमलाल ने उसकी औकात की याद दिला दिया था । राजू सिंह को लगा चौक की बजबजाती गंदगी प्रेमलाल ने उसकै मुंह में डाल दिया है और उस बदबू से उसकी नाक फटी जा रही है और वह कभी भी उल्टी कर सकता है इसी ख्याल से वह प्रेमलाल घासी पर टूट पड़ा था ।दो दिन बाद प्रेमलाल के पास दो लोग आये - केस उठा लो, नहीं तो तोरी बेटी उठा लेंगे एक बार पीटा, और पिटना है-आ जाओ, मेरी लाश पारकर ही मेरी बेटी तक पहुंच सकते हो राना प्रताप की औलादों !₹ प्रेमलाल ने मन में तय किया। मुंह से कुछ बोला नहीं । वह डरा भी नहीं-डटा रहा।वह भी दो क्लास पढ़ा था ।

राष्ट्रीय हितों के प्रतिकूल विमर्श का प्रतिकार

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

विगत नौ वर्षों में भारत का राष्ट्रीय स्वाभिमान बढ़ा है. साँस्कृतिक चेतना का भाव जागृत हुआ है. योग आयुर्वेद श्री अन्ना जैसी भारतीय विरासत को दुनिया में प्रतिष्ठा मिल रही है. विश्व समुदाय का इनके प्रति आकर्षण बढ़ रहा है. विश्व स्तर पर समर्थ सक्षम भारत का प्रभाव कायम हुआ है. विकसित देश भी स्वीकार कर रहे हैं कि वैश्विक समस्याओं का समाधान भारतीय चिंतन से सम्भव है. जी 20 शिखर सम्मेलन में वसुधैव कुटुम्बकम की गूँज रही. दुनिया के लिए यह चिंतन दुर्लभ है. लेकिन चीन पाकिस्तान सहित अनेक भारत विरोधी तत्व इन बातों से परेशान होते है. दुनिया में भारत के बढ़ते महत्व ने उन्हें बेचैन किया है. इसलिए वह भारत के विरुद्ध विमर्श खड़े करते है. इसके लिए बड़ी धनराशि खर्च की जाती है. हिन्दू सनातन उनके निशाने पर रहते है. यही लोग कहते हैं कि भारत में संविधान लोकतंत्र को समाप्त किया जा रहा है. मुसलमानों दलितों पिछड़ों को निशाना बनाया जा रहा है. जबकि इसके प्रमाण नहीं हैं. लेकिन विमर्श चलाया जाता है. भारतीय जीवन शैली और परिवार व्यवस्था के प्रतिकूल उपभोगवाद उपभोक्तावाद को सुनियोजित प्रोत्साहन दिया जा रहा है. जबकि विश्व और मानवता का कल्याण भारतीय चिंतन से ही सम्भव होगा. इसमें ही सर्वे भवन्तु सुखिनः की कामना है. इसी में पर्यावरण और प्रकृत्ति के संरक्षण संवर्धन का संदेश है. भारत के विरोध में चलाए जा रहे विमर्श से अंततः मानवता का ही अहित होगा.

ऐसा नहीं कि नकारात्मक विमर्श कोई नया है. विदेशी आक्रांताओ ने भी विमर्श चलाया था कि दिल्ली का बादशाह पूरे देश का राजा है. गोस्वामी तुलसी दास ने श्री रामलीला के माध्यम से इसका प्रतिकार किया.श्रीराम में राजा रामचन्द्र की जय का उद्घोष होता था. संदेश यह दिया जाता था कि हमारे राजा तो प्रभु श्री राम हैं. समय समय पर अनेक संतों महात्माओं ने विश्व गुरु भारत की विरासत से लोगों को अवगत कराया. ब्रिटिश काल में विमर्श चलता था कि भारतीय समाज कभी संगठित नहीं हो सकता. तब डॉ हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयसेवक संघ की स्थापना की. संगठित शक्ति का संदेश दिया. भारतीय चिंतन व संस्कृति में मानव कल्याण की कामना की गई। इसमें कभी संकुचित विचारों को महत्व नहीं दिया गया। समय-समय पर अनेक संन्यासियों व संतों ने इस संस्कृति के मूल भाव का सन्देश दिया। सभी ने समरसता के अनुरूप आचरण को अपरिहार्य बताया। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्वाभिमान पर भी बल दिया गया। भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का विचार व क्षेत्र व्यापक रहा है। राष्ट्रीय स्वाभिमान किसी देश को शक्तिशाली बनाने में सहायक होता है। तब उसके विचार पर दुनिया ध्यान देती है।भारत ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्रसंघ में किया था। इस प्रस्ताव को न्यूनतम समय में सर्वाधिक देशों का समर्थन मिला था। भारत ने कभी अपने मत पर प्रचार तलवार के बल पर नहींकिया। देश में इसी विचार के जागरण की आवश्यकता है।अयोध्या में श्री राम मंदिर का निर्माण व भव्य श्री काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में है। स्वामी विवेकानन्द ने ऐसे ही राष्ट्रीय स्वाभिमान के जागरण का विचार दिया था। उन्होंने परतंत्र भारत को राष्ट्रीय गौरव का स्मरण दिलाया था। इसके माध्यम से उन्होंने न समर्थ भारत का स्वप्न देखा था। वह मानते थे कि विश्वगुरु होने की क्षमता केवल भारत के पास है। इस तथ्य का विस्मरण नहीं होना चाहिए।उन्होंने दुनिया को भारत की शाश्वत और मानवतावादी संस्कृति का ज्ञान दिया। विश्व ने विस्मय के साथ उनको सुना। भारत राजनीतिक रूप से परतंत्र था, लेकिन विश्व गुरु को सांस्कृतिक रूप से कभी गुलाम नहीं बनाया जा सकता। स्वामी विवेकानन्द के प्रत्येक ध्येय वाक्य भारतीय संस्कृति उद्घोष करने वाले है। उनसे संबंधित समारोह उत्सव से विचारों की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने विश्व में भारत की सांस्कृतिक पताका फैलाई थी। दुनिया को भारत की शाश्वत और मानवतावादी संस्कृति का ज्ञान दिया। विश्व ने विस्मय के साथ उनको सुना। विश्व और मानवता का कल्याण भारत की वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से ही हो सकता है। अपने पूर्वजों, सांस्कृतिक परम्पराओं पर गौरव की अनिभूति होनी चाहिए। भारत राष्ट्र बनने की प्रक्रिया कभी नहीं रहा। यह शाश्वत रचना है।इसका उल्लेख विश्व के सबसे प्राचीन ग्रन्थ ऋग्वेद में भी है। इसमें कहा गया कि भारत हमारी माता है हम सब इसके पुत्र है। राष्ट्र की उन्नति प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। जो लोग भारत को नही जानते वो लोग भारत के बारे में गलत बात षड्यंत्र करके भारत को नक्सलवाद, उग्रवाद आतंकवाद में धकेलने का प्रयास करते है। विष्णु पुराण में कहा गया कि यह भूभाग देवताओं के द्वारा रची गयी है। वर्तमान समय में भी भारत विरोधी तत्व विमर्श चला रहे हैं. जॉर्ज सोरोस विमर्श खड़ा करता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तानाशाही व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। वह भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं. जॉर्ज सोरोस ने जम्मू-कश्मीर में संवैधानिक सुधार और नागरिकता संसोधन कानून का भी विरोध किया है। हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट को साजिश के रूप में प्रचारित किया जाता है. ऐसे लोगों के निशाने पर केवल भारतीय कम्पनियां होती है.जॉर्ज सोरोस हंगरी का है. उस पर दुनिया के कई देशों की राजनीति और समाज को प्रभावित करने का एजेंडा चलाने का आरोप लगता रहता है। देशों में चुनावों को प्रभावित करने के लिए फंडिंग करता है. यूरोप और अरब के कई देशों में सोरोस की संस्थाओं पर भारी जुर्माना लगाकर पाबंदी लगा दी गई। दो दशक पहले फ्रांस की अदालत ने सोरोस को अनैतिक और अनधिकृत व्यापार का दोषी पाया था। उस पर जुर्माना लगाया था। अमेरिका में भी उन पर बेसबॉल खेलों में पैसा लगाकर अनैतिक तरीके से पैसे बनाने का आरोप लगा। इसी प्रकार न्यूजक्लिक पर भी भारत विरोधी विमर्श चलाने के आरोप है. न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट जारी कर बताया था कि न्यूजक्लिक को एक अमेरिकी अरबपति नोवेल रॉय सिंघम ने फाइनेंस किया था। वे चीनी प्रोपेगैंडा को बढ़ावा देने के लिए भारत समेत दुनियाभर में संस्थाओं को फंडिंग करता हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि ब्रिटेन और अमेरिका में कुछ ग्रुप चीन के प्रोपेगैंडा को प्रमोट करने में जुटे हैं। इन संगठनों की जांच की गई तो सामने आया कि इसकी फंडिंग एक अमेरिकन मिलियनेयर नेविल रॉय सिंघम कर रहा है. कि सिंघम के साथ मैसाचुसेट्स में एक थिंक टैंक, मैनहटन की संस्था, दक्षिण अफ्रीका में एक राजनीतिक दल, भारत और ब्राजील में न्यूज ऑर्गेनाइजेशन सहित कई ग्रुप जुड़े हैं। इनके पास अरबों डॉलर के साधन हैं। सिंघम शिकागो में सॉफ्टवेयर कंसल्टेंसी कंपनी थॉटवर्क्स चलाते हैं। इससे एक भारतीय न्यूज वेबसाइट भी जुड़ी है। शंघाई में उनका नेटवर्क यूट्यब पर एक शो चलाता है। इसके लिए शंघाई का प्रोपेगैंडा विभाग भी कुछ पैसा देता है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि न्यूज क्लिक की फंडिंग पर भारत में छापे पड़े। उसमें कहां-कहां से पैसा लिया, कहां से पैसे आए, इन सबकी जानकारी है। अगर आप इनकी फंडिंग का जाल देखेंगे तो नोवेल रॉय सिंघम ने इसकी फंडिंग की। फंडिंग उसे चीन की ओर से आई। कश्मीर में संवैधानिक सुधार, किसानों के नाम पर आंदोलन, नागरिकता संशोधन आदि के समय भी भारत विरोधी विमर्श शुरू किए गए थे. नागरिकता देने वाले कानून पर यह कह कर हंगामा किया गया कि इससे मुसलमानों की नागरिकता खत्म कर दी जाएगी.अवैध घुसपैठ के बचाव के लिए भी विमर्श खड़ा किया गया. जबकि डॉ आंबेडकर का नजरिया अवैध घुसपैठियों के प्रति बिल्कुल साफ था। अवैध घुसपैठ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए घातक होती है।

प्यार से शुरु होती है गुनाह की डगर

मनोज कुमार अग्रवाल

आधुनिक युग में एक ओर जहां समाज में जागरूकता पैदा हुई है और संकुचित दायरे व पुरानी मान्यताएं दरक रहीं हैं तथा नई पीढ़ी के युवा अपनी पसन्द के जीवन साथी का चयन करना चाहते हैं लेकिन इस क्रम में इन दिनों युवा पीढ़ी के बच्चों में बिना संस्कार किए लिव इन रिलेशनशिप में रहने की प्रवृत्ति बढती जा रही है। कुछ वर्षों से एक नया चलन दखेने में आ रहा है लिव इन रिलेशनशिप यानी बिना विवाह किए लड़का-लड़की या पुरुष महिला का साथ रहना। पश्चिमी देशों में यह चलन पहले से था, किन्तु भारत में हाल फिलहाल इसके मामले बढ़ने लगे हैं। न केवल मामले बढ़ रहे हैं, बल्कि समाज में स्वीकार्यता भी पहले की तुलना में बढ़ी है। लिव-इन रिलेशनशिप की जड़ कानूनी तौर पर संविधान के अनुच्छेद 21 में मौजूद है। अपनी मर्जी से शादी करने या किसी के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहने की आजादी और अधिकार को अनुच्छेद 21 से अलग नहीं माना जा सकता। किन्तु इनके साथ-साथ लिव इन रिलेशन नई तरह की समस्या विवादों व विसंगतियों की वजह भी बन रहा है अभी हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय और दिल्ली उच्च न्यायालय ने इसी तरह के दो मामलों में अपना निर्णय सुनाया।यह फैसले लिव इन रिलेशनशिप से पनप रहे दूषित सम्बन्धों और उनके दुष्परिणामों पर रोशनी डालते हैं। दरअसल लिव इन रिलेशन की शुरुआत प्यार मोहब्बत ओर विपरीत सेक्स आकर्षण व यौन संबंधों की स्वच्छंदता से होती है जो कई बार बहुत जल्द परस्पर आकर्षण खत्म होने के कारण ब्रेकअप तक पहुंच जाती है और फिर इन संबंधों का पटाक्षेप यौन शोषण दुष्कर्म अत्याचार उत्पीड़न की अपराध गाथा उजागर करता है कई बार यह रिलेशन संगीन पुलिस केस व मुकदमे बाजी का कारण बन जाती हैं।आपको बता दें कि लाइव लॉ की एक रिपोर्ट के मुताबिक, चार दशक पहले 1978 में बद्री प्रसाद बनाम डायरेक्टर ऑफ कंसोलिडेशन के केस में सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार लिव-इन रिलेशनशिप को मान्यता दी थी। यह माना गया था कि शादी करने की उम्र वाले लोगों के बीच लिव-इन रिलेशनशिप किसी भारतीय कानून का उल्लंघन नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई कपल लंबे समय से साथ रह रहा है, तो उस रिश्ते को शादी ही माना जाएगा। इस तरह कोर्ट ने 50 साल के लिव-इन रिलेशनशिप को वैध ठहराया था।वहीं इन रिश्तों में रह रही महिला को कानूनी प्रावधानों का संरक्षण देने की कोशिश की गई है इंदिरा शर्मा बनाम वी.के. शर्मा केस में सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि घरेलू हिंसा महिला संरक्षण ,अधिनियम 2005 की धारा 2एफ में डोमेस्टिक रिलेशनशिप की जो परिभाषा है, उसमें लिव-इन रिलेशनशिप भी शामिल है। यानी जिस तरह इस एक्ट की मदद से शादीशुदा कपल खुद को घरेलू हिंसा से बचा सकता है, उसी तरह लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे कपल पर भी यह एक्ट लागू होता है।इतना ही नहीं जिस तरह पति की मृत्यु के बाद पत्नी का दिवंगत पति की संपत्ति पर अधिकार होता है। ठीक उसी तरह एक महिला के लिव-इन पार्टनर की मृत्यु के बाद उसके पार्टनर की विरासत में मिली संपत्ति पर उस महिला का अधिकार होता। धनूलाल बनाम गणेश राम के केस में अदालत ने माना था कि अगर एक लिव-इन रिलेशनशिप लंबे समय तक चलता है, तो उसे एक शादी की तरह ही माना जाएगा।वहीं इस तरह के रिलेशन में कुछ गड़बड़ियों के मामले भी सामने आ रहे हैं। लंबे समय तक साथ रहने के बाद विवाद होने पर महिला अपने प्रेमी या पार्टनर पर दुष्कर्म का इल्ज़ाम लगा देतीं है। हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय ने विवाहित पुरुष पर उसकी 'लिव-इन पार्टनर' द्वारा लगाए गए बलात्कार के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि पहले ही किसी से विवाह बंधन में बंध चुकी महिला यह दावा नहीं कर सकती कि किसी अन्य व्यक्ति ने शादी का झूठा वादा कर उसके साथ यौन संबंध बनाए। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि इस मामले में दो ऐसे व्यक्ति शामिल हैं जो एक-दूसरे से कानूनी रूप से विवाह करने के अयोग्य हैं, लेकिन वे 'लिव-इन संबंध समझौते' के तहत एक साथ रह रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा 376 बलात्कार के तहत उपलब्ध सुरक्षा और अन्य उपायों का लाभ इस प्रकार की पीड़िता' को नहीं मिल सकता। किसी अन्य के साथ विवाह बंधन में बंधे दो वयस्कों का सहमति से 'लिव-इन' संबंध में रहना अपराध नहीं है और पक्षकारों को अपनी पसंद चुनने का अधिकार है, लेकिन पुरुषों और महिलाओं दोनों को इस प्रकार के संबंधों के परिणाम के प्रति सचेत होना चाहिए। ऐसा ही निर्णय इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सुनाया, जिसमें पुरुष की लिव-इन सहयोगी महिला ने उस पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। न्यायालय ने कहा कि इतने लंबे समय तक साथ रहने और बाद में किसी कारणवश अलग होने पर साथी पर दुष्कर्म का आरोप लगाना दुर्भावना भरा प्रतीत होता है। साल 2001 में पायल शर्मा बनाम नारी निकेतन केस में सुप्रीम कोर्ट ने माना कि एक आदमी और औरत को अधिकार है अपनी मर्जी से एक-दूसरे के साथ बिना शादी किए लिव-इन रिलेशनशिप में रहने का। कोर्ट ने यह भी जोड़ा कि हालांकि हमारा समाज लिव-इन रिलेशनशिप को अनैतिक मानता है, मगर कानून के हिसाब से न तो ये गैर-कानूनी है और न ही अपराध है देश में दुष्कर्म रूपी अपराध की स्थिति पहले से ही गंभीर है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो गत वर्ष की रिपोर्ट के अनुसार देश में हर 2 मिनट में दुष्कर्म की 3 वारदात होती हैं। रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2021 में के दुष्कर्म के कुल 31,677 मामले, यानी रोजाना औसतन 86 ममले दर्ज किए गए। वहीं उस साल महिलाओं के खलाफ अपराध के करीब 49 मामले प्रति घंटे दर्ज किए गए। रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में बलात्कार के 28,046 मामले, जबकि 2019 में 32,033 मामले दर्ज किए गए. थे 2021 में राजस्थान में दुष्कर्म के सबसे अधिक 6,337 मामले दर्ज किए, जिसके बाद मध्य प्रदेश में 2,947, महाराष्ट्र में 2,496, उत्तर प्रदेश में 2,845, दिल्ली में 1,250 बलात्कार के मामले दर्ज किए गए।

किन्तु इन आंकड़ों का दूसरा पहलू यह भी है कि इनमें से अनेक मामले अदालतों में झूठे प्रमाणित होते हैं। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश का ऐसा मामला बहुत चर्चा में रहा था, जिसमें एक स्वर्ण जाति के युवक को फंसाने के लिए दलित जाति की महिला ने दुष्कर्म का आरोप लगा दिया।

भूख व कुपोषण संपूर्ण विश्व के लिए एक समस्या

सुनील कुमार महला

प्रत्येक वर्ष 16 अक्टूबर को विश्व खाद्य दिवस यानी कि वर्ल्ड फूड डे मनाया जाता है। दरअसल, यह दिवस खाद्य सुरक्षा के महत्व के बारे में आमजन में जागरूकता बढ़ाने और विश्व भूख उन्मूलन को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। अनाज का भरपूर उत्पादन होने के बावजूद आज संपूर्ण विश्व में भुखमरी और कुपोषण की समस्या है। रूस यूक्रेन युद्ध से अनाज की कीमतों में अभूतपूर्व उछाल देखने को मिला है। जैसा कि दोनों ही देश बड़ी मात्रा में खाद्य उत्पादन करते हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि दुनिया के कई देश वर्तमान समय में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। इन देशों में लोगों को संतुलित आहार, भरपूर भोजन नहीं मिल पा रहा। इस कारण आज विश्व की अधिकांश आबादी कुपोषित हो रही है। दक्षिणी अफ्रीकी देशों में तो यह समस्या बहुत बड़ी है। भुखमरी के शिकार देशों में हैती, चड (लीबिया और सूडान से घिरा देश), साउथ इस्ट एशिया का देश तिमोर लेस्ते, दक्षिणी अफ्रीकी देश मोजांबिक और मेडागास्कर में भुखमरी अपने चरम पर है। जानकारी देना चाहूंगा कि वर्ष 2020 में भारत ग्लोबल हंगर इंडेक्स में 94वें स्थान पर था। तो वहीं 2021 में सात पायदान फिसलकर 101वें स्थान पर जा पहुंचा और इस वर्ष यानी कि वर्ष 2023 में 107 पहुंच गया। जानकारी देना चाहूंगा कि वर्ष 2016 में, ग्लोबल हंगर इंडेक्स ने पाकिस्तान को 32.1 स्कोर दिया था, जो भारत के 28.8 के स्कोर से ज्यादा था। आंकड़े बताते हैं कि अफगानिस्तान को छोड़कर, भारत ने ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2022 में दक्षिण एशियाई क्षेत्र के सभी देशों की तुलना में खराब प्रदर्शन किया है। यह 121 देशों में से 107 वें स्थान पर है। यह एक तथ्य है कि ग्लोबल हंगर इंडेक्स यानी कि जीएचआई 2021 में भारत 116 देशों में से 101वें स्थान पर रखा गया है । आंकड़े बताते हैं कि जीएचआई 2022 में बेलारूस, बोस्निया और हर्जेगोविना, चिली, चीन और क्रोएशिया शीर्ष पांच देश हैं। चाड, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, मेडागास्कर, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक और यमन ऐसे देश हैं जो सूचकांक में सबसे नीचे हैं। बहुत ही महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि दक्षिण एशियाई देशों में, भारत (107) श्रीलंका (64), नेपाल (81), बांग्लादेश (84) और पाकिस्तान (99) से नीचे है। भारत का स्कोर 29.1 है जो इसे 'गंभीर' श्रेणी में रखता है। अफ़ग़ानिस्तान (109) दक्षिण एशिया का एकमात्र देश है जिसका प्रदर्शन सूचकांक में भारत से भी ख़राब है। चीन, 5 से कम अंक के साथ, 16 अन्य देशों के साथ, चार्ट में शीर्ष पर है।

हालांकि ऐसा भी नहीं है कि भारत इस दिशा में कोई कदम नहीं उठा रहा है। भूख और कुपोषण उन्मूलन के लिए भारत ने अनेक कदम उठाए हैं। इस क्रम में भारत में ईट राइट इंडिया मूवमेंट, पोषण अभियान, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, फूड फोर्टिफिकेशन, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, मिशन इंद्रधनुष और एकीकृत बाल विकास सेवा जैसे अनेक अभियान चलाए जा रहे हैं लेकिन बावजूद इसके ग्लोबल हंगर इंडेक्स के आंकड़े बताते हैं कि अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर होने के बावजूद भारत की स्थिति ठीक नहीं है। दरअसल अनाज वितरण प्रणाली में आज भी कहीं न कहीं भ्रष्टाचार व्याप्त है। मुनाफाखोर सक्रिय हैं। कालाबाजारी के कारण अनाज आज भी जरूरत मंदों व गरीबों तक नहीं पहुंच पाता है। भंडारण की समस्याओं के कारण आज भी बहुत सा अनाज खराब हो जाता है अथवा सड़ जाता है लेकिन किसी गरीब को खाने को नहीं मिलता। देश की करीबन एक चौथाई आबादी को आज भी संतुलित व पौष्टिक भोजन की आवश्यकता है। संतुलित और पौष्टिक आहार की कमी के कारण आज बहुत से लोग कई तरह की बीमारियों व रोगों से पीड़ित हैं। आज भारत में कुपोषण के विभिन्न आयामों में क्रमशः कैलोरी की कमी, प्रोटीन हंगर व सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को शामिल किया जा सकता है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण और संवेदनशील है कि आज पारंपरिक फसलें लगातार विलुप्त होती चली जा रही हैं। पिछले कुछ सालों में सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्य प्रणाली ने अप्रत्याशित रूप से दुनिया भर में खाने की आदतों और आहार को बदल दिया है। बढ़ता तापमान, जलवायु, संघर्ष , आर्थिक संकट व बढ़ती असमानताएं भी कुछ कारक हैं जो भूख और कुपोषण में वृद्धि करते हैं। भूख व कुपोषण से निपटने के लिए आज कृषि खाद्य प्रणालियों में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। सार्वजनिक निधियों के आवंटन पर भी पुनर्विचार करने की जरूरत है।

हमें पोषाहार संरचना में अंतराल को भी पाटने की जरूरत है। बहरहाल, जानकारी देना चाहूंगा कि संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट एक के अनुसार भुखमरी के कारणों में युद्ध, संघर्ष, हिंसा, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदा आदि की तो बात करती है लेकिन नवसाम्राज्यवाद, नवउदारवाद, मुक्त अर्थव्यवस्था और बाजार का ढांचा भी एक बड़ा कारण है। भुखमरी से निपटने के लिए सरकारी योजनाएं दीर्घकालीन और सख्ती से लागू होनी चाहिए, सुनिश्चित क्रियान्वयन के लिए एक मुस्तैद पारदर्शी मशीनरी बनाये जाने की जरूरत है।

भूख और भिखमंगे

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

बात भूख से शुरू की जाए, वह धीरे-धीरे रोटी तक पहुँच जाएगी । या रोटी से शुरु करें और वह भूख तक पहुंचे । या रोने-बिलखने की चर्चा की जाए। भूख झगड़े-फसाद का जड़ है। इस कारण सदैव यह गरमागरम मुद्दा बनकर रहता है। माइक्रोवेव ओवन में जैसे कोई चीज गरम रहती है, ठीक उसी तरह गरीब देश में भूख का मुद्दा सदैव गरम रहता है। चुनाव के समय भूख का मुद्दा हमेशा उठता है। चुनाव होने के तुरंत बात सबसे पहले वही मुद्दा बैठता है। भूख कथा अनंता। यह मिटने के सिवाय सब कुछ कर सकता है। सवाल क्या है, रोटी या भूख? भई, इस देश में कुल मिलाकर विषय एक ही होता है - भूख। सारे सवाल उसी से जन्म लेते हैं। कहानी कह लो या उपन्यास, बात वही होगी। भूख मिटाने की बात करने वाले बातें कहते रहें, पर यह न सोचा कि भूख मिट गयी, तो लेखक लिखेंगे किस विषय पर? उन्हें लगा, ये साहित्यवाले लोग 'भूख मिटाओ' के खिलाफ़ हैं। भूख कभी नहीं मिट सकती। भूख से चालू होकर रोटी तक का सफर तय करना होता है।

भूख मिटाने वाला खुद की भूख मिटाने के चक्कर में नेता बन जाता है और उसकी भूख भुखमंगे से भी अधिक हो जाती है। 'पद और माल' की भूख रोटी से भी बड़ी होती है। भुखमंगे नेताओं के पैरों तले बैठे रहते हैं। यह सोचकर बैठते हैं कि कहीं नेता के मुँह से कोई निवाला नीचे गिरे तो वे उसे उठाकर खा लें। प्रायः ऐसा नहीं होता है। चूँकि नेता रोटी के बजाय पिश्ता-बादाम खाते हैं, सो यह भुखमंगों के लिए बदहजमी का कारण बन जाता है। रोटी खाने वाले घांस-फूस खा सकते हैं। धूल फांक सकते हैं, किंतु पिश्ता-बादाम जैसी चीज़ों का सेवन कर मौत को गले लगाने का साहस नहीं कर सकते हैं। एक बार पिश्ता-बादाम की लत लग जाने पर रोटी माहूर लगने लगती है। गरीब नेता के सामने गिड़गिड़ाता है। कहता है ज्यादा खाने पर सेहत को नुकसान हो सकता है।

किंतु नेता गण हैं कि वे डायटिंग पर भरोसा नहीं करते। तबीयत से खाते हैं, हुकुम चलाते हैं। अब निरन्तर लूटपाट कर खाते रहने से बदन में अहंकार आ जाता है। भुखमंगे को लूटपाट से क्या करना। उसे चाहिए एक अदद रोटी का टुकड़ा। एक निवाला खाया, खुश रहे। उसे दूसरों से क्या लेना-देना। इस पूरे दृष्टांत को राष्ट्रीय दृष्टिकोण से सोचने की आवश्यकता है। भुखमंगों के कारण देश का कितना नाम खराब होता है। भुखमंगे शत्रु हैं। रोटी न मिलने की शिकायत लिये आए दिन सड़कों पर चले आते हैं। इनके चलते चंद्र लोक पर छोड़ा गया चंद्रयान भी लज्जित होने लगता है। भुखमंगे यह क्यों भूल जाते हैं कि भूख का संबंध केवल शरीर से है, जबकि वाहवाही का संबंध तन और मन से। गौर से देखा जाए तो देश का जितना नाम होता है, उतनी ही भूख समाप्त होनी चाहिए। समस्याओं का देश से और भुखमंगों का भूख से चोली दामन का साथ होता है। यदि इनका साथ छूट जाए तो देश और भूख का महत्व समाप्त हो जाएगा। देश और भूख प्रेरणा के द्योतक है। इनका महत्व कभी कम नहीं होना चाहिए। ये सदा बने रहना चाहिए। भुखमंगों में देश की सेवा करने के प्रति जो जीजिविषा होती है, वह अन्यों में नहीं होती है। अतः उनकी भूख मिटाकर देश को खतरे में नहीं डाला जा सकता है। भूख चाहे जैसी भी हो वह हमेशा व्यवस्था में बनी रहनी चाहिए। तभी देश का कल्याण संभव हो सकता है।

नवरात्रि शुरू होने से पहले घर से बाहर निकाल दें ये 5 वस्तुएं

इस साल शारदीय नवरात्रि का प्रारंभ 15 अक्टूबर से हो रहा है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शारदीय नवरात्रि शुरू होती है और नवमी तिथि तक होती है। दशमी के दिन विजयादशमी मनाई जाती है, जिसे दशहरा भी कहते हैं। इस साल शारदीय नवरात्रि 15 अक्टूबर से 23 अक्टूबर को महानवमी तक है, उसके बाद 24 अक्टूबर को दशहरा है। नवरात्रि पर हर हिंदू परिवार अपने घर में मां दुर्गा के आगमन की तैयारी करता है ताकि माता‌रानी का आशीर्वाद उसके परिवार पर हो और उनकी उन्नति हो। हालांकि नवरात्रि पूर्व आपको अपने घर से कुछ वस्तुओं को निकाल देना चाहिए, जिससे नकारात्मकता फैलती है। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं तो आपसे माता‌रानी नाराज हो सकती हैं या उनका आगमन आपके घर न हो। काशी के ज्योतिषाचार्य चक्रपाणि भट्ट से जानते हैं कि शारदीय नवरात्रि से पूर्व किन वस्तुओं को घर से निकाल देना चाहिए?

1. खंडित मूर्तियां और फोटो

यदि आपके घर में देवी और देवताओं की खंडित मूर्तियां या फोटो हैं, ऐसी मूर्तियां हैं जो कांतिहीन हो चुकी हैं तो उनको तत्काल घर से बाहर निकाल दें। उनको किसी पीपल या वट वृक्ष के नीचे रख दें या फिर उनको किसी नदी या तालाब में विसर्जित कर दें। ऐसी मूर्तियों की पूजा करने से दोष लगता है और घर में रखने से वास्तु दोष भी उत्पन्न होता है।

2. टूटे बर्तन और उपकरण

आपके घर में अनुपयोगी गैस चूल्हा, बेकार बिजली के उपकरण पड़े हों या किचन में टूटे-फूटे बर्तन हों तो उनको घर से बाहर कर देना चाहिए। टूटे-फूटे बर्तन रखने से दरिद्रता आती है और खराब उपकरण घर में नकारात्मक ऊर्जा को पैदा करते हैं। इससे परिवार के लोगों के विचारों और सेहत पर बुरा असर हो सकता है।

3. रद्दी और कूड़ा

यदि आपके घर में कागज की रद्दी, फटी-पुरानी पुस्तकें, अखबार और अन्य कूड़ा आदि पड़े हैं तो उनको भी घर से बाहर कर दें। घर की अच्छे से साफ-सफाई करें। उसके बाद नवरात्रि के लिए तैयारी करें। मां दुर्गा के स्वागत के लिए घर को सजाएं। गंदे घरों में देवी और देवताओं का वास नहीं होता है।

4. पूजा घर की अशुद्ध सामग्री

पूजा घर हमारे आवास का अहम हिस्सा है। पूजा घर को साफ सुथरा रखना जरूरी है। इसके लिए आप वहां पर पड़े पुराने कलावे, अशुद्ध फूल, खराब नारियल, टूटा हुआ माला आदि जो भी हों, उनको हटा दें। इन सब के कारण दोष उत्पन्न होता है। पूजा में बासी फूल का उपयोग भी वर्जित है। कई बार हम पिछले व्रत और त्योहारों की सामग्री को सही से नहीं रखते और वे धीरे-धीरे खराब हो जाते हैं, इसलिए उनको भी हटा देना जरूरी है।

5. तामसिक वस्तुएं

नवरात्रि के 9 दिन मां दुर्गा की पूजा के लिए समर्पित हैं। इसमें पवित्रता और व्रत के नियमों का विशेष ध्यान रखा जाता है। इस वजह से नवरात्रि में तामसिक वस्तुओं का उपयोग पूर्णतया वर्जित है। तामसिक वस्तुओं में मांस, मदिरा, प्याज, लहसुन आदि शामिल हैं।

शनिश्चरी अमावस्या: किस्मत नहीं दे रही साथ तो करें उपाय

शनि अमावस्या इसबार 14 अक्टूबर दिन शनिवार को है और यह साल का अंतिम शनिश्चरी अमावस्या है। अश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या शनिवार के दिन पड़ने के कारण इसे शनि अमावस्या या शनिश्चरी अमावस्या भी कहा जाता है। इस दिन किस्मत को बदलने वाले कई शुभ योग भी बन रहे हैं। ऐसे में लोगों को शनिदेव से जुड़े कुछ सरल उपायों को फॉलो करना चाहिए। इन उपायों को करने से शनिदेव की कृपा होती है और दुखों का नाश होता है। इसके साथ ही शनिदोष से भी मुक्ति मिलती है।

शास्त्रों के अनुसार, सूर्य पुत्र शनिदेव यमराज के भ्राता और भद्रा के भाई हैं। वह न्याय के देवता हैं और वह लोगों के कर्मों के हिसाब से फल देते हैं। इसीलिए शनि अमावस्या के दिन का विशेष महत्व होता है। यदि किसी इंसान की किस्मत साथ नहीं दे रही है या मेहनत करने के बाद भी हाथ में पैसा नहीं रुकता है। इसका मतलब है कि आपकी कुंडली में शनि दोष है। इससे मुक्ति पाने के लिए न्याय के देवता को प्रसन्न करना बेहद जरूरी है। हालांकि, शनिश्चरी अमावस्या पर कुछ उपाय के करने से शनिदेव की कृपा आप पर होगी और किस्मत का दरवाजा हमेशा के लिए खुल जाएगा। इसके अलावा जीवन में आर्थिक संपन्नता भी बनी रहेगी। आइए उन्नाव के ज्योतिषाचार्य पं। ऋषिकांत मिश्र शास्त्री से जानते हैं शनिश्चरी अमावस्या के दिन किन उपायों को करने से न्याय के देवता प्रसन्न होते हैं।

काली गाय की पूजा और परिक्रमा करें

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, शनिश्चरी अमावस्या के दिन काली गाय की पूजा करना बेहद शुभ माना जाता है। हालांकि, ये ध्यान रखें कि काली गाय पर कोई कोई दूसरा निशान ना हो। पूजा के लिए काली गाय को 8 बूंदी के लड्डू खिलाएं। इसके बाद उसकी 7 बार परिक्रमा करें। जब परिक्रमा पूर्ण हो जाए तब गाय की पूंछ से अपने सिर पर 8 बार झाड़ा लगाएं। इस उपाय को करने से शनिदेव की कृपा होती है। साथ ही सौभाग्य की प्राप्ति होती है और जीवन के कष्ट मिटते हैं।

नारियल और काले-सफेद तिल का टोटका करें

शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए शनिश्चरी अमावस्या पर नारियल से जुड़ा उपाय जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से शनिदोष से मुक्ति मिलती है। इस टोटको करने के लिए आप पानी वाले 11 नारियल, 400-400 ग्राम काले-सफेद तिल्ल, नौ कीलें, आठ मुट्ठी जौ, आठ मुट्ठी काले चने और आठ मुट्ठी कोयला लें। इसके बाद इन सभी चीजों को काले कपड़े में बांधकर सायंकाल में नदी के किनारे पूर्व दिशा की ओर मुख करके अपने ऊपर से 7 बार सिर से लेकर पैर तक घुमा लें। फिर एक-एक करके प्रवाहित कर दें। आप इसको शनिदेव के मंदिर में भी रख सकते हैं।

काली उड़द की दाल सिर के पास रखकर सोएं

शनि अमावस्या पर काली उड़द की दाल का उपाय करने से जीवन में समृद्धि आती है। इस उपाय को एक दिन पहले यानी शुक्रवार की रात को करना है। इस दिन सवा पाव काली उड़द की दाल को काले कपड़े में बांधकर सिर के पास रखकर सोना है। हालांकि, यह ध्यान रखें कि उस दिन अपने पास किसी को ना सोए। इसके बाद शनिवार को शनि मंदिर में उस पोटली को रख दें। इसके बाद सायंकाल के समय काले सुरमे की शीशी को सिर से लेकर पैर तक 9 बार किसी से उतरवा लें और फिर उसको किसी सुनसान जगह पर जमीन में दबा दें। ऐसा करने से शनि ढैय्या व साढ़ेसाती का अशुभ प्रभाव कम होता है।

नवग्रह मंदिर में शनिदेव की पूजा-आराधना करें

शनिदेव को प्रसन्न करके उनके कृपा पाने के लिए शनि अमावस्या पर कुछ उपाय बेहद जरूरी है। इसके लिए शनि अमावस्या पर नवग्रह मंदिर में जाकर शनिदेव की पूजा-आराधना करनी होगी। पूजा-अर्चना करने के बाद शनि चालीसा या दशरथ कृत शनि स्तोत्र का पाठ करें और शनि मंत्रों का भी जप करें। इसके तत्पश्चात शनिदेव पर काले तिल, तेल और नीले रंग के फूल अर्पित करें। ऐसा करने से जीवन में उन्नति होगी, शनिदेव का आशीर्वाद प्राप्त होगा। साथ ही शनिदोष से मुक्ति मिलेगी।

शनि अमावस्या पर पीपल के पेड़ की पूजा करें

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, शनि अमावस्या के दिन पीपल के पेड़ की पूजा बेहद फलदायी मानी जाती है। इस उपाय को करने के लिए इस दिन सुबह पीपल की जड़ में दूध और जल अर्पित करें। इसके बाद पीपल के 5 पत्तों को लेकर उसमें पांच मिठाई रख देंगे और फिर घी का दीपक जलाकर 7 बार परिक्रमा करेंगे। इसके अलावा, इस दिन का पीपल का पेड़ भी लगाया जा सकता है। इसके लिए आप रविवार का दिन छोड़कर हर रोज जल दें। ऐसा करने से शनि देव प्रसन्न हो जाएंगे, जिससे सोई किस्मत जाग जाएगी।

14 अक्टूबर को साल का अंतिम सूर्य ग्रहण? 5 राशिवालों को होंगे लाभ

इस साल का अंतिम सूर्य ग्रहण 14 अक्टूबर दिन शनिवार को अमावस्या पर लगने जा रहा है। उस दिन आश्विन अमावस्या और सर्व पितृ अमावस्या है। शनिवार होने के कारण यह शनि अमावस्या भी है। 14 अक्टूबर को रात 08 बजकर 34 मिनट पर यह सूर्य ग्रहण लगेगा और 15 अक्टूबर दिन रविवार को 02 बजकर 25 एएम पर खत्म होगा। इस सूर्य ग्रहण का सूतक काल 12 घंटे पूर्व प्रारंभ हो जाएगा। साल का अंतिम सूर्य ग्रहण 5 राशि के जातकों के लिए लाभदायक सिद्ध हो सकता है। **तिरुपति** के ज्योतिषाचार्य डॉ. कृष्ण कुमार भार्गव से जानते हैं कि इस सूर्य ग्रहण का किन 5 राशियों पर सकारात्मक प्रभाव होगा?

सूर्य ग्रहण 2023: 5 राशियों पर होगा शुभ प्रभाव

मिथुन: इस साल का अंतिम सूर्य ग्रहण आपकी राशि के लोगों के लिए लाभदायक हो सकता है। सूर्य के शुभ प्रभाव के कारण धन लाभ के योग बनेंगे। मानसिक तनाव दूर होगा। वर्कप्लेस पर आपकी कार्य क्षमता के लोग कायल होंगे और आपकी प्रशंसा भी होगी। नौकरीपेशा लोगों को कोई नया अवसर प्राप्त हो सकता है या फिर कोई नया मुकाम हासिल कर सकते हैं।

सिंह: सूर्य देव के शुभ प्रभाव के कारण आपकी राशि के जातकों का प्रभाव बढ़ेगा। आप अपने विरोधियों और शत्रुओं पर हावी हो सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। बिजनेस से जुड़े लोगों के लिए समय अच्छा हो सकता है। मुनाफे के अवसर मिलेंगे या फिर काम के विस्तार के लिए सहयोग मिल सकता है।

तुला: साल का दूसरा सूर्य ग्रहण आपकी राशि के लोगों के लिए लकी साबित हो सकता है। आप पर किस्मत मेहरबान रहेगी। कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। आपके पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग बनेंगे। आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा। करियर की दृष्टि से यह समय अच्छा कहा जा सकता है। पुराने अटके काम पूरे होंगे।

वृश्चिक: आपकी राशि के लोगों के लिए इस वर्ष का अंतिम सूर्य ग्रहण लाभदायक हो सकता है। पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ा हुआ रहेगा। आप जो भी मेहनत करेंगे, उसका सकारात्मक फल मिलने की पूरी संभावना है। धन लाभ होगा, जिससे आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

मकर: सूर्य ग्रहण आपके लिए शुभ हो सकता है। आपको धन लाभ तो होगा, लेकिन खर्च भी उसी तरह से होगा। इस दौरान आप कोई नई गाड़ी खरीद सकते हैं या फिर अपने लिए कोई नया मकान खरीद सकते हैं। आपका भाग्य मजबूत रहेगा।

अक्षयवट में भीम ने किया था पितरों को पिंडदान

गया में पितृपक्ष के 13वें दिन द्वादशी तिथि को भीम गया, गौ प्रचार, गदालोल इन तीन पिंड वेदियों पर श्राद्ध करने का विधान है। मंगला गौरी मंदिर के समीप भष्मकुट पर्वत पर भीम गया वेदी, अक्षयवट वाले रास्ते में गौ प्रचार वेदी है। अक्षयवट के सामने गदालोल वेदी स्थित है, जहां पिंडदान किया जाता है। 13वें दिन के महत्व इन तीनों वेदियों पर पिडंदान का विशेष महत्व है। यहां पिंडदान करने के बाद अक्षयवट में पिंडदान किया जाता है, उसके बाद गया श्राद्ध सम्पूर्ण हो जाता है।

कई सीढ़ियां चढ़कर भीम गया वेदी तक पहुंचते हैं श्रद्धालु

भीम गया वेदी शहर के दक्षिणी क्षेत्र में मंगलागौरी मंदिर जाने वाले रास्ते पर स्थित है। कई सीढ़ियां चढ़कर पिंडदानी भीम गया वेदी तक पहुंचते हैं। कहा जाता है महाभारत काल के बाद भीम ने अपने पितरों की मोक्ष के लिए पिंडदान किया था। भीम ने घुटने के बल बैठकर पिंडदान किया था। भीम के घुटने का निशान आज भी पिंडवेदी के पास देखा जाता है। पिंडदानी गोलाकार जौ का आटा, मधु, गुड़, पंचमेवा, काला तिल और घी मिलाकर पिंडदान करते हैं। भीम गया पिंडदान करने से पितरों के मोक्ष की प्राप्ति होती है।

गौ प्रचार वेदी पर स्वयं ब्रह्माजी ने किया था गोदान

मंगलागौरी से अक्षयवट के रास्ते में गौ प्रचार वेदी स्थित है। यहां स्वयं ब्रह्माजी ने गोदान किया था। गौ प्रचार वेदी में ब्रह्मा जी ने यज्ञ किया था। उन्होंने यहां यज्ञ के दौरान गायों को जिस पर्वत पर रखा था, उसे गोचर वेदी कहा गया। यहां पर्वत पर गाय के खुर के निशान आज भी हैं। यहां ब्रह्मा जी ने पंडा को सवा लाख गाय दान किया था। ऐसी मान्यता है कि यहां पिंडदान करने से पितरों को विष्णुलोक की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि यहां ब्राह्मण भोजन कराने से एक करोड़ पंडित को भोजन कराने का फल मिलता है।

भगवान विष्णु ने हेति नामक दैत्य का संहार

पंडित राजा आचार्य बताते हैं कि गदालोल वेदी पर भगवान विष्णु ने हेति नामक दैत्य का संहार गदा से किया था। गदा को जिस सरोवर में धोया गया, वह गदालोल कहलाता है। यह अक्षयवट के पास स्थित है। इस वेदी के बारे में कहा जाता है कि यहां गदा नाम का असुर पुराकाल में वज्र से दृढ़ तपस्वी एवं दानवीर था। देव कार्य के लिए ब्रह्माजी के मांगने पर उसने अपनी अस्थियां भी दान में दे दी थीं। उन्हीं अस्थियों से विश्वकर्मा जी ने गदा बनाकर स्वर्ग में रख दिया था।

उसी काल में हेति नाम का दैत्य बड़ा बलवान हुआ। उसने देवताओं को जीत कर स्वर्ग का राज्य छीन लिया था। तब देवताओं ने स्वर्ग में रखी वही गदा भगवान को दे दी। भगवान ने उसी गदा से हेति को मार दिया। इसके बाद जिस स्थान पर वह गदा धोया गया उसे गदालोल वेदी कहा गया है। इस गदालोल वेदी में पिंडदान करने से तथा स्वर्ण पिवत्री दान करने से पितरों को सद्गति होती है।

भागलपुर मंदिर में पितृपक्ष में ही शुरू हो गई दुर्गा पूजा 400 साल से चली आ रही यह परंपरा

हम सभी जानते हैं दुर्गा पूजा 15 अक्टूबर से शुरू है। लेकिन भागलपुर का एक ऐसा मंदिर है, जहां पर पूजा प्रारंभ हो गई है। यह सुनकर आपको आश्चर्य जरूर हुआ होगा। लेकिन ऐसा ही कुछ भागलपुर में हो रहा है। हम बात कर रहे हैं 400 वर्ष पुराना मंदिर महाशय ड्योढ़ी की। आपको बता दें कि अकबर के शासन काल से ही यहां पर प्रतिमा स्थापित हो रही है। कलकत्ता की काली व महाश्य की दुर्गा विश्वभर में प्रसिद्ध है। कलश की पूजा अभी से ही शुरू, विजयादशमी तक होगी पूजा मां दुर्गा के आह्वान को लेकर मंदिर से बोधन घट निकाल कर ढोल, ढाक गाजे बाजे के साथ गंगा घाट ले जाया गया। जहां से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बोधन घट में जल भरकर वापस मंदिर में पहुंच कर विधिवत पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात मां दुर्गा का आह्वान कर बोधन घट को मंदिर में स्थापित किया गया। कलश की पूजा अभी से ही शुरू होकर विजयादशमी तक चलेगी। यह पूजा 18 दिनों तक चलती रहेगी और मंदिर में प्रज्वलित दीप अनवरत विजयादशमी तक जलता रहेगा।

कौड़ी लूटने की मच जाती है होड़

महाशय ड्योढी मंदिर में कौड़ी लुटाने की परंपरा 400 वर्ष पुरानी है। महाशय परिवार के अरविंदो घोष ने बताया कि बंगाली परंपरा के अनुसार कौड़ी को धन कुबेर का घोतक माना गया है। सुहागिन महिलाएं इस कौड़ी को सिंदूर के किए में रखती है। ऐसी मान्यता है की कौड़ी को घर में रखने से धन आने का दरवाजा खुलता है। इसी कारण से श्रद्धालुओं की कौड़ी लूटने की होड़ मच जाती है। महाशय परिवार के अरविंदो घोष ने बताया कि मां दुर्गा के आह्वान के साथ पूजा शुरू हो गई है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर बोधन घट में जल भरकर कलश मंदिर में स्थापित की गई। ऐसी मान्यता है की माता के यहां दर्शन करने दूर-दूर से पहुंचते हैं। यहां पहुंचने मात्र से ही बिन मांगी मुरादे भी पूरी हो जाती हैं।

मेवाड़ की गंगू कुंड में प्रकट हुई थी गंगा

हजारों वर्ष प्राचीन इस कुंड का कभी नही सूखता जल

राजस्थान की मेवाड़ रियासत दुनिया की सबसे प्राचीन रियासतों में से एक मानी जाती है। यहां पर आहड़ नदी के किनारे प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता के अवशेष भी मिले हैं जो करीब 3000 वर्ष पुरानी बताई जाती है लेकिन आज हम आपको इसी सभ्यता के किनारे बने गंगू कुंड के बारे में बताने जा रहे हैं। इस कुंड की मान्यता है कि यहां पर गंगा का स्वयं उद्भव हुआ था और आज भी यह स्थान पवित्र रूप में पूजा जाता है।

गंगा का हुआ था यहां उद्गम

यहा के स्थानीय पुजारी बालक गोपालकृष्ण पंडित ने

बताया की मेवाड़ की किवंदंतियो के अनुसार में जब उज्जैन के राजा विक्रमाद्वितीय यहां आए तब उन्होंने अपने परिवार के श्राद्ध तर्पण के लिए गंगा का आह्वान किया था तब गंगा का यहां उद्भव हुआ। इसके बाद विक्रमाद्वितीय ने इसे यहां हमेशा बहने के लिए कहा, तभी से साल भर इस कुंड में पानी भरा रहता है। चाहे कितनी भी गर्मी क्यों न हो इस स्थान का पानी कभी नही सूखता। वर्षभर में होने वाले विभिन्न आयोजनों के के साथ यहां पर पूजा अर्चना का विशेष महत्व रहता है। पितृ तर्पण पूजा के लिए बहुत अधिक महत्व उदयपुर में आहड़ स्थित गंगू कुंड की पूजा का बहुत अधिक महत्व है। यहां पर मेवाड़ में महाराणाओं की छतरियां भी बनी हुई है। इस जगह पितृ तर्पण पूजा अर्चना विधि विधान से कराई जाती है जो लोग हरिद्वार नही जा पाते वे भी इस स्थान पर अस्थि विसर्जन करते है। वहीं मेवाड़ के प्रमुख शिव मंदिरों में कावड़ यात्रा के लिए भी जो जल ले जाया जाता है वह भी इसी कुंड से भर के महादेव जो चढ़ाया जाता है।

सिंगल हैं कृति सेनन, बॉयफ्रेंड में चाहती हैं ये 7 खूबियां

'हीरोपंती' फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा

कृति सेनन अक्सर चर्चा में रहती हैं। कभी फिल्मों तो कभी अपनी पर्सनल लाइफ के कारण। गाहे-बगाहे उनका नाम एक्टर्स संग जुड़ता रहता है। इनमें प्रभास से लेकर सुशांत सिंह राजपूत तक का नाम शामिल है। साल 2014 में 'हीरोपंती' फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखने वाली एक्ट्रेस कृति सेनन अक्सर चर्चा में रहती हैं। खासतौर से पर्सनल लाइफ के कारण। हर कोई बस ये जानना चाहता है कि कृति आखिर किसे डेट कर रही हैं! लेकिन अब एक्ट्रेस ने सभी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। उन्होंने कंफर्म कर दिया है कि वो सिंगल हैं। वो भी लंबे समय से। इसके अलावा उन्होंने ये भी बता दिया है कि उनके बॉयफ्रेंड में क्या खूबियां होनी चाहिए। मालूम हो कि कृति ने इससे पहले प्रभास और सुशांत सिंह राजपूत सहित कई एक्टर्स को डेट किया है। 33 साल की कृति सेनन ने एक इंटरव्यू में कंफर्म कर दिया है कि उनका रिलेशनशिप स्टेटस इस समय सिंगल है।

एक्ट्रेस ने ये भी बताया है कि वो लंबे समय से सिंगल हैं। यहां पर फैंस ये कयास लगा रहे हैं कि क्या वो 'आदिपुरुष' को-स्टार प्रभास को डेट नहीं कर रही थीं! जब कृति और प्रभास 'आदिपुरुष' फिल्म में काम कर रहे थे, तब ये अफवाह उड़ी थी कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। खैर, अब कृति ने बताया है कि उन्हें कैसा बॉयफ्रेंड चाहिए और उसके अंदर क्या खूबियां होनी चाहिए। इन खूबियों में एक खास खूबी ये होनी चाहिए कि लड़का कृति से भी लंबा हो। कृति की हाइट 5 फीट 9 इंच है। कृति ने बताया कि वो अपने साथी में ढेर सारा प्यार और ईमानदारी का गुण चाहती हैं। वो उन लोगों की तरफ अट्रैक्ट होती हैं, जो महत्वाकांक्षी और प्रेरित होते हैं और किसी ना किसी तरह से उन्हें भी प्रेरित करते हैं।

कृति कहती हैं कि उन्हें हमेशा एक साथी में प्रेरणा की जरूरत होती है। आखिरी में वो एक अच्छा इंसान चाहती हैं, जो रियल हो और उनके प्रति सच्चा हो। एक इंटरव्यू में कृति सेनन की बहन नूपुर ने खुलासा किया था कि 'मिमी' एक्ट्रेस ने अब तक दो लोगों को डेट किया है और उनका सबसे लंबा रिश्ता ढाई साल तक चला।

14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत की मौत हो गई थी। सुशांत और कृति ने 'राब्ता' फिल्म में साथ काम किया था। इनके लिंकअप की खबरें सामने आई थी। जब सुशांत का निधन हुआ, उसके बाद कृति ने इमोशनल नोट शेयर कर अपनी फीलिंग्स बयां की थीं। सुशांत और प्रभास के अलावा कृति का नाम 'असुर' एक्टर गौरव अरोड़ा संग भी जुड़ा था, लेकिन ये सिर्फ एक अफवाह थी।

बिंदास एक्ट्रेस शमा सिकंदर भी हो चुकी हैं डिप्रेशन की शिकार, बोलीं- आज भी आते हैं ट्रिगर्स

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस शमा सिकंदर अपने बोल्ड अदाओं के लिए सोशल मीडिया पर सुर्खियों में रहती हैं. हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी एक फोटो पोस्ट की जिसका कैप्शन पढ़ फैंस भी हैरान रह गए. शमा ने लिखा, "आप बहुत बोल्ड हैं', मैं ये दिखाने से नहीं डरती कि मैं कौन हूं, मेरी कमजोरियां मेरी ताकत हैं, यहां दोनों की तारीफ की जाती है और ऐसा ही आपका भी होगा'. शमा ने अपने कैप्शन से ये बताने की कोशिश की कि वो 'बोल्ड' जैसे शब्दों को अपनी तारीफ के तौर पर लेती हैं. उन्होंने आगे कहा कि बोल्ड होना, 'सिर्फ आपके कपड़ों की च्वाइस को लेकर नहीं, बल्कि इससे बहुत ज्यादा है.'

मेंटल हेल्थ से जूझ चुकी हैं शमा

शमा सिकंदर ने उन दिनों को याद किया जब वो खुद मेंटल हेल्थ से जूझ रही थीं. एक्ट्रेस ने बताया कि वो दिन इतने कठिन थे, जिनकी वजह से वो आज इतनी मजबूत बन गई हैं. शमा कहती हैं, 'मैं खुद को लेकर कभी इतनी ओपन नहीं थी, मैंने कभी इस तरह से बात नहीं की. मैंने हमेशा बहुत सेफ प्ले किया है लेकिन आखिरकार, मैंने अपनी कमजोरियों की तारीफ करना शुरू किया. आज ये मेरी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है. अपनी कमजोरियों को ताकत बनाना बिल्कुल भी आसान नहीं होता.' शमा सिकंदर ने डिप्रेशन के दौरान इलाज भी कराया था, जिसके बारे में उन्होंने बात की. एक्ट्रेस कहती हैं, ट्रीटमेंट एक जीवनभर का सफर है और ये ठीक भी है क्योंकि अगर कुछ भी मुझे परेशान नहीं करेगा, तो मेरे पास फिर से ठीक करने के लिए कुछ नहीं होगा.'

'आज भी आते हैं ट्रिगर्स'

उन्होंने कहा, 'ये एक तरह आपके लिए मौत के समान है, इसलिए मैं पूरी तरह से ठीक नहीं हुआ हूं. ट्रिगर्स आते रहते हैं और मैं उनसे लड़ना जारी रखती हूं, लेकिन मेरे विचार, ताकत और लड़ाई लड़ने की समझ अब बदल गई है. मैंने खुश रहने के लिए अपने दिमाग को ट्रेंड करना सीख लिया है. मैं काफी हद तक ठीक हो गयी हूं और अभी भी कुछ न कुछ ढूंढती रहता हूं. इस पर काम करने की जरूरत है. बहुत सारे अलग-अलग समस्याएं हैं, जिनका सामना हम एक इंसान के रूप में करते हैं. हालांकि, मेरे अंदर कोई नेगेटिव थॉट या हार मानने की भावना नहीं है.' एक्ट्रेस ने कहा कि जब लाइफ में खराब समय आता है तो खुद को पूरी तरह से अलग-थलग कर देने से चीजें और बदतर हो जाती हैं. मैंने यह अपने अनुभव से सीखा है और इसलिए जब भी जरूरत होती है मैं खुद को खुलकर सामने आने देती हूं. कई बार विश्वास करने में प्रॉब्लम होती है क्योंकि कुछ लोगों ने अतीत में मुझे धोखा दिया है.

'तुम दोनों के कारण ही देश में तलाक हो रहे..' जानिए क्यों ट्रोल हो रहीं एकता कपूर

एकता कपूर इन दिनों अपनी फिल्म 'थैंक यू फॉर कमिंग' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। फिल्म 6 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। करण बूलानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म की कहानी महिलाओं की इंटीमेट लाइफ के बारे में है। वहीं इस फिल्म को एकता कपूर और रिया कपूर के प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया गया है। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। इस फिल्म ने दुनियाभर में तीन दिनों के अंदर केवल 3.6 करोड़ रुपए ही कमाए हैं। वहीं अब सोशल मीडिया पर एकता कपूर को उनकी इस फिल्म के लिए काफी ट्रोल किया जा रहा है।

एकता कपूर को किया जा रहा ट्रोल

दरअसल एक यूजर ने ट्वीट करते हुए लिखा था कि 'प्लीज एडल्ट फिल्में बनाना बंद कर दो। आपने और करण जौहर ने ही पूरे भारत को बिगाड़ा है। आप दोनों की वजह से ही इंडिया मैं ज्यादा तलाक होने लगे हैं।' इस पर एकता कपूर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि 'मैं एडल्ट हूं इसलिए मैं एडल्ट फिल्में बनाती रहूंगी।'

इसी के साथ एकता ने अपने अगले ट्वीट में लिखा कि 'थैंक यू फॉर कमिंग मेरी क्रेजी पार्टनर रिया द्वारा बनाई गई एक छोटी सी क्रेजी फिल्म है। संस्कृति को बर्बाद करने के लिए ट्रोल किए जाने से लेकर भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रेस द्वारा सराहना किए जाने तक। मैं रोमांचकारी मुद्दों बनी इस फिल्म को किसी अन्य तरीके से नहीं चाहती। यह फिल्म आत्म सुख को बढ़ावा देती है। (यदि आप अपने हाथों पर हाथ रख रहे हैं तो यह किसी भी चीज को कैसे बर्बाद कर रहा है।'

वहीं अब फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने पहले दिन महज 1 करोड़ का बिजनेस किया था। इसके बाद दूसरे दिन फिल्म डेढ़ करोड़ तक की कमाई कर पाई। वहीं रविवार को फिल्म ने 1.70 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। अनिल कपूर के दामाद करण बुलानी के निर्देशन में बनी फिल्म 'थैंक यू फॉर कमिंग' में भूमि पेडनेकर,डॉली सिंह,शिबानी बेदी,शहनाज गिल,कुशा कपिला,अनिल कपूर,करण कुंद्रा जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं।

जब 13 साल छोटे अक्षय के प्यार में पड़ी थीं रेखा, जमकर दिए थे इंटीमेट सीन

इंडस्ट्री की सबसे खूबसूरत हसीनाओं में से एक रेखा का जीवन हमेशा विवादों से भरा रहा है. कभी अपनी शादी को लेकर तो कभी अमिताभ बच्चन के साथ अपने लव अफेयर को लेकर रेखा अक्सर सुर्खियों में रहती हैं. रेखा, अक्षय कुमार और रवीना टंडन खिलाड़ियों के खिलाड़ी में नजर आए थे. यह फिल्म 1996 में रिलीज हुई थी, उस समय रवीना टंडन और अक्षय कुमार एक दूसरे को सीक्रेटली डेट कर रहे थे. खा और अक्षय कुमार की अफेयर की खबरों पर चुप्पी तोड़ते हुए रवीना टंडन ने अपनी बात रखी थी.

बॉलीवुड के खिलाड़ी यानी अक्षय कुमार का नाम इंडस्ट्री की कई लड़कियों के साथ जुड़ता रहा है. हालांकि इस फेहरिस्त में एक नाम ऐसा भी रहा जो आपको चौंका सकता है. वह नाम है वेटरन एक्ट्रेस रेखा का. जी, हां एक वक्त ऐसा था, जब रेखा और अक्षय का नाम एक साथ जुड़ने लगा था. ऐसी खबरें उड़ने लगी थीं कि रेखा खुद से 13 साल छोटे अक्षय के प्यार में पड़ गई हैं. जबकि उस वक्त अक्षय कुमार, रवीना टंडन के साथ रिश्ते में थे. क्या था पूरा किस्सा, चलिए आपको बताते हैं.

शूटिंग के दौरान बढ़ी थीं रेखा और अक्षय की नजदीकियां

यह बात साल 1996 की है। उस दौरान एक्टर अक्षय कुमार रवीना टंडन को डेट कर रहे थे. यह दोनों अपने रिलेशनशिप को लेकर काफी सीरियस थे. कहा जाता है कि दोनों एक-दूसरे से शादी करना चाहते थे, इसलिए दोनों ने गुपचुप तरीके से एक मंदिर में सगाई भी कर ली थी. फिल्म 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' में अक्षय के साथ रवीना और रेखा को-एक्टर के तौर पर नजर आई थीं.फिल्म की शूटिंग के दौरान 41 साल की रेखा 28 साल के अक्षय कुमार पर दिल हार बैठी थीं.

फिल्म 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' में एक्शन के साथ-साथ इंटीमेट सीन की भी खूब भरमार है. इस फिल्म में रेखा और अक्षय ने कई इंटीमेट सीन दिए थे. फिल्म में अक्षय कुमार और रेखा की बोल्डनेस फैन्स को काफी पसंद आई थी. कहा जाता है कि फिल्म में इंटीमेट सीन्स और किस की वजह से ही रेखा और अक्षय कुमार के बीच नजदीकियां बढ़ी थीं.

रवीना ने किया था खुलासा

एक इंटरव्यू में रवीना ने बताया कि उस समय अगर उस अभिनेत्री को पता था कि हम दोनों रिश्ते में हैं और वह फिर भी अक्षय के नजदीक आ रही हैं, तो मैं चीजों को संभालने की कोशिश करती, लेकिन अक्षय जानते थे कि परिस्थिति को कैसे संभालना है. रवीना ने कहा था, 'मुझे नहीं लगता अक्षय कुमार का रेखा से कोई लेना-देना था। मुझे लगता है अक्षय उनसे दूर भागता था'.

फिर साथ आ गए हैं सामंथा रुथ प्रभु और नागा चैतन्य? एक्टर के इस पोस्ट ने दिया हिट, फैंस बोले- प्लीज पैचअप कर लो

नागा चैतन्य और सामंथा ने एक ज्वॉइंट स्टेटमेंट जारी किया था और साल 2021 में अलग होने की अनाउंसमेंट की। इस साल की शुरुआत में नागा चैतन्य ने पुष्टि की कि उन्होंने एक साल पहले कानूनी रूप से तलाक ले लिया था, लेकिन अपने अलगाव के पीछे के कारणों का खुलासा नहीं किया।

'ऊ अंटावा गर्ल' से फेमस साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु फिल्मों के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। वो साल 2021 में पति नागा चैतन्य से सेपरेट हो चुकी हैं, तलाक ले चुकी हैं। लेकिन अब एक बार फिर इनके साथ होने की खबरें सामने आ रही हैं। ये जानकर फैंस खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं। क्या वाकई में ऐसा हुआ है, आइये जानते हैं।

नागा चैतन्या ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया। उन्होंने 'हैश' नाम के एक फ्रेंच बुलडॉग की फोटो शेयर की, जिसका उन्होंने और सांमथा ने तब वेलकम किया था, जब वे साथ थे।

गौरतलब है कि ब्रेकअप के बाद सामंथा अपने डॉगी के साथ फोटोज शेयर करती थीं, जिससे ये जाहिर होता है कि अलगाव के बाद वो डॉग की देखभाल कर रही थीं। अब चूंकि वो काम के सिलसिले में लंदन में है तो अब ये जिम्मेदारी नागा चैतन्य ने संभाली है। ऐसे में फैंस के मन में एक आस जगी है। वे अनुमान लगा रहे हैं कि क्या उनके बीच सुलह हो गई है!

दूसरी बार शादी के बंधन में बंधेंगे नागा चैतन्य? शोभिता धूलिपाला नहीं हैं होने वाली दुल्हन, चुपचाप हो रही तैयारी!

नागा चैतन्य के इस पोस्ट में हैश कार में बैठा है और सनसेट देख रहा है। एक्टर ने कैप्शन में लिखा- 'वाइब'। इस पोस्ट पर फैंस कॉमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा, 'को-पैरेंटिंग हैश।' एक फैन ने रिक्वेस्ट करते हुए कॉमेंट किया, 'प्लीज सामंथा के साथ पैचअप कर लो, आप दोनों साथ में बेस्ट हैं।'

सामंथा इस समय दुबई में हैं। उन्होंने अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। वो हाल ही में विजय देवरकोंडा के साथ 'खुशी' मूवी में नजर आई थीं। अब वो वरुण धवन संग 'सिटाडेल' के हिंदी वर्जन वेब सीरीज को लेकर बिजी हैं। उधर नागा की बात करें तो वो अपनी 23वीं फिल्म पर काम कर रहे हैं।

सामंथा ने ये माया चेसावु मूवी में साउथ एक्टर नागा चैतन्य के साथ काम किया था और 2010 में दोनों एक-दूसरे को डेट करने लगे थे। 2017 में दोनों ने अपने रिश्ते को एक नाम दिया, सगाई की और इसी साल 6-7 अक्टूबर को गोवा में हिंदू-क्रिश्चियन रीति-रिवाजों के अनुसार शादी की। इसी के साथ सामंथा 'अक्किनेनी' परिवार से जुड़ गईं।

इनकी हैप्पी मैरिड लाइफ में जल्द ही ग्रहण लग गया। सेपरेशन की खबरें तब सामने आने लगीं, जब सामंथा ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपना सरनेम 'अक्किनेनी' हटा लिया और फिर 2021 में फाइनली इस कपल ने फैंस को तलाक की खबर सुनकर झटका दे दिया।

जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया एक बार फिर साथ में हुए स्पॉट, क्या रोमांटिक वेकेशन पर निकला 'लवबर्ड'?

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर इन दिनों फिल्मों के साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी सुर्खियां बटोर रही हैं. एक्ट्रेस को अक्सर महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे के पोते शिखर पहाड़िया के साथ देखा जाता है. कुछ ही दिनों पहले सोशल मीडिया पर जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया की एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी. जिसमें मुंबई की सड़कों पर दोनों को डांस करते नजर आए थे. उसके बाद दोनों को गणेश चतुर्थी के मौके पर मुकेश अंबानी के घर पूजा में साथ शामिल होते हुए देखा गया था. वहीं, अब एक बार फिर से जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया को पैपराजी के कैमरे में देखा गया हैं. दोनों स्टार्स की ये वीडियो देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स उनके रिश्ते को लेकर अलग-अलग अनुमान लगा रहे हैं.

एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं जाह्नवी कपूर

सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की एक वीडियो शेयर की गई हैं, जिसमें उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया है. पैपराजी की इस वीडियो में जाह्नवी कपूर अपने ऑफ ड्यूटी लुक में हमेशा की तरह नो मेकअप के साथ फ्रेश नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस सैल्मन पिंक शादी की कम्फर्टेबल को-ऑर्ड्स ड्रेस पहने हुए कैमरे में देखते हुए मुस्कुराकर बाय बोलते हुए एयरपोर्ट के अंदर जाते हुए नजर आई. आपको बता दें कि एयरपोर्ट पर शिखर पहाड़िया पहले से जाह्नवी कपूर का इंतजार कर रहे थे वहीं, एक्ट्रेस अपने सिक्योरिटी के साथ एयरपोर्ट टर्मिनल पर अकेली पहुंची.

वेकेशन पर गए जाह्नवी और शिखर

बता दें कि एयरपोर्ट के अंदर जाने के बाद शिखर पहले से गाड़ी में बैठे जाह्नवी का इंतजार कर रहे थे. वहीं, जाह्नवी कपूर के सिक्योरिटी के हाथ में उनका फेवरेट तकिया देखने को मिला. इस वीडियो को देखकर बताया जा रहा है कि दोनों कपल वेकेशन पर जा रहे हैं.

वहीं, फैंस अलग-अलग अपनी फीलिंग्स कमेंट करके जाहिर कर रहे हैं. हालांकि जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया ने अपने रिश्ते को लेकर अबतक कोई ऑफिसियल अनाउंसमेंट नहीं किया है. लेकिन करण जौहर की शो कॉफी विद करण 7 के एक एपिसोड में दोनों के रिश्ते को लेकर बात करते हुए देखा गया था.

जीवनसाथी से पसंद-नापसंद न मिलती हो तो क्या करें?

हर इंसान की पसंद और नापसंद अलग-अलग होती है। हालांकि जब दो अलग अलग विचारधाराओं के लोग एक दूसरे के करीब आते हैं या एक रिश्ते में बंध जाते हैं तो हो सकता है कि उनके बीच आपसी तालमेल बैठाने में दिक्कत आए। जीवनसाथी से पसंद-नापसंद न मिलने की समस्या आम हो सकती है। खाने-पीने की छोटी छोटी बातों से लेकर जीवन जीने के सलीके तक कपल एक दूसरे से अलग हो सकते हैं। ऐसे में उनके बीच क्लेश होना भी लाजमी हो सकता है।

रिश्ते में लोग उम्मीद करते हैं कि साथी उनकी पसंद को अपनाएं और अपने जीवनशैली में उनके अनुरूप बदलाव करे। हालांकि रिश्ते में बदलाव बगावत का काम भी कर सकता है। ऐसे में जीवनसाथी से अलग पसंद होने पर रिश्ते को बिना किसी परेशानी के निभाने के लिए कई कदम उठाए जा सकते हैं। इस लेख के जरिए जानिए अगर जीवनसाथी से

पसंद-नापसंद न मिलती हो तो क्या करना चाहिए।

संवाद करें

पहले तो, आपको अपने जीवनसाथी के साथ बातचीत करनी चाहिए। खुलकर बात करने से समस्या के कारण का पता चलता है, साथ ही दोनों को एक दूसरे को अच्छे से समझने का मौका मिलता है। जीवनसाथी की पसंद और नापसंद को समझकर रिश्ते को निभाने में आसानी हो सकती है।

समझें और समझाएं

अपने जीवनसाथी के दृष्टिकोण और आपके दृष्टिकोण को समझने का प्रयास करें। क्योंकि कभी-कभी, यह दोनों के बीच होने वाली समस्याओं का कारण हो सकता है। ये जानने का प्रयास करें कि जीवनसाथी आपसे क्या उम्मीद रखता है या आपकी क्या आशाएं पार्टनर से हैं, ये भी उन्हें बताएं।

समाधान की तलाश करें

हर समस्या को खत्म करने के लिए उसका कोई न कोई समाधान होता है, जिसे आपको तलाशना होगा। आप दोनों के बीच आपसी तालमेल बिठाने के लिए समस्या का समाधान तलाशें। अगर आप दोनों के विचारों और मूल्यों के असहमति है तो समाधान ढूंढने के लिए समझौता करने का प्रयास करें।

सहानुभूति और सहयोग

एक दूसरे के साथ सहानुभूति रखें और सहयोग का प्रयास करें। एक दूसरे की मदद करें, अगर आपको जीवनसाथी की कोई बात या विचार पसंद नहीं तो उन्हें संयम और शांति से ये बात बताएं, लेकिन उनके विचारों पर अपनी पसंद को थोपने का प्रयास न करें।

नवजीवन की प्रथम यात्रा को ऐसे बनाएं यादगार

शादी के बाद अगर आप पहली बार साथी के साथ यात्रा पर जा रही हैं तो कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखकर अपनी यात्रा को आरामदायक और यादगार बना सकती हैं। जीवन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण मोड़ होता है विवाह। शादी में दो व्यक्तित्व साथ जीने के लिए एक नए जीवन में प्रवेश करते हैं। ऐसे में एक-दूसरे को समझने के लिए साथ-साथ क्वालिटी टाइम बिताना, युगल का सपना भी होता है और जरूरत भी। सामान्यतः लाइफ पार्टनर जिंदगी के सफर की शुरुआत कुछ यात्राओं के साथ करते हैं। जीवनसाथी के साथ पहले सफर पर सबसे खास पल होता है। दंपत्ति अपनी इस यात्रा के लिए अत्यंत उत्साहित होते हैं। वे इसे यादगार बनाना चाहते हैं, चाहते हैं कि एक-दूसरे को कुछ खास अनुभव दे सकें। लेकिन कई बार अनजाने में कुछ ऐसा कर बैठते हैं कि यात्रा का आनंद खत्म हो जाता है और मन में परस्पर स्वभाव के बारे में कुछ गलतफहमियां बैठ जाती हैं। अगर आप अपने साथी के साथ पहली बार सफर पर जा रही हैं तो कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें, ताकि नवजीवन की यह प्रथम यात्रा यादगार बन जाए।

पसंद का ध्यान

पहली यात्रा में केवल अपनी पसंद की ही चीजें ना करें बल्कि साथी की पसंद को भी प्राथमिकता दें। मसलन, उन्हें क्या खाना और कहां घूमने जाना पसंद है। इससे आप दोनों घूमने के साथ एक-दूसरे को अच्छे से समझ भी सकेंगे। अगर आप सिर्फ अपनी पसंद के काम ही करेंगी तो संभव है कि आपके साथी को लगे कि आप दबंग स्वभाव की हैं। यह गलतफहमी जीवन के रंग में भंग का काम कर सकती है।

पैनिक न हों

अक्सर कुछ लोग यात्रा के दौरान छोटी-छोटी बातों से पैनिक हो जाते हैं। इससे कई बार उनकी तबियत बिगड़ जाती है और यात्रा का आनंद खत्म हो जाता है। या फिर चीजें पसंद की नहीं हों, तो लोगों का मूड खराब हो जाता है। ऐसे में वे अपने साथी पर झल्लाने या चिड़चिड़ाने लगते हैं, आप भूलकर भी ऐसी गलती न करें।

साथ वक्त बिताएं और घूमने भी जाएं

जीवनसाथी के साथ पहली यात्रा में केवल होटल में ही न बैठी रहें, बल्कि पार्टनर के साथ बाहर घूमने भी जाएं। आस-पास के नजारों और बाजारों को भी देखें। इससे नए अनुभव मिलेंगे और उन पर बातचीत में दोनों को एक-दूसरे का नजरिया भी समझ में आएगा। हां, घूमने के साथ आराम का भी ध्यान रखें। ऐसा न हो कि इतना घूम लें कि शाम को आप पर थकान हावी हो जाए।

खाने की चीजें और दवाएं

घर से बाहर सफर में अनेक चीजों की जरूरत होती है। ऐसे में पैकिंग करते वक्त जरूरत की चीजों के साथ ही खाने-पीने की चीजें और कुछ सामान्य दवाइयां भी रखें। जब सफर में भूख लगे तो आप आराम से खा सकें और साथी को भी खिला सकें। इसके अलावा सफर की थकान या हल्के सिरदर्द में दवाई के लिए परेशान न होना पड़े। इससे जीवनसाथी को आपका केयरिंग नेचर भी समझ में आएगा।

सामान उठाने में मदद

जब आप दोनों साथ पहले

सफर पर हैं तो ऐसा न करें कि स्वयं मस्ती से घूमें और सारा सामान केवल पति ही उठाते रहें। आपको खुद से पहल करके सामान उठाने में पति की मदद करनी चाहिए। इससे जीवन के बोझ को मिलकर उठाने का संदेश भी आप उन्हें दे सकेंगी।

हर पल पूरा ख्याल रखें

फैमिली रिलेशनशिप काउंसलर शोभना कहती हैं पति-पत्नी जीवन की गाड़ी के दो पहिए हैं। दोनों को समान रूप से परस्पर प्रेम, समर्पण देने के साथ ही जीवन के फैसलों में एक-दूसरे की राय को महत्व देना चाहिए।

विवाह के बाद जीवनसाथी के साथ पहली यात्रा, एक नए जीवन की यात्रा का शुभारंभ होती है। इसके अनुभव जिंदगीभर दोनों को रोमांचित करते हैं। इसलिए इस यात्रा में प्रत्येक पल दूसरे का पूरा ख्याल रखें।

चेहरे पर भद्दे निशान खराब कर रहे हैं आपकी खूबसूरती?

चेहरे पर चोट या मुंहासों के निशान दिखने में बेहद भद्दे लगते हैं। इन्हें दूर करने के लिए आप कुछ घरेलू उपचार आजमाने के अलावा ट्रीटमेंट्स भी करवा सकते हैं, जिससे निशान धीरे धीरे कम हो जाएंगे।

चेहरे पर निशान विभिन्न कारणों से हो

सकते हैं, जैसे- छोटी या बड़ी चोटें, घाव, मुंहासे, जलने, कटने या सर्जरी के दौरान टांको के निशान आदि। यदि यह चेहरे पर हैं और दिखने में छोटे हैं, तो आप इसे मेकअप आदि से छुपा सकती हैं, लेकिन अगर इनका आकार बड़ा है तो आपको उपचार की जरूरत पड़ सकती है।

शरीर पर कई निशान समय के साथ मिट जाते हैं। इसमें कुछ महीनों से लेकर 2 साल तक का समय लग सकता है। हालांकि ये भी सच है कि आप घरेलू उपचार से निशान को पूरी तरह से कभी नहीं मिटा सकते। फिर भी कुछ प्राकृतिक उत्पाद हैं, जो निशान की उपस्थिति को कम करने में मदद कर सकते हैं।

कलौंजी के बीज

कलौंजी के बीज इसमें एंटीवायरल और जीवाणुरोधी गुण होते हैं। इसकी सूजन-रोधी ताकत निशान को कम करने में भी मदद कर सकती है। इसके अतिरिक्त, पशु और मानव कोशिका अध्ययनों से पता चला है कि काले बीज का तेल घाव भरने को बढ़ावा दे सकता है।

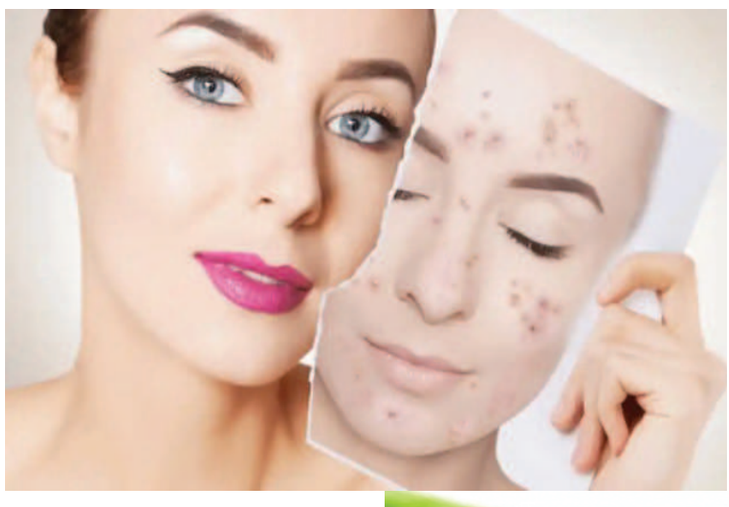

गुलाब का तेल

जंगली गुलाब के पौधों के फल से निकाला गया रस, निशान की उपस्थिति को कम करने में मदद कर सकता है। सर्जिकल निशानों पर शोध से पता चला है कि इस तेल के परिणामस्वरूप निशानों के उभार और लालिमा में सुधार हुआ है।

एलोवेरा

इसमें सूजन-रोधी गुण होते हैं जो कई अध्ययनों में प्रदर्शित किए गए हैं। क्षेत्र को नम रखने के लिए इसे घाव पर जेल के रूप में लगाया जा सकता है। यह कोशिकाओं को घाव भरने के लिए एक-दूसरे के ऊपर स्थानांतरित होने करने में सहायता प्रदान करता है। जिससे उपचार प्रक्रिया में सहायता मिलती है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि एलोवेरा मेलेनिन (एक प्राकृतिक त्वचा रंगद्रव्य) के उत्पादन को नियंत्रित करता है। तो यह आपके निशान को कम करने में मदद कर सकता है।

प्याज का अर्क

निशान कम करने वाले उत्पादों में प्याज का अर्क बहुत फायदेमंद हो सकता है। सर्जिकल साइटों पर एक अध्ययन से पता चला है कि प्याज के अर्क जेल ने मरीजों के घावों की बनावट, लालिमा और कोमलता में काफी सुधार किया है। अन्य शोधों से पता चला है कि प्याज का अर्क जेल केलोइड्स और हाइपरट्रॉफिक निशानों पर प्रभावी है, जिससे निशान की कठोरता, उपस्थिति और रंजकता में सुधार होता है।

हल्दी

ये दाग को कम करने में सहायक हो सकती है क्योंकि इसमें करक्यूमिन होता है, जो सूजन-रोधी गुणों वाला एक यौगिक है। कोशिका अध्ययनों से पता चला है कि करक्यूमिन घाव के संकुचन को बढ़ाता है और उपचार के समय को कम करता है। इसलिए शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला है कि कर्क्यूमिन हाइपरट्रॉफिक स्कारिंग में फायदेमंद हो सकती है।

रोज ये गलतियां करते हैं मां-बाप, संवारने की जगह बिगाड़ लेते हैं अपने ही बच्चे का भविष्य

मां-बाप अपने बच्चे की परवरिश को लेकर बहुत ज्यादा सतर्क रहते हैं जबकि इसमें उनसे भी कुछ गलतियां हो जाती हैं। अगर पैरेंट्स इन गलतियों से बच जाएं, तो वो अपने बच्चे के हेल्दी विकास में अहम योगदान दे सकते हैं।

अगर आप भी एक पैरेंट हैं, तो कहीं न कहीं इस बात से जरूर सहमत होंगे कि बच्चों की परवरिश करने का काम बहुत चुनौतीपूर्ण होता है। इसमें ऐसा कोई भी एक तरीका नहीं है जो हर बच्चे के लिए फिट बैठता हो। मां-बाप को अपने बच्चे के हिसाब से अपने पैरेंटिंग स्टाइल में बदलाव करते रहना पड़ता है। बच्चों की परवरिश में मां-बाप से भी कुछ गलतियां हो जाती हैं जो कि बहुत नॉर्मल बात है। हम गलतियों से ही सीखते हैं लेकिन हमें बार-बार एक ही तरह की गलती करने से खुद को रोकना भी होता है। इस

और सामाजिक विकास में बाधा बन सकते हैं। ऐसा कर के पैरेंट्स अपने बच्चे को कमजोर बना रहे हैं। इन बच्चों में जिंदगी की चुनौतियों का सामना करने की ताकत और क्षमता विकसित ही नहीं हो पाती है। आप बच्चे को मार्गदर्शन और सपोर्ट दें लेकिन उसके साथ ही उसे गलतियां भी करने दें। इससे बच्चे का आतमविश्वास बढ़ता है।

आर्टिकल में हम आपको ऐसी पैरेंटिंग मिस्टेक्स के बारे में बता रहे हैं जिन्हें करने से पैरेंट्स को बचना चाहिए।

बच्चे को लेकर ओवरप्रोटेक्टिव होना

मां-बाप लाड-प्यार में अपने बच्चे को ओवरप्रोटेक्ट करने लगते हैं। वो अपने बच्चे को हर तरह के खतरे, मतभेद या निराशा से बचाने की कोशिश करते हैं जो असल में बच्चे के भावनात्मक

सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान देना

आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान दिया जाने लगा है जबकि बाकी लाइफ स्किल्स को इग्नोर किया जा रहा है। कुछ पैरेंट्स अपने बच्चे के ऊपर बहुत ज्यादा प्रेशर डाल देते हैं और उनसे उम्मीद करते हैं कि उनका बच्चा पढ़ाई में अव्वल आए। इस चक्कर में बच्चे के भावनात्मक, सामाजिक और शारीरिक विकास को नजरअंदाज कर दिया जाता है। बच्चों पर पढ़ाई को लेकर दबाव बनाने से उनमें एंग्जायटी, तनाव जैसी परेशानियां देखी जा सकती हैं। इससे बचने के लिए आप अपने बच्चे को उसकी पसंद की चीजें करने के लिए बढ़ावा दें।

पर्सनल ग्रोथ को इग्नोर करना

पैरेंट्स अक्सर अपने बच्चे की जरूरतों को ऊपर रखते हैं और अपनी खुद की देखभाल और पर्सनल ग्रोथ को इग्नोर कर देते हैं। मां-बाप के लिए अपने बच्चे को पहले रखना नैचुरल रहना है लेकिन जब आप खुद को इग्नोर करने लगते हैं, तो इससे आपमें थकान, स्ट्रेस आदि आने लगता है। जब आप खुद स्वस्थ रहेंगे, तभी आपका परिवार स्वस्थ और खुशहाल रह पाएगा।

बहुत ज्यादा पनिशमेंट देना

कुछ पैरेंट्स अपने घर में बहुत सख्त डिसिप्लिन लेकर चलते हैं जैसे कि बच्चों को डांटना, पीटना या उन पर चिल्लाना आदि। मां-बाप के लिए अपने बच्चे के व्यवहार को कंट्रोल करने के यही तरीके दिखते हैं। बच्चों को अनुशासन सिखाना जरूरी है लेकिन उन्हें बहुत ज्यादा पनिशमेंट देने से पैरेंट और बच्चे का रिश्ता खराब होने का डर रहता है और इसका बुरा असर बच्चे की भावनात्मक सेहत पर भी पड़ सकता है। आप बच्चे को पनिशमेंट देने की बजाय उससे प्यार से बात करें और उसे सही और गलत के बीच फर्क समझाएं।

स्वादिष्ट और हेल्दी चिली गार्लिक पोटैटो

बाहर का खाना स्वादिष्ट जरूर हो सकता है लेकिन सेहत के लिहाज से अच्छा नहीं होता। इसलिए बच्चों के लिए घर पर ही उनकी पसंद और बाजार के खाने जैसी स्वाद वाली डिश बनाइए। आज हम आपको बच्चों के लिए ही एक स्पेशल और हेल्दी डिश की रेसिपी बताने जा रहे हैं। आप बच्चों के लिए स्नैक्स में चिली गार्लिक पोटैटो बना सकते हैं। ये डिश स्वादिष्ट तो है ही हेल्दी भी है। इसमें लहसुन का इस्तेमाल होता है, जो शरीर की इम्युनिटी को बढ़ाने का काम करता है। आलू में भी पोषण होता है। विटामिन बी 1, बी 3 और बी 6 और पोटैशियम, फास्फोरस और मैग्नीशियम जैसे मिनरल आलू में पाए जाते है। अधिकतर बच्चों को चिली गार्लिक पोटैटो पसंद भी होता है।

चिली गार्लिक पोटैटो बनाने की सामग्री

4 से 5 उबले आलू, 1 छोटा चम्मच लहसुन का पेस्ट, 2 चम्मच मक्के का आटा, 1 छोटा चम्मच चिल्ली फ्लेक्स, तेल, नमक, कटी हुई धनिया पत्ती।

ग्रेवी बनाने के लिए सामग्री

बारीक कटा हुआ लहसुन, अदरक, प्याज, शिमला मिर्च, चीनी, नमक, 1 चम्मच सोया सॉस, 1 चम्मच रेड चिली सॉस, 2 चम्मच केचअप, दो चम्मच अरारोट।

चिली गार्लिक पोटैटो बनाने की रेसिपी

स्टेप 1- चिली गार्लिक पोटैटो बनाने के लिए सबसे पहले आलू को उबाल कर छील लें। अब उबले

हुए आलू को कद्दूकस कर लें या अच्छे से मैश कर लें।

स्टेप 2- फिर आलू में कॉर्न फ्लोर, चिली फ्लेक्स, लहसुन का पेस्ट, नमक और हरा धनिया ये सभी सामग्री को एक साथ डालकर मिला लीजिए।

स्टेप 3- जब आलू में सभी सामग्री अच्छे से मिल जाए तो इस मिश्रण के छोटे-छोटे बॉल्स बना लीजिए। आप चाहें तो कोई और आकार भी दे सकते हैं।

स्टेप 4- अब एक पैन में तेल डाल कर मध्यम आंच में गर्म करने के लिए चढ़ाएं।

स्टेप 5- इस तेल में आलू के मिश्रण वाली बॉल्स को डालकर अच्छे से डीप फ्राई करें, जब तक उसका रंग हल्का सुनहरा न हो जाए।

चिली गार्लिक पोटैटो ग्रेवी बनाने का तरीका

अगर आप ग्रेवी वाला चिली गार्लिक पोटैटो बनाना चाहते हैं तो एक कढ़ाई में एक चम्मच तेल गरम करके उसमें कटी हुई लहसुन, अदरक डाल प्याज और शिमला मिर्च डालकर भुन लीजिये। फिर हल्की चीनी, नमक और 1 चम्मच सोया सॉस, 1 चम्मच रेड चिली सॉस, 2 चम्मच केचअप डालकर दो मिनट पकाएं और फिर आधा कप पानी डालकर दो चम्मच अरारोट कड़ाई में घोल लीजिए। दो मिनट पकाने के बाद उसमें तले हुए आलू के टुकड़े डालकर अच्छे से मिला कर सर्व करें।

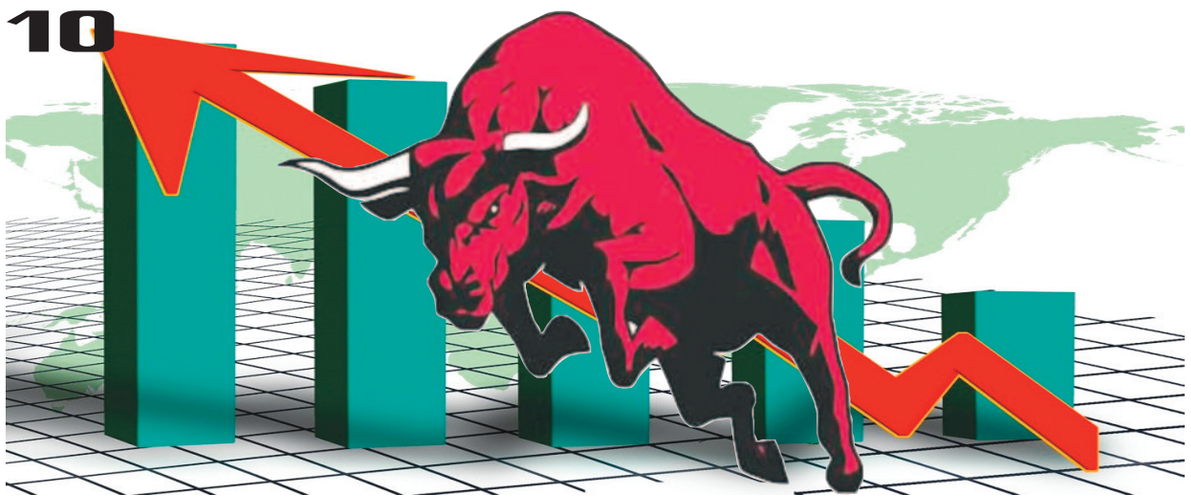

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आईएमएफ-वर्ल्ड बैंक की सालाना बैठक में लेंगी हिस्सा, आज रवाना होंगी मोरक्को

नई दिल्ली , 10 अक्टूबर (एजेंसिया) केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आईएमएफ-वर्ल्ड बैंक की वार्षिक बैठक 2023 में भाग लेने के लिए बुधवार को मोरक्को के माराकेच की आधिकारिक यात्रा पर रवाना होंगी। केंद्रीय वित्त मंत्री, कई देशों और संगठनों के साथ निवेशक और द्विपक्षीय बैठकों के अलावा, जी20 की भारतीय अध्यक्षता के तहत जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की चौथी बैठक में भी भाग लेंगे

11-15 अक्टूबर, 2023 तक माराकेच-मोरक्को में होंगी मीटिंग

यात्रा के दौरान सीतारमण वर्ल्ड बैंक समूह (डब्ल्यूबीजी) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की वार्षिक बैठकों के साथ-साथ जी20 बैठकों व इंडोनेशिया, मोरक्को, ब्राजील, स्विट्जरलैंड, जर्मनी और फ्रांस के साथ निवेशक/द्विपक्षीय बैठकों के अलावा अन्य संबंधित बैठकों में भी भाग लेंगी। ये बैठकें 11-15 अक्टूबर, 2023 तक माराकेच, मोरक्को में आयोजित होंगी। वार्षिक बैठकों में दुनिया भर के वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंकर भाग लेंगे। वार्षिक बैठकें, आम तौर पर अक्टूबर में होती हैं, परंपरागत रूप से लगातार दो वर्षों तक वाशिंगटन डी.सी। में और तीसरे वर्ष किसी अन्य सदस्य देश में आयोजित की जाती हैं। वार्षिक बैठकों में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट कार्य मंत्री करेंगी और प्रतिनिधिमंडल में वित्त मंत्रालय तथा और भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारी शामिल होंगे। वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर श्री शक्तिकांत दास जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की चौथी बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे। जी20 एफएमसीबीजी बैठक में महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों के व्यापक परिदृश्य पर केंद्रित बहुपक्षीय चर्चाओं में जी20 देशों, आमंत्रित देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के 65 प्रतिनिधिमंडलों की भागीदारी होगी। बैठक के दौरान, इंडिपेंडेंट एक्सपर्ट ग्रुप (आईईजी) द्वारा एमडीबी को मजबूत करने पर रिपोर्ट का सेगमेंट 2 भी जारी किया जाएगा।

सेगमेंट 1 गांधीनगर, गुजरात में आयोजित तीसरी एफएमसीबीजी बैठक के दौरान जारी किया गया था। चौथी जी20 एफएमसीबीजी बैठक के मौके पर, भारतीय जी20 अध्यक्षता, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और वर्ल्ड बैंक के प्रमुख 12 अक्टूबर 2023 को वैश्विक सॉवरेन ऋण गोलमेज बैठक (जीएसडीआर) की सह-अध्यक्षता करेंगे। गोलमेज बैठक में ऋण पुनर्गठन पर हुई प्रगति पर चर्चा होगी और जी20 देशों के काम का समर्थन करने के तरीकों और साधनों का विचार-विमर्श किया जाएगा। यूएसए ट्रेजरी द्वारा आयोजित एक उच्च स्तरीय कार्यक्रम में, केंद्रीय वित्त मंत्री आईएमएफ नीति प्राथमिकताओं और संस्थान को अपनी सदस्यता का समर्थन कैसे करना चाहिए विषय पर एक गोलमेज चर्चा में भाग लेंगी। केंद्रीय वित्त मंत्री जापान की जी7 अध्यक्षता द्वारा वर्ल्ड बैंक समूह के साथ सुदृढ़ और समावेशी आपूर्ति-श्रृंखला संवर्धन (आरआईएसई) के लिए साझेदारी पर एक चर्चा में भी भाग लेंगी।माराकेच में आईएमएफ-डब्ल्यूबी की वार्षिक बैठक के मौके पर श्रीमती सीतारमण जी7 अफ्रीका मंत्रिस्तरीय गोलमेज बैठक के दौरान व्यापक आर्थिक दृष्टिकोण पर चर्चा में भाग लेंगी। जर्मन संघीय आर्थिक सहयोग और विकास मंत्रालय तथा वैश्विक विकास केंद्र (सीजीडी) द्वारा सह-मेजबानी में आयोजित एमडीबी विकास के एक सत्र में श्रीमती सीतारमण मुख्य भाषण भी देंगी। अपनी यात्रा के दौरान, केंद्रीय वित्त मंत्री समावेश के साथ विकास को पुनर्जीवित करनाः सरकारों और बहुपक्षीय संस्थानों का समर्थन करने के लिए निजी पूंजी को प्रेरित करना विषय पर एक गोलमेज बैठक में भी भाग लेंगी।

इजरायल-हमास युद्ध का असर! आज फिर सोना हुआ महंगा, क्या है चांदी का हाल

नई दिल्ली , 10 अक्टूबर (एजेंसिया) भारत में रविवार से नवरात्रि की शुरुआत होने वाली है। इससे पहले सोने की कीमतों में पिछले दो दिन से तेजी देखी जा रही है। सोमवार से ही इजरायल और हमास के बीच शुरू हुए युद्ध का असर सीधे तौर पर सोने की कीमतों पर दिख रहा है। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन शुरुआती दौर में सोने के दाम में बढ़त दर्ज की जा रही है। मार्केट खुलने के साथ सोना 57,689 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर खुला था। इसके बाद इसकी कीमत में कुछ कमी देखी गई है और दोपहर 12 बजे तक कल के मुकाबले 4 रुपये यानी 0.01 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ यह 57,576 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बना हुआ है। कल वायदा बाजार में सोना 57,572 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था।

क्या है चांदी का हाल?

मंगलवार को वायदा बाजार में सोने में जहां मामूली बढ़त दर्ज की जा रही है, वहीं चांदी आज लाल निशान पर कारोबार कर रही है। शुरुआती दौर में चांदी 69,045 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर खुली थी। इसके बाद इसके दाम में और गिरावट देखी गई है और यह 12 बजे तक कल के मुकाबले 0.51 फीसदी यानी 354 रुपये सस्ता होकर 68,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बनी हुई है। कल की बात करें तो चांदी 69,094 रुपये पर बंद हुई थी।

10 अक्टूबर को प्रमुख शहरों में गोल्ड-सिल्वर के दाम-

दिल्ली- 24 कैरेट गोल्ड 58,680 रुपये, सिल्वर 72,600 रुपये प्रति किलोग्राम
चेन्नई- 24 कैरेट गोल्ड 58,690 रुपये, सिल्वर 75,500 रुपये प्रति किलोग्राम
कोलकाता- 24 कैरेट गोल्ड 58,680 रुपये, सिल्वर 72,600 रुपये प्रति किलोग्राम
मुंबई- 24 कैरेट गोल्ड 58,530 रुपये, सिल्वर 72,600 रुपये प्रति किलोग्राम
नोएडा- 24 कैरेट गोल्ड 58,680 रुपये, सिल्वर 72,600 रुपये प्रति किलोग्राम
गाजियाबाद- 24 कैरेट गोल्ड 58,680 रुपये, सिल्वर 72,600 रुपये प्रति किलोग्राम
लखनऊ- 24 कैरेट गोल्ड 58,680 रुपये, सिल्वर 72,600 रुपये प्रति किलोग्राम
पटना- 24 कैरेट गोल्ड 58,580 रुपये, सिल्वर 72,600 रुपये प्रति किलोग्राम
जयपुर- 24 कैरेट गोल्ड 58,680 रुपये, सिल्वर 72,600 रुपये प्रति किलोग्राम
गुरुग्राम- 24 कैरेट गोल्ड 58,680 रुपये, सिल्वर 72,600 रुपये प्रति किलोग्राम

इजरायल-हमास युद्ध से महंगा हुआ सोना

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत की बात करें तो मंगलवार को सोना एक हफ्ते के सबसे ऊपरी स्तर तक पहुंच गया है। सोना आज 0.2 फीसदी की बढ़त के साथ 1,864.39 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी भी आज 0.2 फीसदी की तेजी के साथ 21.94 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर बनी हुई है। शनिवार को इजरायल और हमास के युद्ध शुरू होने के बाद से सोमवार सोने की कीमत में 1.6 फीसदी की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ध्यान देने वाली बात ये है कि पिछले 5 महीनों में यह सबसे बड़ी उछाल है। एक्सपर्ट्स का यह मानना है कि मध्य पूर्व में शुरू हुए इस संघर्ष से विश्व भर में तेल की आपूर्ति प्रभावित हो सकती। निवेशक सुरक्षित निवेश के रूप में गोल्ड में निवेश कर सकते हैं और ज्यादा डिमांड का असर सोने-चांदी की कीमतों पर दिख सकता है।

किन्नौरी सेब सुर्ख लाल स्थानीय मंडी में ही 3,000 प्रति पेटी बिक रहा

नई दिल्ली , 10 अक्टूबर (एजेंसिया) सांगला (किन्नौर) देश-विदेश में स्वाद और गुणवत्ता के लिए मशहूर किन्नौर जिले का सेब अपनी एक अलग पहचान बनाए है। जिले के लोगों की आर्थिकी का मुख्य जरिया सेब है। जिले में इन दिनों सीजन जोरों पर है। इस वर्ष सेब के बेहतर दाम मिलने से बागवानों में खासी खुशी है। जिले से अब तक प्रदेश और देश की मंडियों में नौ लाख 55 हजार 398 पेटियां सेब भेजी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि जनजातीय जिला किन्नौर के कल्पा, पूह और निचार खंड में सेब सीजन चरम पर है। बागवानों को घरद्वार पर ही सेब की प्रति पेटी के 1700 से 3000 रुपये दाम मिल रहे हैं। सेब का गिफ्ट पैक 1200 रुपये तक बिक रहा है। इसके चलते बागवानों के चेहरे खिले हैं। कल्पा, निचार और पूह खंड से देश और प्रदेश की मंडियों में नौ लाख 55 हजार 398 सेब पेटियां भेजी जा चुकी है। जिले से 53 हजार 703 पेटियां चांगो से वाया मनाली होते हुए मंडियों में भेजी गईं। इस वर्ष जिले में करीब 24 लाख पेटियां उत्पादन का अनुमान रहा है, जबकि बीते वर्ष जिले में 41 लाख 66 हजार 200 पेटियां सेब उत्पाद हुआ था। इस वर्ष करीब 17 लाख पेटियां कम उत्पादन होगा। इसके लिए सीधे तौर पर मौसम की मार कारण बताया जा रहा है। मौसम में आई तबदीली और तापमान में हुए फेरबदल के कारण सेब की फसल बीते वर्षों के मुकाबले कम होगी। जिले में फ्लावरिंग के समय तापमान गिरने के कारण सेब की फसल प्रभावित हुई थी। हालांकि कम फसल होने के बावजूद जिले के बागवानों को सेब के बेहतर दाम मिल रहे हैं।

जमानत पर सुप्रीम कोर्ट का सीबीआई से सवाल

पूछा- हाईकोर्ट के फैसले का विरोध क्यों नहीं किया

नई दिल्ली , 10 अक्टूबर (एजेंसिया) उच्चतम न्यायालय ने आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक चंदा कोचर व उनके कारोबारी पति दीपक कोचर को ऋण धोखाधड़ी मामले में इस साल जनवरी में दी गई दो सप्ताह की अंतरिम जमानत की अवधि बार-बार बढ़ाए जाने पर आपत्ति नहीं जताने पर सीबीआई से मंगलवार को सवाल किया। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने सीबीआई की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से पूछा कि जांच एजेंसी ने बंबई उच्च न्यायालय की ओर से नौ जनवरी को दंपनी को दी गई अंतरिम जमानत की अवधि बार-बार बढ़ाए जाने का विरोध क्यों नहीं किया।पीठ ने कहा, "यह आदेश नौ जनवरी का है और अंतरिम जमानत केवल दो सप्ताह के लिए दी गई। आपने विरोध क्यों नहीं किया? आप इसे इतने लंबे समय तक इसे जारी रखने की अनुमति क्यों दे रहे हैं? हमारे अनुसार, यह याचिका निरर्थक हो गई है क्योंकि लागू आदेश केवल दो सप्ताह के लिए था। आपको वहां (उच्च न्यायालय) में आपत्ति दर्ज करानी चाहिए थी।न्यायमूर्ति त्रिवेदी ने राजू से उच्च न्यायालय में सुनवाई की अगली तारीख के बारे में पूछा। वकील ने न्यायाधीश को बताया कि अभी तक कोई नई तारीख घोषित नहीं की गई है। न्यायमूर्ति त्रिवेदी ने कहा, 'आपको उच्च न्यायालय का रुख करना चाहिए था।' इसके बाद राजू ने उनसे कहा कि वह बंबई में अपने समकक्ष से उच्च न्यायालय का रुख करने का अनुरोध करेंगे। पीठ ने उच्च न्यायालय के नौ जनवरी के आदेश को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर सुनवाई के लिए 16 अक्टूबर की तारीख तय की और राजू से कहा कि वह निर्देश प्राप्त करें कि क्या करने की जरूरत है। उच्च न्यायालय ने नौ जनवरी को ऋण धोखाधड़ी मामले में दंपति को "लापरवाह और यांत्रिक" तरीके से और स्पष्ट रूप से बिना सोचे-समझे गिरफ्तार करने के लिए सीबीआई को फटकार लगाई थी और उन्हें अंतरिम जमानत दे दी थी। सीबीआई ने वीडियोकॉन-आईसीआईसीआई बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में कोचर दंपति को 23 दिसंबर, 2022 को गिरफ्तार किया था। दंपती ने अपनी गिरफ्तारी को 'अवैध और मनमाना' करार देते हुए इसे उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। उन्होंने अंतरिम आदेश के माध्यम से जमानत पर जेल से रिहा होने की मांग की थी। उच्च न्यायालय ने कहा था कि कोचर दंपति की गिरफ्तारी कानून के प्रावधानों के अनुरूप नहीं है और वे अपनी याचिकाओं पर सुनवाई और अंतिम निस्तारण होने तक जमानत पर रिहा होने के हकदार हैं।

मंगलवार का दिन शेयर बाजार के लिए रहा बेहद शुभ

बैंकिंग और मिड कैप स्टॉक्स में खरीदारी के चलते शानदार तेजी के साथ हुआ बंद

नई दिल्ली , 10 अक्टूबर (एजेंसिया) इजरायल और हमास युद्ध के चलते सोमवार 9 अक्टूबर को तेज गिरावट झेलने के बाद मंगलवार 10 अक्टूबर को बाजार में रौनक वापस लौट आई। शानदार ग्लोबल संकेतों और निवेशकों की खरीदारी की बदौलत बाजार में भारी तेजी देखने को मिली। बैंकिंग और मिड कैप स्टॉक्स ने इस तेजी का नेतृत्व किया है। सेंसेक्स फिर से 66,000 के पार जाने में सफल रहा है। आज बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 567 अंकों के उछाल के साथ 66079 अंक तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 180 अंकों के उछाल के साथ 19,692 अंकों पर बंद हुआ है। आज के ट्रेड में बैंकिंग स्टॉक्स में जोरदारी खरीदारी के चलते निफ्टी बैंक और निफ्टी पीएसयू बैंक स्टॉक्स में शानदार तेजी देखने को मिली है। इसके अलावा आईटी, ऑटो, एफएमसीजी, मेटल्स, रियल एस्टेट, मीडिया, एनर्जी, ऑयल एंड गैस और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में शानदार खरीदारी देखने को मिली है। जबकि फार्मा और हेल्थकेयर स्टॉक्स में गिरावट देखने को मिली है। मिडकैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में खरीदारी के चलते दोनों शेयरों के इंडेक्स में तेज उछाल रही। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 27 शेयर तेजी के साथ 3 गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 45 शेयर तेजी के साथ 4 गिरकर बंद हुए।

निवेशकों की संपत्ति में तेज उछाल

आज के ट्रेड में बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों के मार्केट कैपिटलाइजेशन बड़ी रिकवरी देखने को मिली है। बीएसई स्टॉक का मार्केट कैप 319.75 लाख करोड़ रुपये रहा है जो पिछले सत्र में 316.05 लाख करोड़ रुपये रहा था। यानि आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 3.70 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है।

चढ़ने-गिरने वाले शेयर्स

आज के ट्रेड में भारती एयरटेल 2.90 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 2.15 फीसदी, टाटा मोटर्स 2.14 फीसदी, एक्सिस बैंक 1.49 फीसदी इंफोसिस 1.38 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि टीसीएस 0.22 फीसदी, टाइटन 0.09 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.05 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

अदाणी को पछाड़कर फिर टॉप पर पहुंचे मुकेश अंबानी

टॉप 10 में बिड़ला-बजाज की वापसी

नई दिल्ली , 10 अक्टूबर (एजेंसिया) हुरुन इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में भारत के सबसे धनी व्यक्तियों की सूची में कई बदलाव आए हैं। '360 वन वेल्थ हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2023' के अनुसार देश में धन वितरण से जुड़े कई नए रुझानों का पता चलता है। इस सूची में 278 नए लोगों को शामिल किया गया है, जिनकी कुल संपत्ति 7,28,200 करोड़ रुपये है। लिस्ट में औद्योगिक उत्पादों से जुड़े 33 लोगों जबकि धातु और खनन क्षेत्र से जुड़े 29 लोगों को पहली बार जगह मिली है। इस अवधि में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति रखने वाले व्यक्तियों की संख्या में 219 लोगों यानी 76% की वृद्धि दर्ज की गई। इससे इस तरह की संपत्ति वाले व्यक्तियों की कुल संख्या 1,319 हो गई।

मुकेश अम्बानी सूची में सबसे ऊपर

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और एमडी मुकेश अंबानी 8,08,700 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति के साथ अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी को पीछे छोड़ते हुए इस साल की सूची में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। इसके अलावे, कुमार मंगलम बिड़ला और नीरज बजाज की भारत के टॉप 10 अमीरों की लिस्ट में वापसी हो गई है। उन्होंने विनोद अदाणी और उदय कोटक को पछाड़कर सूची में वापसी की है।

90 के दशक में पैदा हुए 12 भारतीय सूची में शामिल

सेल्फ मेड उद्यमियों की संख्या इस बार की सूची की प्रमुख खासियत रही। राधा वेम्बू ने फाल्गुनी नायर को पीछे छोड़ते हुए सबसे अमीर भारतीय महिला की सूची में अपना स्थान बनाया है। इसके अलावा 90 के दशक में पैदा हुए 12 भारतीयों का इस सूची में नाम शामिल किया गया। सूची में बंगलूरू के रहने वाले किराना डिलिवरी एप जेप्टो के सह-संस्थापक केवल्य वोहरा का नाम सबसे युवा उद्यमी के रूप में शामिल है। उनकी उम्र महज 20 साल है।

फार्मास्युटिकल क्षेत्र ने मजबूत प्रदर्शन का प्रदर्शन किया

सूची के अनुसार फार्मास्युटिकल क्षेत्र ने मजबूत प्रदर्शन का प्रदर्शन किया। इस क्षेत्र से सबसे अधिक 39 अरबपतियों का नाम सूची में शामिल किया गया। इसके बाद रसायन और पेट्रोकेमिकल्स क्षेत्र से 23 और ऑटोमोबाइल और ऑटो घटक उद्योग से 22 लोगों का नाम सूची में शामिल किया किया।

सेल्फ मेड उद्यमियों की संख्या में वृद्धि

रिपोर्ट में सेल्फ मेड उद्यमियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि पर भी प्रकाश डाला गया है, सूची में रिकॉर्ड तोड़ 871 सेल्फ मेड उद्यामी शामिल किए गए हैं, जो सूची का 66% है।

अरबपतियों की सूची में मुंबई सबसे आगे, तिरुप्पुर पहली बार हुआ शामिल

सूची में शामिल प्रमुख भारतीय शहरों में मुंबई 328 नामों के साथ सबसे आगे है, इसके बाद नई दिल्ली (199) और बेंगलुरु (100) का नाम है। पहली बार, तिरुप्पुर ने सूची के शीर्ष 20 शहरों में अपना स्थान पक्का किया है। दिलचस्प बात यह इस बार की लिस्ट में उद्यमियों की राशियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मीन राशि के लोग धन संचय में अग्रणी रहे हैं। इसके बाद वृषभ और तुला राशि का नंबर है। रिपोर्ट में सबसे अधिक कन्या राशि के लोगों को जो कि सूची का 9.6% है शामिल किया गया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या में	सिंह...	04-34 बजे
चंद्र-	सिंह में	कन्या..	06-39 बजे
मंगल	तुला में	तुला...	08-50 बजे
बुध-	कन्या में	वृश्चिक.	11-03 बजे
गुरु-	मेष में	धनु.....	13-10 बजे
शुक्र-	सिंह में	मकर..	15-00 बजे
शनि-	कुंभ में	कुंभ...	16-38 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	18-14 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	19-59 बजे
		वृष--	21-59 बजे
		मिथुन..	00-12 बजे
		कर्क...	02-23 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- **06-11**
भोग्य कलि वर्ष-**426876** सूर्य अस्त- **17-54**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी - **17 -37-** तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - आश्विन कृष्ण पक्ष , बुधवार **11 October**
नक्षत्र - मघा - **08- 44 -** तक पूर्वाफाल्गुनी
योग - शुभ - **08 - 41 -** तक उपरान्त शुक्ल
करण- तैतिल - **17 -37 -** तक उप- गर
विशेष:- द्वादशी श्राद्ध,बारस का श्राद्ध
व्रत -त्योहार -सन्यासीनां श्राद्ध,कल तेरस का श्राद्ध

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 12:03 से 13:31 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	06:11 - 07:38 शुभ	उत्पात	17:54 - 19:28 अशुभ
अमृत	07:38 - 09:06 शुभ	शुभ	19:28 - 20:59 शुभ
काल.	09:06 - 10:34 अशुभ	अमृत	20:59 - 22:31 शुभ
शुभ.	10:34 - 12:03 शुभ	चंचल	22:31 - 00:03 शुभ
रोग	12:03 - 13:31 अशुभ	रोग	00:03 - 01:35 अशुभ
उत्पात	13:31 - 14:59 अशुभ	काल.	01:35 - 03:06 अशुभ
चंचल	14:59 - 16:28 शुभ	लाभ	03:06 - 04:38 शुभ
लाभ	16:28 - 17:54 शुभ	उत्पात	04:38 - 06:11 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज दिनभर आपका मूड बदलता रहेगा लेकिन आपका भाग्य आपके साथ है ,इसका एक नुक्सान यह है कि आप भाग्य के भरोसे पर अधिक रह सकते हैं । इस बात का ध्यान रखें कि इसके कारण परियोजनाओं की तैयारी में कोई कमी ना रहे । वित्तीय फायदे तो होंगे किन्तु अनावश्यक खर्च ना करें । वित्तीय लाभ का यह सिलसिला अधिक समय तक नही चलेगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप आज किसी मनोरंजक व्यक्ति के साथ सम्बन्ध स्थापित करेंगे । उसके साथ मजेदार बातचीत से समय अच्छा गुजरेगा । इस आदमी से सीखने और प्रेरणा लेने की कोशिश करें । इससे आपको और लोगों की मन स्थिति समझने में भी मदद मिलेगी । परिवार की यात्रा में अगर अपनी मनपसंद जगह जाना है तो योजना बनाने के समय सबसे आगे रहें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,

आज ग्रहों की दशा आपको शांत तरीके से अपने बारे में सोचने का मौका देगी आपने पिछले समय में कई मौकों पर काफी कठोर ढंग से अपनी प्रतिक्रिया दी है लेकिन अब आप मानसिक रूप से काफी शांत स्थिति में हैं सुलह करने और सम्बन्ध सुधरने के लिए बहुत अच्छा समय हैखुशी पाने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि खुद को भी और दूसरों को भी एक दूसरा मौका जरुर दें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आपको अपनी आरामदायक स्थिति से बाहर आकर कुछ गंभीर प्रयास करने हैं सावधान रहें कि बिलकुल परम्पराओं के अनुसार चलने से आपको कुछ हासिल नही होगागंभीर होकर प्रयास करने से ही आपको बहाव के साथ बहते रहने के स्थान पर जीवन जीने की सही भावना आएगी यह इस समय आपको मुश्किल जरुर लगेगा ,लेकिन अगर एक बार आप यह कर गये तो आपका जीवन ही बदल जाएगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है । आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम् जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे । आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आपको आज बहुत सारी गलत जानकारी प्राप्त होंगी। इसीलिए औरों की सुनने और मानने की बजाय अपने आप सोच समझकर फैसले लेना अधिक उपयुक्त रहेगा । अपने तरीके और अपने नजरिये के आधार पर देखेंगे तो बिलकुल ठीक फैसला ले पायेंगे । आपकी बहु प्रतीक्षित छुट्टी जल्द ही मिलने वाली है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

समय कुछ बहादुरी भरे कदम उठाने का है,इसमें हिचकिये मत । इसके स्थान पर ,मजबूत फैसला लीजिये । अवसरों को जाने मत दीजिये । इस समय विश्वास पूर्वक लिया गया एक फैसला नाटकीय तरीके से आपकी जिंदगी को बदल सकता है,शायद आपको अभी ये प्रतीत न हो । पुराने संबंधों के बारे में फिर से सोचने और अर्थहीन संबंधों को तोड़ देना ही सही रहेगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आपके सब कामों और विचारों में एकाग्रता और शांति रहेगी । आप किसी विवाद से प्रभावित नही होंगे ,दरअसल कार्यस्थल पर भी ऐसी स्थिति बन सकती है कि आपको शान्तिदूत बनना पड़े । घर के सुधार का कोई कार्यक्रम बना सकते हैं या अपने घर की समस्याओं को सुलझाने या संबंधों को बेहतर बनाने के लिए काम कर सकते हैं ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज आप ऊर्जा से भरपूर हैं और काफी मेहनत करने के लिए तैयार भी हैं । आपकी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह ओरों को भी प्रभावित करेगा ,आपकी टीम को आपसे बेहतर काम करने के लिए प्रेरणा मिलेगी । घर पर भी आज आप सामान्य से अधिक जिम्मेदारियां उठाएंगे । इससे आपके करीबियों को ख़ुशी होगी । आपको बस यह देखना है की यही स्थिति लगातार बनी रहे और आपको भी कोई परेशानी न हो ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आप किसी बड़े सम्मेलन या सेमिनार की मेजबानी कर सकते हैं लेकिन आपके मनचाहे समय पर स्थान की उपलब्धता के कारण हुई हल्की सी ग़लतफ़हमी से आपको शर्मिंदगी महसूस होगी और आपको कार्यक्रम रद्द करना पड़ सकता है । आपको ऐसे समय में शांति बनाये रखनी होगी और सकारात्मक कोशिशें करते रहनी होंगी ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है । आप आज शांत किन्तु दृढ हैं । आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं । कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगें । सिं पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है । घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे । बौद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की ओर से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

एकरसता आपको अच्छी न लगती । इससे आप बोर अनुभव करते हैं । आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे । अपनी दिनचर्या बदलें । इसमें फिटनेस को जगह दें । किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं । आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें । ऑफिस में नयी पहचान बनेगी । कुल मिलकर दिन हल्का-फुल्का गुजरेगा । काम कम रहेगा ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

हमास का हेड मोहम्मद डेफ हाथ, पैर और आंख से अधूरा है!

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एक्स्क्लूसिव डेस्क)। फिलिस्तीनी उग्रवादी संगठन हमास ने शनिवार (7 अक्टूबर) को इजरायल पर अचानक हमला कर दिया। उसके बाद से ही इजरायल और हमास के बीच युद्ध जारी है। मंगलवार तक दोनों तरफ से मरने वालों की संख्या ढाई हजार से अधिक हो गई है। दोनों तरफ से घायल होने वाले लोगों की संख्या भी हजारों में है।

हमास और इस्लामिक जिहाद नाम के एक छोटे ग्रुप ने इजरायल के भीतर से 130 से अधिक लोगों को बंदी बना लिया है। बंदियों का इस्तेमाल इजरायल द्वारा कैद किए गए हजारों फिलिस्तीनियों की रिहाई के लिए किया जाना है। बंदियों को गाजा में रखे जाने की खबर है।

एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, हमास के मिलिटेंट विंग के लीडर मोहम्मद डेफ ने हमले की वजह बताई है। डेफ ने कहा है, 'ऑपरेशन अल-अक्सा स्टॉर्म' गाजा की 16 साल की नाकाबंदी, इजरायली कब्जे और हाल की घटनाओं की पूरी श्रृंखला के जवाब में था। इजरायल-फिलिस्तीनी तनाव चरम पर है। हालांकि जिस नेता ने यह बयान जारी किया उसके बारे में बहुत जाना जाता है।

कौन है मोहम्मद डेफ?

डेफ 2002 से हमास के मिलिटेंट विंग का प्रमुख है। एक हालिया प्रोफाइल के अनुसार, उसका जन्म 1960 के दशक के दौरान गाजा में खान यूनिस शरणार्थी शिविर में हुआ था। शुरुआत में उसे मोहम्मद दियाब इब्राहिम अल-मसरी के रूप में जाना जाता था। उस समय गाजा, मिस्र के नियंत्रण में था (1948 से 1967 तक)। 1967 से 2005 के बीच यह इजरायली शासन के अधीन था और फिर 2005 से 2007 तक यह फिलिस्तीनी प्राधिकरण के अधीन आ गया। 2007 में हमास ने तख्तापलट कर नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया था। डेफ ने गाजा के इस्लामिक विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि डेफ के चाचा और पिता ने 1950 के दशक में सशस्त्र फिलिस्तीनियों द्वारा उसी क्षेत्र में की गई छापेमारी में हिस्सा लिया था, जहां हमास के लड़ाकों ने शनिवार को इजरायल में घुसपैठ की थी।

हमास की स्थापना 1980 के दशक के अंत में, वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी पर इजरायल के कब्जे के खिलाफ पहले फिलिस्तीनी इंतिफादा (बगावत) की शुरुआत के बाद हुई थी। दोनों क्षेत्रों पर इजरायली कब्जा 1967 के इज़रायली-अरब युद्ध के दौरान हुआ। पहले इंतिफादा के समय डेफ की उम्र 20 साल के आसपास थी। बाद में डेफ को सुसाइड बॉम्बिंग का जिम्मेदार मानते हुए, इज़रायलियों ने जेल भेजा दिया। इजरायल के मुताबिक, उस हमले में कई दर्जन लोगों की मौत हो गई थी। 1996 की हिंसा के लिए भी डेफ को जिम्मेदार माना गया, जिसमें 50 से अधिक लोगों की जान गई थी।

ये बम विस्फोट ओस्लो शांति समझौते के खिलाफ थे, जिस पर 1990 के दशक की शुरुआत में इजरायल और अधिकांश फिलिस्तीनियों का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था फिलिस्तीन

मोहम्मद डेफ

लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन ने हस्ताक्षर किया था। यानी ओस्लो शांति समझौता इजरायल की सरकार और फिलिस्तीन लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन के बीच हुआ था। हमास इस समझौते के खिलाफ था। उसका कहना था कि 1948 के अरब-इजरायल युद्ध में इजरायल ने फ़िलिस्तीनी क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया था। अब अगर यह समझौता लागू होता है तो फिलिस्तीन के हाथ से और अधिक जमीन चली जाएगी। बताया गया है कि "डेफ ने याह्या अय्याश से तालीम हासिल की थी। बम बनाने में माहिर याह्या अय्याश अपने नाम के साथ "इंजीनियर" लगाता था।

1996 में इजरायल ने विस्फोटक से भरे मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर याह्या अय्याश की हत्या कर दी थी।" डेफ आगे चलकर हमास की सैन्य शाखा क़सम ब्रिगेड में शामिल हो गया।

एक हाथ, एक पैर और एक आंख नहीं है!

बीबीसी के अनुसार, डेफ ने हमास के मिलिटेंट विंग के गाजा कमांडर का पद भले ही जुलाई 2002 में संभाला हो, लेकिन वह वर्षों से इजरायल की मोस्ट वांटेड लिस्ट में टॉप पर था। इजरायली सेना ने डेफ को मारने की कई बार कोशिश की। लेकिन वो हर बार बच गया। जिस वर्ष डेफ ने सत्ता संभाली, एक इजरायली हेलीकॉप्टर ने गाजा सिटी के पास एक कार पर मिसाइलें दागीं, जिसमें हमास के दो सदस्य मारे गए। हमले में 15 बच्चों सहित कम से कम 40 अन्य लोग घायल हो गए थे।

अमेरिकी विदेश विभाग ने डेफ को आतंकवादी घोषित कर दिया है। विभाग का मानना है, "इजरायल और हमास के बीच 2014 के संघर्ष के दौरान, डेफ हमास की आक्रामक रणनीति का मास्टरमाइंड था।" 2014 में इज़राइल ने पुष्टि की कि उसने डेफ को मारने के लिए एक घर को टार्गेट कर हमला किया था। इस हमले में डेफ पत्नी और सात महीने का बेटा मारा गया था।

उस समय, न्यूयॉर्क टाइम्स ने सुरक्षा मामलों में विशेषज्ञता रखने वाले एक इजरायली पत्रकार रोनेन बर्गमैन के हवाले से लिखा था, "डेफ हमास में एकमात्र प्रमुख सैन्य व्यक्ति है जो इतने लंबे समय तक जीवित है। तथ्य यह है कि वह हत्या के कई प्रयासों से बचने और गंभीर चोटों से उबरने में सक्षम रहे हैं। इससे उनके लिए किंवदंती चली पड़ी की वह बुलेटप्रूफ हैं। कई जानलेवा हमलों से बचने के बावजूद डेफ ने एक हाथ और एक पैर खो दिया और व्हीलचेयर पर आ गया। वहीं अन्य संगठनों ने दावा किया है कि उसने एक आंख भी खो दी है।

फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट में इजरायली अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि डेफ ने ऐसे टार्गेट की तलाश की जिससे ज्यादा असर पड़े, जैसे कि कब्जे वाले क्षेत्रों में बसने वाले लोग और सैनिक, यरूशलेम और तेल अवीव में बसे लोग।

भाजपा को मौजूदा विधायकों पर भरोसा

हार चुके अमर अग्रवाल पर भी लगाया दांव

बिलासपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनावी शंखनाद होते ही हाईप्रोफाइल बिलासपुर जिले में भी राजनीतिक गर्माहट अब तेज हो गई है। मुख्य विपक्षी दल बीजेपी ने बेलतरा छोड़ अविभाजित बिलासपुर की सभी आठ सीटों पर अपने प्रत्याशी मैदान में उतार दिये हैं। बेलतरा सीट में अभी भी कांटा फंसा हुआ नजर आ रहा है। मजे की बात सबसे हाईप्रोफाइल सीट बिलासपुर में हारे हुए बीजेपी के प्रत्याशी पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल पर पार्टी ने एक बार फिर दांव खेला है। लेकिन पुख्ता सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक बेलतरा से भाजपा के सिटिंग एमएलए रजनीश सिंह पर पार्टी में गतिरोध है लिहाजा बेलतरा में बीजेपी का मामला फंसा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक बेलतरा में नवोदित बीजेपी नेता प्रवीण झा की उम्मीदवारी भी तगड़ी मानी जा रही है और युवा बीजेपी नेता सुशांत सिंह भी एक अच्छे दावेदार माने जा रहे हैं। आपको बता दें कि बीजेपी के दूसरी सूची में बिलासपुर जिले से बिलासपुर कोटा, बिल्हा, मस्तूरी, तखतपुर से प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया गया है, वहीं सीमावर्ती जिला मुंगेली से मुंगेली और लोरमी दोनों सीटों पर बीजेपी ने अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं। लोरमी सीट से इस बार बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव को मौका दिया गया है। आपको बता दें कि अविभाजित बिलासपुर जिले से सभी मौजूदा बीजेपी विधायकों पर बीजेपी ने भरोसा जताया है। मुंगेली से पुन्नूलाल मोहिले,मस्तूरी से डॉक्टर कृष्णमूर्ति बांधी, बिल्हा से धरमलाल कौशिक, इन सभी विधायकों पर बीजेपी ने फिर से दांव खेला है, लेकिन बेलतरा में मामला अभी भी फंसा हुआ है। दूसरी ओर कांग्रेस प्रत्याशियों का ऐलान भी जल्द सम्भव है। सम्भवतः पितृपक्ष के बाद कांग्रेस अपने सभी सीटों पर एक साथ पत्ता खोलेगी।

कांग्रेस की कल्याणकारी योजनाओं पर भारी पड़ेंगे बीजेपी के वादे?

चार बातें सत्ताधारी दल के लिए बन सकती है चुनौती

रायपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में चुनावी बिगुल बज गया है। दोनों ही दल अब एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में हैं। कांग्रेस ने कल्याणकारी योजनाओं के जरिए फिर से सत्ता में वापसी की तैयारी कर रही है। वहीं, बीजेपी भ्रष्टाचार और इंफ्रास्ट्रक्चर के वादे के साथ कांग्रेस को चोट कर रही है। छत्तीसगढ़ में 90 सीटों पर दो चरण में वोटिंग होगी। 7 और 17 सितंबर को छत्तीसगढ़ में वोटिंग है। वहीं, वोटों की गिनती 3 दिसंबर को की जाएगी। तारीखों की घोषणा के साथ ही यह सवाल है कि क्या कांग्रेस 2018 की जीत को दोहरा पाएगी। या बीजेपी केंद्रीय नेतृत्व के दृढ़ अभियान के दम पर खोए हुए आधार को फिर से हासिल कर पाएगी। छत्तीसगढ़ की राजनीति में हमेशा द्विध्रुवीय रही है लेकिन इस विधानसभा चुनावों से पहले एक ताकत उभरी है, जो समीकरणों को बिगाड़ सकती है।

छत्तीसगढ़ में बीजेपी के लिए हिंदुत्व एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है लेकिन बीजेपी की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह इस बार ग्रामीण मतदाताओं को कितनी अच्छी तरह से समझाती है। साथ ही चुनावी पीच में

बुनियादी ढांचे का विकास शामिल है जो इसने अपने 15 वर्षों के कार्यकाल के दौरान किया है। साथ ही कांग्रेस कथित भ्रष्टाचार को भी मुद्दे में शामिल किया है। बीजेपी ने छत्तीसगढ़ में अभी तक मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित नहीं किया है। वहीं, कांग्रेस छत्तीसगढ़ में सॉफ्ट हिंदुत्व की राह पर चल रही है। छत्तीसगढ़ के गौरव का आह्वान, बड़े पैमाने पर सामाजिक क्षेत्र में बदलाव के साथ, कांग्रेस को उम्मीद है कि वह फिर से वोटरों को अपने पक्ष में करने में सफल होगी। सीएम भूपेश बघेल ओबीसी चेहरा हैं, इससे पार्टी को फायदा हो सकता है। लेकिन इनके विधायकों के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर है।

धान का समर्थन मूल्य: वहीं, छत्तीसगढ़ चुनाव में धान का समर्थन मूल्य एक बड़ा मुद्दा है। धान किसान अपनी उपज के लिए लगातार उचित मूल्य की मांग करते रहे हैं, जिसे दोनों दलों ने समय-समय पर हैंडल किया है। 2018 में कांग्रेस ने धान के लिए प्रति क्विंटल 2500 रुपए एमएसपी का वादा किया था। साथ ही कृषि इनपुट सब्सिटी के रूप में अंतर का भुगतान करने का वादा किया था।

बुनियादी ढांचा: छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार मुख्य रूप से किसानों के कल्याण और अन्य सामाजिक क्षेत्र के खर्च पर ध्यान केंद्रित कर रही है। पिछले पांच वर्षों में बुनियादी ढांचे का विकास एक चुनौती रहा है। कम से कम शहरी क्षेत्रों में सड़कों और अन्य बुनियादी ढांचे का विकास एक मुद्दा बन सकता है।

जल-जंगलजमीन: छत्तीसगढ़ के दक्षिणी बस्तर और सरगुजा के उत्तरी क्षेत्र, दोनों जगह की जनजातीय क्षेत्रों पर लगातार फोकस किया जा रहा है। सरगुजा में कोयला खनन और पर्यावरण संबंधी चिंताएं विवादास्पद मुद्दे हैं। आदिवासियों का एक नवगठित राजनीतिक संगठन इन मुद्दों पर अपना चुनावी भाग्य आजमा रहा है।

भ्रष्टाचार: इसके साथ ही प्रदेश में भ्रष्टाचार भी एक बड़ा मुद्दा है। राज्य लोक सेवा आयोग के चयन में कथित भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार को लेकर विवाद उच्च न्यायालय तक पहुंच गया है।

यह प्रधानमंत्री नरेंद्र और अमित शाह के प्रचार भाषणों का हिस्सा है। इसके अलावा, शराब घोटाले और कोयला वसूली घोटाले के आरोप हैं।

सीएम ने 24.52 लाख किसानों के बैंक खातों में ट्रांसफर किए 1895 करोड़ रुपये

रायपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार ने हाल ही में 'राजीव गांधी किसान न्याय योजना' के तहत 24.52 लाख किसानों के बैंक खातों में कुल 1,895 करोड़ रुपये ट्रांसफर किया है। यह इस योजना के तहत जारी हुई तीसरी किश्त है। सीएम ने 28 सितंबर को बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सुमाभाटा गांव में आयोजित 'कृषक-सह-श्रमिक सम्मेलन' में शामिल होकर किसानों के लिए राशि जारी की थी। 'राजीव गांधी किसान न्याय योजना' की शुरुआत छत्तीसगढ़ सरकार ने किसानों को फसल उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने और कृषि रकबे को बढ़ाने के लिए किया था। सरकार ने इस योजना के तहत 5750 करोड़ रुपए की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में ट्रांसफर करने का लक्ष्य रखा है। राज्य की कांग्रेस सरकार ने योजना की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर 21 मई 2020 को की थी।

राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत किसानों को चार किश्तों में 5750 करोड़ रुपए ट्रांसफर करने की योजना है। 21 मई को ही किसानों के खातों में ट्रांसफर कर दिया गया था।

विधानसभा के नए भवन में विराजेंगी मां दुर्गा!

झारखंड में यहां बन रहा यूनिक पूजा पंडाल

बोकारो, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुर्गा पूजा को लेकर बोकारो सहित पूरे झारखंड तैयारी तेज हो गई है। पूजा समिति की ओर से पंडाल और मूर्ति तैयार करने की कवायत जोर पकड़ ली है। स्टील सिटी में कई जगहों आकर्षक पंडाल बनाए जाते हैं। इसी कड़ी में सेक्टर 12 ए में झारखंड के नए विधानसभा भवन के प्रारूप में पूजा पंडाल तैयार कराया जा रहा है। जिसमें मां दुर्गा विराजमान होंगी।

सेक्टर 12 ए के सर्व धर्म समन्वय समिति के महासचिव सिया राम शर्मा ने लोकल 18 से कहा कि यहां बीते 31 वर्षों से मां दुर्गा की विधिवत पूजा अर्चना की जा रही है। प्रत्येक साल यूनिक थीम पर पंडाल का निर्माण कराया जाता है। जिसे लोग काफी पसंद करते हैं। इस बार झारखंड के नए विधानसभा भवन की तर्ज पर पंडाल बनवाने का फैसला लिया गया। इसके निर्माण में बोकारो के ही मृदा गांव के कारीगरों की टीम पिछले 20 दिनों से जुटी है।

6.50 लाख रुपए की लागत से हो रहा है तैयार

यह पंडाल 70 फीट ऊंचा व

बनारस के गंगा घाट की थीम पर मां दुर्गा नोका पर सवार दिखेंगी। पंडाल के बाहर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा लगाई जा रही है

95 फीट चौड़ा हुआ। जिसकी लागत 6.50 लाख रुपये आ रही है। पंडाल के अंदर विशेष सजावट दिखने वाली है। बनारस के गंगा घाट की थीम पर मां दुर्गा नोका पर सवार दिखेंगी। पंडाल के बाहर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा लगाई जा रही है। पंडाल निर्माण के लिए आए कारीगर डोमन महतो ने कहा कि 10 कारीगरो की टीम पिछले 20 दिनों से काम कर रही है। विधानसभा भवन को हुबहू उतारने की कोशिश की जा रही है। उनकी टीम इससे पहले केदारनाथ मंदिर की तर्ज का भी पंडाल का निर्माण कर चुकी है।

वहीं सिया राम जी के अनुसार इस बार पूजा 15 से 28 अक्टूबर तक आयोजित की जाएगी। वहीं 18 अक्टूबर को जागरण और भक्ति संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बाहर से आए कलाकार अपने विशेष प्रस्तुति देंगे।

अगले साल चुनावों में भाजपा पर नहीं पड़ेगा कोई असर

जातिगत जनगणना कराने की मांग पर बाबूलाल मरांडी

जमशेदपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड भाजपा प्रमुख बाबूलाल मरांडी ने विपक्षी दलों द्वारा देशव्यापी जातिगत जनगणना की मांग को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष की मांग का अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव और राज्य विधानसभा चुनावों में भगवा पार्टी पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

झारखंड में भाजपा के 2019 की तुलना में लोकसभा और विधानसभा चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करने की बात पर जोर देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवा पार्टी राज्य में सत्ता में आने पर भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देगी। इसके अलावा, कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार करने के साथ-साथ राष्ट्रीय नागरिक पंजीकरण (एनआरसी) लागू

करेगी और सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करेगी।

मरांडी संकल्प यात्रा में भाग लेने के लिए जमशेदपुर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, 'हमारे पास पूरे देश में जाति आधारित आरक्षण है। इसके अलावा, राजनीतिक दल एक विशेष जाति के उम्मीदवार को नामित करने की नीति का पालन करते हैं, जो पार्टी-व्यापी सर्वेक्षणों के अनुसार एक निर्वाचन क्षेत्र में बहुमत में है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि देशव्यापी जातिगत जनगणना की विपक्ष की मांग का लोकसभा और झारखंड विधानसभा चुनावों में भाजपा की चुनावी संभावनाओं पर कोई असर पड़ेगा।'

उन्होंने कहा कि भाजपा के 27 प्रतिशत से अधिक सांसद, विधायक और मंत्री एसटी, एससी और ओबीसी समुदायों से हैं, जबकि केंद्रीय मंत्रिमंडल में आठ मंत्री इन श्रेणियों से हैं sऔर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद ओबीसी श्रेणी से आते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जातिगत जनगणना की मांग पूरी तरह से कुछ राजनीतिक दलों के परिवारों को लाभ पहुंचाने के लिए की गई है। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के बारे में उन्होंने कहा कि भाजपा अच्छा प्रदर्शन करेगी क्योंकि लोगों ने राज्य में झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार से छुटकारा पाने का मन बना लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सोरेन सरकार दुष्कर्म और हत्या की घटनाओं को रोकने में असफल हुई है। राज्य के संथाल परगना क्षेत्र में कथित अवैध घुसपैठ पर उन्होंने कहा, 'सत्ता में आने पर हम सबसे पहले संथाल परगना में एनआरसी लागू करेंगे, जहां जनसांख्यिकी तेजी से बदल रही है। हम पता लगाएंगे कि ये घुसपैठिए कहां से आते हैं, उनकी पहचान करेंगे।

छत्तीसगढ़ में बीजेपी का बड़ा दांव

बिरनपुर हिंसा में मृतक के पिता को बनाया उम्मीदवार कांग्रेस के इस दिग्गज से हो सकता है मुकाबला

रायपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी की। राज्य में आचार संहिता लगने के करीब 4 घंटे बाद बीजेपी ने अपने 64 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी। इस लिस्ट में सबसे ज्यादा चौंकाने वाला नाम साजा विधानसभा सीट से हैं। बीजेपी ने साजा विधानसभा से ईश्वर साहू को उम्मीदवार बनाया है। ईश्वर साहू बिरनपुर हिंसा के पीड़ित हैं। बेमेतरा जिले के बिरनपुर गांव में छत्तीसगढ़ में इसी साल हिंसा हुई थी। इस हिंसा के में मारे गए युवक भुवनेश्वर साहू के पिता को बीजेपी ने टिकट देकर बड़ा दांव खेला है।

केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में भुनेश्वर के पिता ईश्वर साहू को टिकट देने की रणनीति बनी थी। टिकट मिलने के बाद ईश्वर साहू ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा मेरे हर दुख दर्द में बीजेपी मेरे साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रही। मेरे बेटे को न्याय मिले इसलिए मुझे बीजेपी ने साजा से टिकट दिया है। बता दें कि 6 अप्रैल, 2023 में बेमेतरा जिले के बिरनपुर गांव में दो गुटों की झड़प के बाद भुनेश्वर साहू की हत्या कर दी गई थी। जिसके बाद गांव में हिंसा भड़क गई थी। गांव में कुछ घरों में आगजनी की गई थी। इसके बाद प्रशासन ने इस गांव में धारा 144 लागू कर दी थी। कई दिनों तक गांव हिंसा की चपेट में रहा। अब बीजेपी ने ईश्वर साहू को उम्मीदवार बनाकर सियासी गतिविधियां बढ़ा दी हैं।

मंत्री को देंगे चुनौती?

वर्तमान में साजा विधानसभा सीट से कांग्रेस के सीनियर लीडर रवीन्द्र चौबे विधायक हैं। चौबे, भूपेश बघेल कैबिनेट में मंत्री भी हैं। इस बार भी टिकट के दावेदारों के प्रबल दावेदार हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि ईश्वर साहू का मुकाबला मंत्री रवीन्द्र चौबे के साथ हो सकता है। छत्तीसगढ़ में दो चरणों में विधानसभा के चुनाव होने हैं। पहले चरण के लिए 7 नवंबर को वोटिंग होगी वहीं, दूसरे फेज के लिए 17 सितंबर को वोटिंग होनी है। चुनाव का रिजल्ट 3 दिसंबर को जारी किया जाएगा।

गरियाबंद के कलेक्टर ने की पीसी

चुनाव के चलते धारा 144 समेत जारी किए कई दिशा-निर्देश

गरियाबंद, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग ने छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की तिथि की घोषणा कर दी है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आकाश छिकारा ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिले में निर्वाचन की तैयारी के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करने के साथ ही पूरे छत्तीसगढ़ सहित गरियाबंद जिले में भी आदर्श आचरण संहिता लागू हो गई है। विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु आयोग के अनुसार, गरियाबंद जिले में द्वितीय चरण में मतदान 17 नवंबर 2023 को एवं मतगणना 3 दिसंबर 2023 को किया जाना है। 30 अक्टूबर 2023 को नाम निर्देशन की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है।

बीजेपी की दूसरी लिस्ट, भाजपा ने दो पूर्व आईएएस को दिया मौका

रायपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा ने छत्तीसगढ़ चुनाव के लिए अब तक 85 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर चुकी है। इसमें दो पूर्व आईएएस अफसर को चुनावी रण में उतारा है। भाजपा ने पूर्व आईएएस ओपी चौधरी को दूसरी बार मौका देते हुए रायगढ़ से प्रत्याशी बनाया है। वहीं पूर्व आईएएस नीलकंठ टेकाम को केशकाल से सियासी मैदान में उतारा है। ऐसा माना जाता है कि ओपी चौधरी केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के करीबी हैं। वहीं टेकाम केशकाल से नए चहरे के रूप में सामने आए हैं। इससे कांग्रेस को केशकाल सीट से झटका भी लग सकता है। फिलहाल, रिजल्ट आने के बाद ही तय होगा कि केशकाल सीट पर किसका परचम लहराएगा।

पूर्व आईएएस ओपी चौधरी रायगढ़ जिले के खरसिया के रहने वाले हैं। चौधरी 22 साल की उम्र में आईएएस बने थे। वो पहले ही प्रयास में सिविल सेवा एग्जाम पास कर लिए थे। वे रायपुर के कलेक्टर भी रह चुके हैं। इसके बाद उन्होंने आईएएस की नौकरी छोड़कर बीजेपी का दामन थाम लिया। बीजेपी ने विधानसभा चुनाव 2018 में उन्हें खरसिया सीट से टिकट दी थी, लेकिन उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा। इस बार भाजपा ने ओपी चौधरी पर भरोसा जताते हुए एक बार फिर मौका दिया है। उन्हें रायगढ़ विधानसभा से सियासी रण में उतारा गया है। अब देखना ये होगा कि क्या चौधरी बीजेपी के भरोसे पर खरा उतर पाते है या नहीं। सियासी गलियारों में इस बात की भी चर्चा थी कि चौधरी को चंद्रपुर से टिकट दिया जाएगा। 3 दिसंबर को नतीजा सामने आएगा कि रायगढ़ किसका होगा।

केशकाल से पूर्व आईएएस नीलकंठ टेकाम को टिकट

दूसरी ओर केशकाल सीट पर भाजपा ने नए चहरे को मौका दिया है। बता दें कि केशकाल सीट पर पूर्व आईएएस नीलकंठ टेकाम को चुनावी रण में उतारा है। ये मूलतः कांकेर जिले के अंतागढ़ के रहने वाले हैं। उनकी कर्मभूमि केशकाल है। वो 2008 बैच के पूर्व आईएएस ऑफिसर हैं। वो कोंडागांव जिले में ढाई साल तक कलेक्टर रह चुके हैं। जिले के अंतर्गत केशकाल विधानसभा में उनकी अच्छी पकड़ है। इसलिए उन्होंने साल 2023 अगस्त महीने में शासकीय नौकरी छोड़कर 3 हजार समर्थकों के साथ बीजेपी का दामन थामा था।

'केशकाल में अच्छी पकड़ का दावा'

भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद टेकाम काफी चर्चा में रहे। उनको केशकाल से टिकट मिलने की चर्चा भी थी। आखिरकार भाजपा ने केशकाल सीट से पूर्व आईएएस नीलकंठ टेकाम को उम्मीदवार चुना है। इस सीट पर टेकाम की अच्छी पकड़ मानी जाती है।

ऐसे में ये चर्चा है कि इस सीट पर चुनाव लड़ना कांग्रेस के लिए चुनौतीपूर्ण साबित होगा। फिलहाल चुनावी परिणाम आने पर ही फैसला होगा कि केशकाल का सिकंदर कौन होगा।

झारखंड में मानसून की विदाई के पहले इन जिलों में बारिश की संभावना

रांची, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में अब मानसून की विदाई की बेला निकट आ गई है। राज्यभर में बारिश का दौर थम गया है। अगले कुछ घंटों के अंदर झारखंड के विभिन्न हिस्सों से मानसून की विदाई की आधिकारिक घोषणा हो जाएगी। इससे पहले राज्य में कई स्थानों पर हल्की बारिश रिकॉर्ड की गई। मानसून की विदाई के पहले राज्य के अधिकांश जिलों का मौसम शुष्क हो गया है। हालांकि अब भी कई स्थानों पर आंशिक बादल देखने को मिल रहे हैं। लेकिन आने वाले कुछ दिनों में आसमान पूरी तरह से साफ हो जाएगा। इसके साथ ही रात में ठंड महसूस होने लगेगी। दुर्गा पूजा के दौरान भी आसमान साफ रहने का अनुमान है। बारिश नहीं होने से दुर्गा पूजा बाजार और पंडालों की रौनक बढ़ने की संभावना है। राज्य में पिछले 24 घंटे में मौसम शुष्क रहा। इस दौरान कहीं-कहीं हल्की बारिश हुई। सबसे अधिक 14 मिलीमीटर बारिश सिमडेगा के बानो में हुई। रांची एयरपोर्ट क्षेत्र में 13 मिलमीटर, खूंटी में 0.5 और पंचेत में 0.2 मिलीमीटर बारिश हुई। राज्य के अधिकांश जिलों के न्यूनतम तापमान में कमी देखने को मिल रहा है। अन्य जिलों में मौसम शुष्क बना रहा। हालांकि आंशिक बादल छाये रहे। कुछ स्थानों पर छिटपुट बारिश भी देखने को मिला। राज्यभर में 1 जून से 30 सितंबर तक सामान्य से करीब 26 प्रतिशत कम बारिश हुई। लेकिन अक्टूबर के पहले सप्ताह में विभिन्न हिस्सों में अच्छी बारिश हुई। इस दौरान रांची में 181, जमशेदपुर में 68.8, बोकारो में 129.1, बोकारो में 216.4, चाईबासा में 55.8, गढ़वा में 192 और गिरिडीह में 154.6 मिलीमीटर बारिश हुई।

चीन-अमेरिका ने 8 महीने पहले लिखी इजराइल जंग की स्क्रिप्ट

ईरान-सऊदी समझौते के खिलाफ इजराइल को मान्यता दिलाना चाहता था यूएस, इसी पर भड़का हमास

बीजिंग, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। 7 अक्टूबर को इजराइल पर हमले के बाद ये बात हमास के प्रवक्ता गाजी हामद ने कही। उनका इशारा सऊदी की तरफ था। हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि सऊदी भी इजराइल को देश के तौर पर मान्यता दे सकता है। सऊदी और इजराइल के बीच ये करार अमेरिका की मध्यस्थता से होना था।

ये हकीकत बनने से पहले ही हमास ने 5 हजार रॉकेट दाग इजराइल पर हमला कर दिया। इस ऑपरेशन को अल-अक्सा फ्लड नाम दिया। ये हमला बेशक 7 अक्टूबर को किया गया, लेकिन इसकी स्क्रिप्ट 8 महीने पहले तब लिखी गई जब चीन के दखल से ईरान और सऊदी की दूरियां कम हुई। तारीख 10 फरवरी 2023, समय- रात करीब 8 बजे। ईरान ने एक बयान जारी कर बताया कि ईरान और सऊदी अरब के बीच बीजिंग में एग्रीमेंट हुआ है। दोनों देश एक-दूसरे के यहां डिप्लोमैटिक मिशन्स खोलेंगे। दुनिया के लिए ये चौंकाने वाली खबर थी। इसकी वजह यह थी कि दोनों देशों के बीच 7 साल से कट्टर दुश्मनी रही है।

सऊदी अखबार 'द नेशनल' के मुताबिक- बातचीत की शुरुआत इराक की राजधानी बगदाद से हुई। फिर चीन की राजधानी बीजिंग में बातचीत के कई दौर हुए। यह सिलसिला करीब 3 साल चला। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के चीफ अली रामकहानी की चीन में सऊदी के एनएसए मोसे बिन मोहम्मद अल बान से मुलाकात की थी। दोनों की मुलाकात के बाद तय हुआ कि चीन की राजधानी बीजिंग में ईरान-सऊदी के समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। ईरान और सऊदी के बीच समझौता कराने के बाद चीन ने लगातार ये मैसेज दिया कि मिडिल ईस्ट में जो काम अमेरिका नहीं कर पाया, वो उसने कर दिखाया। यूएस इंस्टीट्यूट ऑफ पीस की एक रिपोर्ट में कहा गया है- ईरान और सऊदी समझौते को इस इलाके में सबसे बड़ा डेवलपमेंट माना जा रहा है। फॉरेन पॉलिसी मैगजीन ने जनवरी में एक्सपर्ट ओपिनियन जारी किया था। इसमें बताया गया था कि अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में जो स्पेस छोड़ा, वहां चीन बहुत तेजी से काबिज हुआ।

अफ्रीका में भी ऐसा ही हुआ। अमेरिका ने वहां के गरीब देशों को मदद देने में कंजूसी शुरू की तो वहां चीन ने कर्ज जाल फैलाना

शुरू कर दिया। जिबूती में जिनपिंग मिलिट्री बेस बनाने में कामयाब हो गए। जिनपिंग ने फरवरी में जब ईरान का दौरा किया था, तब अमेरिका को कहीं नहीं लगा कि चीन किस तरफ कदम बढ़ा रहा है। सऊदी अरब और ईरान के बीच समझौते को बीजिंग की बड़ी कूटनीतिक सफलता माना गया, क्योंकि मिडिल ईस्ट में अमेरिका के रणनीतिक प्रभाव को कम करने में चीन खुद एक बड़ी ताकत के रूप में उभरने की कोशिश कर रहा है। इस डील के अलावा चीन लगातार सऊदी अरब से रिश्ते बेहतर करने की भी कोशिश कर रहा है। दोनों देशों में 10 अरब डॉलर की लागत से उत्तरी पूर्वी लियोनिंग प्रांत में एक शानदार रिफाइंग कॉम्प्लेक्स बनाने का समझौता हुआ था। इसके अलावा टूरिज्म और ट्रेड के क्षेत्र में भी चीन ने सऊदी के साथ साझेदारी बढ़ाने की पूरी कोशिश की।

चीन की तरफ से सऊदी अरब और ईरान में समझौता कराए जाने के बाद अमेरिका को डर सताने लगा कि कहीं मिडिल ईस्ट में उसका प्रभाव कम न हो जाए। इससे निपटने के लिए अमेरिका ने इजराइल और सऊदी के रिश्तों को चुना।

अमेरिका की पहल- इजराइल को मान्यता दे सऊदी अरब

मिडिल ईस्ट में चीन के बढ़ते असर को काउंटर करने के लिए अमेरिका ने भी एक प्लान बनाया। इसमें सऊदी और इजराइल को फोकस में रखा गया। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक प्लान सऊदी और इजराइल की नजदीकियां बढ़ाना था। ताकि ईरान और सऊदी के बीच हुआ समझौता इतना मजबूत न हो जाए की इससे मिडिल ईस्ट में अमेरिका की पॉलिसी को नुकसान पहुंचने लगे।

इसके बाद वॉशिंगटन में अमेरिकी नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर (एनएसए) जैक सुलिवन और मोसाद चीफ डेविन बार्निया के बीच लंबी बातचीत हुई। इस बातचीत में सिर्फ यह डिस्कस किया गया कि सऊदी अरब और इजराइल के डिप्लोमैटिक रिलेशन कैसे और कितने जल्द शुरू कराए जा सकते हैं।

27 जुलाई को वॉशिंगटन पोस्ट ने एक रिपोर्ट में बताया था कि अमेरिकी एनएसए जैक सुलिवन अचानक सऊदी अरब पहुंचे हैं। उन्होंने राजधानी रियाद में सऊदी क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) से मुलाकात की है। दोनों के बीच चार राउंड बातचीत हुई। इस मीटिंग में सऊदी के तमाम टॉप ऑफिशियल्स भी मौजूद थे।

खालिस्तान विचारधारा को पनपने दिया गया

कनाडा में मौजूदा हालातों को लेकर बोला भारतीय-कनाडाई समुदाय

ओटेवा, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत-कनाडा के बीच खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। इस बीच, भारतीय-कनाडाई समुदाय के एक प्रमुख सदस्य ने कनाडा में पनपे माहौल को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि इस माहौल ने ही खालिस्तान चरमपंथियों को हिंसा करने, उनका विरोध करने वालों को धमकाने-डराने में सक्षम बनाया है। गौरतलब है, हरदीप सिंह निज्जर की हत्या जून में की गई थी। पिछले महीने कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने संसद में भारत की एजेंसियों पर हत्या करने का आरोप लगाया था। इसके बाद, दोनों देशों के बीच विवाद बढ़ गया।

राजनीति करना कनाडा के भविष्य के हित में नहीं

कनाडा भारतीय संगठन के राष्ट्रीय संयोजक रितेश मलिक ने आगाह करते हुए कहा कि थोड़े समय के लाभ के लिए राजनीति करना कनाडा के भविष्य के हित में नहीं है।

उन्होंने कहा, 'हम एक देश के रूप में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, जो हमारा चार्टर अधिकार है, उन लोगों को देने की दिशा में काम कर रहे हैं, जो दूसरों की स्वतंत्रता में विश्वास नहीं करते हैं।'

समाज में दरार पैदा करने की कोशिश

कनाडा में खालिस्तान चरमपंथियों का जिक्र करते हुए मलिक ने कहा कि ये लोग समाज में दरार पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। यह तत्व नापाक एजेंडे के साथ काम कर रहे हैं और दोनों देशों के बीच संबंधों को खराब करने पर लगे हैं। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सभी के लिए होनी चाहिए। लेकिन, दुर्भाग्य से कनाडा में उस तरह का इकोसिस्टम यानी पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है, जहां यह लोग बहुत मुखर, बहुत हिंसक, बहुत आक्रामक हैं और वे किसी को भी नहीं छोड़ते हैं।

मलिक ने कहा कि इन लोगों के खिलाफ सामने आना पड़ेगा। सभी लोग इनके खिलाफ सामने आओ। यह लोग मानवता को खत्म करने के लिए धौंस दिखाएंगे, धमकाएंगे, हर तरीके को अपनाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन के सिख सामने आए हैं। उन लोगों ने स्पष्ट कहा है कि वे खालिस्तान की विचारधारा में विश्वास या समर्थन नहीं करते हैं।

उन्होंने कहा, 'ये बड़े मुद्दे हैं, जो कनाडा के लंबे समय के हित को लेकर चिंता पैदा करते हैं। हम अपने बच्चों के भविष्य और समुदायों के बीच दरार को लेकर चिंताा महसूस करते हैं।' उन्होंने सरकार, नेताओं और वकालत से आग्रह किया कि वे कनाडा के हित के लिए इन मुद्दों को उठाएं।

अमेरिका में चीनी महावाणिज्य दूतावास में घुसी बेलगाम कार

पुलिस ने ड्राइवर को मारी गोली

वॉशिंगटन, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में स्थित चीनी महावाणिज्य दूतावास में सोमवार को एक बेलगाम कार घुस गई। जिससे वहां अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। वहीं पुलिसकर्मियों ने कार के ड्राइवर को गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि चीनी दूतावास की इमारत में दोपहर करीब तीन बजे एक कार टकरा गई है। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कार के ड्राइवर को गोली मार दी। जिसकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

पुलिस ने आरोपी को मारी गोली

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने कार को चीनी महावाणिज्य दूतावास की लॉबी में घुसा दिया था। टीवी कैमरों में दिखा कि होंडा सेडान कार ने चीन के वीजा कार्यालय के दरवाजे से टक्कर मारी। जिस वक्त यह घटना घटी, दूतावास में कई लोग मौजूद थे। इससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना पाते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उसने आरोपी कार ड्राइवर को गोली मार दी। घायल अवस्था में कार ड्राइवर को अस्पताल ले जाया गया लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना में किसी अन्य के घायल होने की खबर नहीं है।

फिलहाल पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और घटना की जांच की जा रही है। आरोपी कार ड्राइवर की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। वहीं चीनी दूतावास ने इसे हमला करार दिया है और घटना की विस्तृत जांच की मांग की है।

इजराइल ने गाजा में मस्जिदों पर हमले किए

सेना ने अब तक 1707 जगहों को निशाना बनाया, तस्वीरों में देखिए पहले और अब के हालात

जरुसलम, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच आज जंग का चौथा दिन है। हमास ने गाजा से 7 अक्टूबर को इजराइल पर हमला किया था। इसके साथ ही उसके लड़ाकों ने इजराइल से 150 से ज्यादा लोगों को बंधक बना लिया। इजराइल ने गाजा पर जवाबी हमले में अब तक करीब 1,707 जगहों को निशाना बनाया है। इस दौरान उन्होंने कई मस्जिदों पर भी हमला किया। इजराइल ने अपनी सेना को सोमवार को पूरी गाजा पट्टी पर कब्जे करने का आदेश दे दिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इजराइल ने गाजा में कई मस्जिदों पर भी हमले किए हैं। इनमें से चार मस्जिद शती रिफ्यूजी कैंप में थीं, जो पहले से ही गाजा पट्टी के सबसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है। इजराइली सेना ने कहा है कि हमास के गाजा में रिहायशी इलाकों में ठिकाने हैं। वो यहीं से ऑपरेट करता है। इजराइल के मुताबिक, इसमें एक मस्जिद भी शामिल है जिस पर उसने हमला किया है।

इजराइल बोला- पहली बार एक दिन में हुई इतनी मौतें

गाजा की तरफ से हो रहे हमलों के बीच इजराइल ने बॉर्डर के पास रह रहे लोगों को वहां से हटाया है। इजराइल के फॉरेन प्रेस रिलीज के मुताबिक, देश की स्थापना से लेकर अब तक पहली बार इजराइल में एक दिन में इतनी मौतें हुई हैं। इजराइल पर हमास का सरप्राइज अटैक पिछले 50 सालों का सबसे बड़ा हमला है।

शनिवार की सुबह इजराइल पर हमले शुरू हुए। हमास के लड़ाकों ने इजराइली नागरिकों पर गोलीबारी की। इजराइली सैनिकों और पुलिस पर रॉकेट दागे और गाजा पट्टी के आसपास की फेंसिंग को तोड़ दिया। हमले होते ही कुछ इजराइली बॉम्ब शेल्टरों की तरफ भागे, तो कुछ दूसरे लोगों ने लड़ाकों से लड़ने की भी कोशिश की। हमास के शुरुआती हमले में 800 से ज्यादा इजराइली हमले से बच नहीं पाए और मारे गए। गाजा पट्टी को कंट्रोल करने वाले संगठन हमास के बंदूकधारियों ने दर्जनों लोगों को अगवा कर लिया। इजराइल की सेना ने कब्जा हासिल करने के लिए लड़ाई लड़ी, और गाजा पर जवाबी हमले किए। ये एक ऐसा घनी आबादी वाला, गरीब इलाका है जहां लाखों फिलिस्तीनी हमास और इजरायली नाकेबंदी के तहत रहते हैं। इजराइल के हमलों में मस्जिद, घरों और एम्बुलेंस पर मिसाइलें गिरीं।

अमेरिका और यूरोप ने हमास को एक आतंकी संगठन घोषित किया है। इसलिए आधिकारिक मदद नहीं मिल पाती जैसे वेस्ट बैंक में पीएलओ को मिलती है। फिलिस्तीनी प्रवासियों और फारस की खाड़ी के प्राइवेट डोनर्स ने इस उग्रवादी आंदोलन को ज्यादातर फंडिंग की है। कुछ इस्लामिक चैरिटी ने हमास समर्थित ग्रुप्स को पैसा दिया है।

गाजा की माली हालत बेहद खराब है। गाजा में रहने वाले फिलिस्तीनियों की जिंदगी अंतरराष्ट्रीय मदद पर निर्भर है। ये मदद आमतौर पर संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के जरिए गाजा तक पहुंचती है। इस वक्त हमास के सबसे बड़े मददगारों में ईरान शामिल है। वो पैसा, हथियार और ट्रेनिंग सब दे रहा है। एक अनुमान के मुताबिक ईरान हमास को सालाना करीब 100 मिलियन डॉलर यानी करीब 830 करोड़ रुपए की मदद देता है।

महात्मा गांधी ने जहां से शुरू की थी वकालत

अब उसी जगह उनकी प्रतिमा का हुआ अनावरण

जोहानेसबर्ग, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के जोहानेसबर्ग में महात्मा गांधी की आठ फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया गया है। इस प्रतिमा का अनावरण टॉलस्टॉय फॉर्म में हुआ। गौरतलब है कि 20वीं सदी की शुरुआत में जोहानेसबर्ग की इसी जगह से महात्मा गांधी ने अपने वकालत के करियर की शुरुआत की थी। महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण दक्षिण अफ्रीका में भारत के राजदूत प्रभात कुमार ने किया।

महात्मा गांधी की प्रतिमा के अनावरण के मौके पर भारतीय राजदूत प्रभात कुमार ने कहा कि यह प्रतिमा महात्मा गांधी के जीवन के उस समय की याद दिलाती है, जब वह दक्षिण अफ्रीका छोड़कर गए थे। यह टॉलस्टॉय फार्म के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी, जहां महात्मा गांधी पांच-छह साल रहे। बता दें कि महात्मा गांधी साल 1910 से लेकर 1914 के बीच टॉलस्टॉय फार्म इलाके में रहे थे।

साल 1990 तक यह जगह तबाह हो चुकी थी और यहां मौजूद मकान क्षतिग्रस्त हो गए थे और यहां बड़ी-बड़ी घास उगी हुई थी। महात्मा गांधी रिमेंबरेंस ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष मोहन हीरा (84 वर्षीय) ने टॉलस्टॉय फार्म को फिर से पुनरुद्धार किया। मोहन हीरा को उनके प्रयासों के लिए इस साल जनवरी में प्रवासी भारतीय अवार्ड से भी सम्मानित किया गया। मोहन हीरा का कहना है कि अब महात्मा गांधी की प्रतिमा के अनावरण के बाद उनकी अगली कोशिश इस जगह को आत्मनिर्भर बनाने की होगी ताकि यहां के लोग आत्मनिर्भर बनकर गरीबी से निकल सकें।

इस्राइल पर हमलों को लेकर अमेरिकियों में होना चाहिए गुस्सा

हमास पर कार्रवाई का ओबामा ने किया समर्थन

वाशिंगटन, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। आतंकी संगठन हमास और इस्राइल के बीच संघर्ष जारी है। इन हमलों में अभी तक करीब 16 सौ से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। इस बीच, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने इस्राइल के खिलाफ हमास के आतंकवादी हमलों की कड़ी निंदा की।

ओबामा ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि सभी अमेरिकियों को इस्राइल पर हुए आतंकवादी हमलों और निर्दोष नागरिकों की हत्या से भयभीत और क्रोधित होना चाहिए। हम मारे गए लोगों के लिए शोक व्यक्त करते हैं। साथ ही बंधक बनाए गए लोगों की सुरक्षित वापसी के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा कि हमास को नष्ट करने के लिए हमारे सहयोगी इस्राइल के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा, 'हम आतंकवाद से लड़ने के इस्राइल के अधिकार का समर्थन करते हैं। हमें इस्राइल और फलस्तीनियों के लिए समान रूप से न्यायसंगत और स्थायी शांति के लिए प्रयास करते रहना चाहिए।

रूसी अदालत से 31 साल के यूएस पत्रकार को बड़ा झटका

मॉस्को की खौफनाक जेल में 30 नवंबर तक काटेंगे सजा

मॉस्को, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। मॉस्को सिटी की एक अदालत से अमेरिकी रिपोर्टर को बड़ा झटका लगा है। जासूसी के आरोप में रूस में हिरासत में लिए गए वॉल स्ट्रीट जर्नल के इस रिपोर्टर की अपील खारिज हो गई है। गिरफ्तारी के खिलाफ दूसरी बार अपील खारिज हुई है, इसका मतलब ये है कि अब 31 वर्षीय रिपोर्टर गेर्शकोविच कम से कम 30 नवंबर तक जेल में रहेंगे।

मंगलवार को गिरफ्तारी के खिलाफ अपील खारिज होने के बाद इवान गेर्शकोविच को नीली शर्ट, टी-शर्ट और जींस पहने देखा गया। मॉस्को सिटी कोर्ट में पेशी के लिए पहुंचे 31 साल के पत्रकार को अपील खारिज होने पर काफी निराश देखा गया। एक महीने से भी कम समय में दूसरी बार मॉस्को की अदालत से उनकी अपील खारिज हुई है। कोर्ट ने सितंबर में उनकी अपील पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। अदालत के ताजे फैसले का मतलब है कि 31 वर्षीय गेर्शकोविच को कम से कम 30 नवंबर तक जेल में रहना ही होगा। जेल में रहने की अवधि बढ़ सकती है, जब तक कि उनकी अपील पर सुनवाई नहीं होती और अदालत उन्हें रिहा करने का फैसला नहीं सुनाती। गौरतलब है कि इस अमेरिकी पत्रकार को मार्च में मॉस्को से लगभग 2,000 किलोमीटर (1,200 मील) पूर्व में येकातेरिनबर्ग शहर की रिपोर्टिंग यात्रा के दौरान हिरासत में लिया गया था।

अगस्त में एक न्यायाधीश ने फैसला सुनाया कि 31 साल के गेर्शकोविच को नवंबर के अंत तक जेल में रहना होगा। जासूसी के गंभीर आरोपों वाले इस मामले में अदालती कार्यवाही बंद है क्योंकि सरकारी वकीलों का कहना है कि आपराधिक मामले का विवरण गोपनीय रखा जाना है।

सैन्य ठिकाने की जासूसी का आरोप

रूस की संघीय सुरक्षा सेवा के अधिकारियों का आरोप है कि गेर्शकोविच, अमेरिकी पक्ष के निर्देशों पर काम कर रहा था। जासूसी के आरोपों का सामना कर रहे अमेरिकी रिपोर्टर रूसी सैन्य-औद्योगिक परिसर के उद्यमों में से एक की गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटा रहा था।

क्या ईरान के उकसावे पर हमास ने किया हमला

रिपोर्ट में दावा- इजराइल पर अटैक की बेरूत में मिली इजाजत, फिर ईरान में मना जश्न

तेहरान, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच शनिवार से जंग जारी है। इस बीच जंग पर अलग-अलग देशों की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। जहां एक तरफ पश्चिमी देश इजराइल का समर्थन कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ ईरान और कतर जैसे अरब देश फिलिस्तीन के साथ खड़े हैं। वहीं चीन, मिस्र जैसे कुछ देश ऐसे भी हैं, जिन्होंने जंग में न्यूट्रल स्टैंड लिया है। अमेरिकी मीडिया वॉल स्ट्रीट जर्नल ने हमास और हिजबुल्लाह के सीनियर अधिकारियों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि ईरान के सुरक्षा अधिकारियों ने इजराइल पर हमले की प्लानिंग में हमास की मदद की थी। इसके बाद उन्होंने 2 अक्टूबर को बेरूत में एक बैठक में हमले के लिए हरी झंडी दे दी थी। डब्ल्यूएसजे के मुताबिक, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के अधिकारी अगस्त से हमास के साथ मिलकर इजराइल पर 1973 के बाद जमीन, हवा और समुद्र के रास्ते अब तक के सबसे बड़े हमले की प्लानिंग कर रहे थे।

7 अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमले के बाद ईरान में लोगों ने जश्न भी मनाया था। लोग आतिशबाजी करते नजर आए थे। ईरान ने इन सभी दावों को सिरे से खारिज किया है। उसने कहा है कि हमास के हमले में उसकी कोई भूमिका नहीं है। हालांकि, ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई के एडवाइजर ने कहा कि हम फिलिस्तीन के इजराइल पर किए अटैक का समर्थन करते हैं।

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने कहा- फिलिस्तीन अपने हितों की रक्षा जरूर करेगा। इजराइल इस क्षेत्र में मौजूद दूसरे देशों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहा है और इसके लिए उसे जवाबदेह ठहराया जाएगा। ईरान शिया बहुल देश है। उसके अरब देशों और अमेरिका, दोनों से रिश्ते तनावपूर्ण हैं। इजराइल को भी वो कट्टर दुश्मन मानता है। ईरान एटमी ताकत हासिल करना चाहता है। अमेरिका, इजराइल और अरब देश उसे रोकना चाहते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि हमास के आतंकी इजराइली सैनिकों और नागरिकों को सड़कों और उनके घरों में मार रहे हैं, ये गलत है। इजराइल की मदद के लिए हम हर तरह से तैयार हैं। उसे अपनी और अपने लोगों की रक्षा करने का अधिकार है। उन्होंने अपनी टीम से इजराइल, फिलिस्तीन, यूएई, तुर्किये के कॉन्टैक्ट में रहने के लिए कहा है। वहीं, अमेरिकी डिफेंस सेक्रेटरी लॉयड ऑस्टिन ने कहा है कि वो इस बात का ध्यान रखेंगे कि इजराइल को अपनी सुरक्षा में किसी तरह की कमी न रहे। ऑस्टिन ने बताया कि मदद के लिए अमेरिकी जहाज और लड़ाकू विमान इजराइल की तरफ बढ़ रहे हैं। अमेरिका एअरक्राफ्ट कैरिअर यूएसएस जेराल्ड आर फोर्ड के साथ, क्रूजर यूएसएस नॉर्मंडी, डिस्ट्रॉयर यूएसएस थॉमस हडनर, यूएसएस रैमेज, यूएसएस कार्नी और यूएसएस रूजवेल्ट भी भेज रहा है।

इजराइली म्यूजिक फेस्टिवल पर हमास ने कैसे किया हमला

लड़ाकों ने 3 तरफ से घेरकर 260 को मारा, महिलाओं को अगवा करके गाजा ले गए

जरुसेलम, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। तारीख- 7 अक्टूबर, समय- सुबह 6:30 बजे, जगह- इजराइल का बॉर्डर इलाका किबुत्ज रीम। यहां इजराइल के नोवा म्यूजिक फेस्ट के लिए जुटे हजारों लोगों को आसमान में गाजा पट्टी की तरफ से दागे रॉकेट्स दिखाई दिए।

वो कुछ समझ पाते इससे पहले ही वहां हमास के लड़ाके मोटरसाइकिल, गाड़ियां और ट्रैक्टर लेकर पहुंच गए और ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरू कर दी। लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई।

सभी अपनी जान बचाने के लिए यहां- वहां दौड़ने लगे। रॉकेट के हमलों से बचने के लिए छिप गए। कुछ लोग जमीन पर लेट गए। देखते ही देखते आसमान से हजारों रॉकेट इजराइल की ओर बढ़ने लगे, जिनसे कहीं भी अटैक हो सकता था। रॉकेट अटैक के बीच हमास के लड़ाके पैराग्लाइडिंग, बाइक, कार से इजराइली सीमा में घुसते जा रहे थे। इस बीच म्यूजिक फेस्टिवल के पास के ही एक मिलिट्री बेस पर भी हमला हुआ।

हमास ने म्यूजिक फेस्टिवल के वेन्यू को तीन तरफ से घेर लिया। सिर्फ एक दिशा ही थी जहां से भाग पाना संभव था। इस दिशा में हमास के लड़ाके इजरालियों को टारगेट बना रहे थे। लोग अपनी गाड़ियों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन फायरिंग इतनी ज्यादा थी कि ऐसा संभव नहीं हो पा रहा था।

फेस्टिवल को देखते हुए पुलिस और सिक्योरिटी अफसरों की कई कारों ने रोड को ब्लॉक कर रखा था। ऐसे में लोग अपनी गाड़ियों को वहीं छोड़कर सड़क पर भागने लगे। चीखते-चिल्लाते हुए लोग खुले मैदान में दौड़ने रहते हैं। कई लोग थकान और डर के मारे पेड़ों में जाकर छिपते हैं। इस दौरान गोलीबारी से सड़क के पास 100 से ज्यादा कारें तबाह हो गईं।

हमास के करीब 50 लड़ाके ऐसे थे जो अपनी यूनिफॉर्म पहने वैन से वहां पहुंचे थे। उन्होंने इस नोवा म्यूजिक फेस्टिवल में शामिल हुए 260 लोगों को मार दिया। दौड़ रहे लोगों पर कई जगहों स्नाइपर राइफल से फायरिंग हुई। अटैक तीन दिशा से हुआ, जहां कैंपिंग, बार और फूड का एरिया था।

हमास के लड़ाके यहीं नहीं रुके। उन्होंने कस्बों और गांवों में घुसपैठ की और दर्जनों इजरालियों को बंधक बना लिया। लड़ाके लोगों को बाइक, कार और गोल्फ कार्ट पर बैठाकर अपने साथ वापस गाजा ले गए। दोपहर तक इजराइली सेना ने फेस्टिवल वाली जगह को फिर से अपने कंट्रोल में ले लिया। हालांकि, तब तक वहां जश्न से तबाही का मंजर बन चुका था।

राहुल गांधी से लड़कियों ने पूछा- शादी क्यों नहीं की

कांग्रेस सांसद बोले- काम में इतना उलझा कि इसके बारे में सोच ही नहीं पाया

जयपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी से जयपुर में लड़कियों ने पूछा कि अब तक आपने शादी क्यों नहीं की? इस पर कांग्रेस सांसद ने कहा- अपने काम और कांग्रेस पार्टी के भीतर इतना बिजी हो गया कि शादी के बारे में सोच ही नहीं सका।

स्टूडेंट्स ने राहुल से यह भी पूछा कि अगर आपको एक दिन के लिए देश का प्रधानमंत्री बना दिया जाए तो आप क्या करेंगे? हालांकि, इस सवाल के जवाब वाला हिस्सा वीडियो में नहीं दिया गया।

राहुल पिछले दिनों जयपुर स्थित महारानी कॉलेज गए थे। यहां कॉलेज छात्राओं ने उनसे पंसदीदा खाने से लेकर फेवरेट प्लेस तक कई सवाल किए। राहुल गांधी के 13 मिनट का यह वीडियो उनके यूट्यूब चैनल में अपलोड किया गया है। पूरी बातचीत सिलसिलेवार पढ़ें...

छात्रा- सर, आप इतने स्मार्ट हैं, इतने अच्छे दिखते हैं, फिर अब तक शादी के बारे में क्यों नहीं सोचा?

राहुल- क्योंकि मैं अपने काम में, कांग्रेस पार्टी में बिल्कुल उलझ गया हूं।

छात्रा- जातीय जनगणना को लेकर आप क्या सोचते हैं?

राहुल- सच्चाई ये है जो लोवर कास्ट है, वो देश के पावर स्ट्रक्चर में इन्वॉल्व ही नहीं है। किसी को पता ही नहीं है कि देश में ओबीसी कितने हैं? दलित कितने हैं और ट्राइबल्स कितने हैं? अगर आपको चोट लगती है तो पहले एक्स-रे किया जाता है कि हड्डी कहां टूटी है? फिर उसी हिसाब से इलाज किया जाता है। जातीय जनगणना भी एक्सरे की तरह ही है। इससे पता चलेगा कि कितने लोग हैं? किस कम्युनिटी के हैं? इससे पता चलेगा कि उनका स्टेटस क्या है।

छात्रा- अगर आप नेता नहीं बनते तो क्या बनते?

राहुल- मैं बहुत कुछ बन सकता था। जैसे- टीचर या फिर कुक।

छात्रा- आपकी कॉलेज क्रश का नाम क्या है?

राहुल ने जवाब नहीं दिया।

राहुल ने छात्राओं से अपने जीवन और राजनीति को लेकर बातचीत की।

छात्रा- आपकी फेवरेट जगह कौन सी है?

राहुल- मैं जहां तक अभी गया नहीं हूं, क्योंकि मुझे नई-नई जगह घूमना और देखना बहुत पसंद है।

छात्रा- आपका पंसदीदा खाना क्या है?

राहुल- करेला, मटर और पालक को छोड़कर किसी चीज से कोई दिक्कत नहीं है।

छात्रा- आप अपने स्किन के लिए क्या करते हैं?

राहुल- मैं चेहरे में कभी भी साबुन या फिर क्रीम नहीं लगाता। केवल पानी से चेहरा धो लेता हूं।

छात्रा- इंस्टाग्राम रील्स में आपका एक मीम चलता है, जिसमें आप कह रहे हैं कि खत्म, टाटा, बॉय-बॉय। इस पर आपका क्या रिएक्शन है।

राहुल- कभी-कभी ऐसा बोलना पड़ता है।

छात्रा- अगर आप एक दिन के लिए प्रधानमंत्री बनें तो क्या करना चाहेंगे?

राहुल- वीडियो में इस सवाल के जवाब का हिस्सा नहीं है।

बीकानेर की नोखा विधानसभा सीट पर भिड़ेंगे दिग्गज

त्रिकोणीय मुकाबले में कठिन बीजेपी की राह

नोखा, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीकानेर जिले की नोखा सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी बिहारीलाल ने 2018 में चुनाव जीता था. उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रामेश्वर डूडी को शिकस्त दी थी. बीजेपी के बिहारीलाल को 86917 वोट मिले, जबकि कांग्रेस के रामेश्वर डूडी को 78254 वोट हासिल हुए थे. बिहारीलाल ने उन्हें 8663 मतों से चुनाव हरा दिया था.

बीकानेर जिले की नोखा विधान सभा सीट महत्वपूर्ण मानी जाती है. इस सीट से कांग्रेस के दिग्गज नेता रामेश्वरलाल डूडी चुनाव लड़ते आए हैं, जो विधानसभा में अपना विशेष महत्व रखते हैं. वर्तमान में राजस्थान स्टेट एग्रो इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बोर्ड, राजस्थान सरकार में अध्यक्ष हैं. वहीं इस बार कांग्रेस की सीट से रामेश्वरलाल डूडी की पत्नी सुशीला देवी के चुनाव लड़ने की पूरी संभावना जताई जा रही है.

रामेश्वरलाल डूडी की पत्नी सुशीला देवी का मुकाबला विकास मंच के पूर्व संसदीय सचिव कन्हैयालाल झंवर और भाजपा के मौजूदा विधायक बिहारीलाल

विश्नोई से होगा. ऐसे में माना जा रहा है कि इस सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा.

नोखा विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 2 लाख 80 हजार 391 है. इसमें से पुरुष एक लाख 49 हजार 742 और महिला मतदाताओं की संख्या एक लाख 30 हजार 649 है. वहीं चुनाव के लिए 258 मतदान केंद्र बनाए गए हैं. वहीं इसमें से शहरी क्षेत्र में 42 मतदान केंद्र और 216 मतदान केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में बने हैं. इसके अलावा 2304 दिव्यांग मतदाता पंजिकृत हुए हैं.

बीकानेर जिले की नोखा सीट से भारतीय जनता पार्टी के बिहारीलाल ने 2018 में चुनाव जीता है. उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रामेश्वर डूडी को शिकस्त दी थी. बीजेपी के बिहारीलाल को 86917 वोट मिले, जबकि कांग्रेस के रामेश्वर डूडी को 78254 वोट हासिल हुए थे. बिहारीलाल ने उन्हें 8663 मतों से चुनाव हरा दिया था.

रामेश्वर डूडी यहां से सिटिंग विधायक थे. जाट नेता रामेश्वर डूडी ने पिछले चुनाव में निर्दलीय कन्हैया लाल झंवर को हराया था, जो इस बार कांग्रेस में शामिल हो गए हैं और बीकानेर पूर्व सीट से चुनाव लड़े हैं. बीजीपी प्रत्याशी बिहारीलाल ने पिछला चुनाव निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर लड़ा था और वह तीसरे नंबर पर रहे थे.

2013 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी रामेश्वर डूडी विधायक बने. रामेश्वर लाल डूडी को 70801 वोट प्राप्त हुए और उनके प्रतिद्वंदी कन्हैया लाल को 40007 वोट मिले. 2013 के विधानसभा चुनाव परिणाम में नोखा विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी पांचवे स्थान पर रही थी. दूसरे स्थान पर रहे कन्हैयालाल निर्दलीय प्रत्याशी थे, वहीं तीसरे स्थान पर रहे बिहारी लाल और चौथे स्थान पर रहे मनीष भी निर्दलीय प्रत्याशी थे.

नोखा विधानसभा सीट को जाट बाहुल्य माना जाता है. इसके अलावा इस सीट पर पर विश्नोई समाज भी खासी तादाद में है. हालांकि अन्य जातीय समीकरण भी इस सीट पर जीत हार तय करते हैं.

नोखा मोठ की एशिया की सबसे बड़ी मंडी है. यहां से मोठ देश के सुदूर प्रांतों गुजरात, महाराष्ट्र और अन्य प्रांतों में जाते हैं. इस समय सिंचित पानी की व्यवस्था ट्यूब वेल आदि होने से क्षेत्र में मोठ, ग्वार, तिल, मूंगफली, सरसों, जीरा, ईसबगोल आदि की बहुतायत में खेती होती है. यहां के रिको औद्योगिक क्षेत्र में दाल मिलें, सीमेंट और वायर फैक्ट्री, भुजिया आदि के कारखाने अपनी उच्च क्वालिटी के कारण विशेष पहचान रखते हैं.

आचार संहिता लगते ही सीएम गहलोत के ओएसडी को क्राइम ब्रांच का नोटिस, पूछताछ के लिए दिल्ली तलब

जयपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान फोन टैपिंग मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा को नोटिस मिल गया है. आचार संहिता लगते ही लोकेश शर्मा को क्राइम ब्रांच दिल्ली ने नोटिस भेजकर फोन टैपिंग मामले में 10 अक्टूबर यानी आज 11 बजे पूछताछ के लिए अपने ऑफिस में बुलाया है. बताया जा रहा है कि इस मामले में 11 अक्टूबर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई होनी है.

वहीं अब सुनवाई से एक दिन पहले लोकेश शर्मा को पूछताछ के लिए बुला लिया गया है. इसके बाद अब सवाल खड़े हो रहे हैं कि क्या आचार संहिता से इसका कोई कनेक्शन है और क्या लोकेश शर्मा गिरफ्तार होंगे?

बीकानेर से टिकट मांग रहे लोकेश

हाल ही में लोकेश शर्मा को कांग्रेस सेंट्रल वार रूम का को-

चेयरमैन बनाया गया है. वहीं लोकेश प्रदेशभर में चुनावी कैम्पेन की जिम्मेदारी तो मिली है, इसके साथ-साथ वह खुद भी बीकानेर से टिकट मांग रहे हैं. वहीं इस सीट से कैबिनेट मंत्री बीडी कल्ला की दावेदारी जता रहे हैं.

फोन टैपिंग का आरोप

बता दें कि फोन टैपिंग मामले में लोकेश शर्मा अभी तक 4 बार क्राइम ब्रांच की पूछताछ में शामिल हो चुके हैं.

आखिरी बार उनसे 20 मार्च को लगभग 9 घंटे की कड़ी पूछताछ हुई थी. वहीं अब फिर दिल्ली पूछताछ के लिए बुलाया गया है. जानकारी के मुताबिक मार्च 2021 में गजेंद्र सिंह शेखावत ने फोन टैपिंग का आरोप लगाते हुए लोकेश शर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी.

दंडात्मक कार्रवाई पर अंतरिम रोक

लोकेश शर्मा ने एफआईआर को रद्द करने की मांग करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसके बाद न्यायालय ने तीन जून 2021 को उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगा दी थी. लोकेश शर्मा अब तक चार बार क्राइम ब्रांच के सामने पेश हो चुके हैं.इस साल मार्च में क्राइम ब्रांच ने उनसे करीब नौ घंटे तक पूछताछ भी की थी.

बीजेपी में बगावत तेज; टिकट गंवाने वालों ने निर्दलीय लड़ने का भरा दम, इनके कटे टिकट

जयपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनाव तारीखों का एलान होते ही बीजेपी ने पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में 41 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की गई है। सात सांसदों को विधानसभा चुनाव लड़ने की जिम्मेदारी मिली है। तो वहीं टिकट कटने वालों के बगावती तेवर देखने को मिल रहे हैं।

निर्वाचन आयोग के चुनाव तारीख की घोषणा करने के बाद ही भाजपा उम्मीदवारों की लिस्ट भी सामने आ गई। लिस्ट के सामने आते ही टिकट कटने से नाराज विधायकों ने भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। टिकट गंवाने वालों ने भाजपा को अपने बगावती तेवर दिखाए। साथ ही साथ एक बार फिर भाजपा में बगावत का दौर शुरू हो गया है। टिकट गंवाने वालों के सख्त तेवर देखने को मिल रहे हैं। कहा जा रहा है कि राजस्थान में पहली सूची में वसुंधरा राजे के समर्थकों को तवज्जों नहीं मिली है। इससे नाराज होकर राजे समर्थकों ने बगावती तेवर दिखाए हैं। टिकट गंवाने वालों में भरतपुर जिले की नगर से दो बार की विधायक अनिता सिंह गुर्जर, बानसून से पूर्व मंत्री रोहिताश्व शर्मा, जयपुर की झोटवाड़ा से पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत, जयपुर के विद्याधरनगर से पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत के दामाद वर्तमान विधायक नरपत सिंह राजवी का टिकट काट दिया गया है। झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय होकर सामाजिक सरोकार के कार्य कर रहे आशु सिंह सुरपुरा को भी भाजपा से टिकट न मिलने से समर्थकों ने नाराजगी जाहिर की है। कुछ ने साफ शब्दों में कहा कि वसुंधरा राजे का समर्थक होने के कारण उनका टिकट काट दिया गया है।

अनिता सिंह गुर्जर और आशु सिंह सुरपुरा

भाजपा ने जयपुर की झोटवाड़ा विधानसभा सीट से जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को प्रत्याशी घोषित किया है। इस बार भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत का टिकट काटकर जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ पर दाव खेला है। वहीं, लंबे समय से झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय होकर सामाजिक सरोकार के कार्य कर रहे आशु सिंह सुरपुरा को भाजपा से टिकट नहीं मिलने से समर्थकों ने नाराजगी जाहिर की है। शहर के एक निजी गार्डन में बुलाई गई एक बैठक में बड़ी संख्या में पहुंचे आशु सिंह सुरपुरा के समर्थकों ने जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से टिकट देने पर आपत्ति जताई है। वहीं, आशु सिंह सुरपुरा ने भी अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि वह निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे उनका चुनाव चिन्ह और उनका चेहरा ही कार्यकर्ताओं का चिह्न है।

भरतपुर जिले की नगर से दो बार की विधायक अनिता सिंह गुर्जर ने साफ शब्दों में कहा कि वसुंधरा राजे का समर्थक होने के कारण उनका टिकट काट दिया गया है। अनिता सिंह ने निर्दलीय चुनाव लड़ने के संकेत दिए हैं। बानसून से पूर्व मंत्री रोहिताश्व शर्मा को टिकट नहीं दिया है। वह भी राजे समर्थक माने जाते हैं।

वहीं, इसी प्रकार देवली-उनियारा से घोषित प्रत्याशी विजय बैंसला का विरोध तेज हो गया है। हजारों समर्थकों ने टोंक प्रभारी रमेश बिधूड़ी के सामने नाराजगी जताई है। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में जयपुर आने का आह्वान किया है।

राजस्थान समेत पांच राज्यों में होने वाले चुनाव को लेकर तारीखों का एलान हो गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के अनुसार राजस्थान में 23 नवंबर का दिन मतदान के लिए तय हुआ है।

100 करोड़ का राजस्व, लेकिन पीने के पानी को तरसते ग्रामीणों ने दी चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

बाड़मेर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर जिले से सरकार को करीब 100 करोड़ रुपये का राजस्व मिलता है। इसके बावजूद यहां के लोग पीने के पानी को तरस जाते हैं। ऐसे में स्थानीय ग्रामीणों ने चुनाव बहिष्कार की चेतावनी दी है। राजस्थान स्टेट मिनरल लिग्नाइट लिमिटेड द्वारा बाड़मेर के गिरल गांव में संचालित हो रही कोयला खदान कार्यरत ट्रक ड्राइवर, कार्मिकों और स्थानीय ग्रामीणों ने शोषण का आरोप लगाते हुए जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने की चेतावनी दी है।

ग्रामीणों का कहना है कि सरकार को गिरल गांव में संचालित हो रही खदान से सालाना 100 करोड़ से ज्यादा का राजस्व मिल रहा है। लेकिन सरकार स्थानीय लोगों की मूलभूत सुविधाओं को लेकर गंभीर नहीं है। स्थानीय ग्रामीण सड़क, पेयजल, पानी और खदान से निकलने वाले धूल और धुएं से परेशान हैं। इस प्रदूषण से स्थानीय ग्रामीणों को गंभीर बीमारियां हो रही हैं और इन खदानों से कोयला परिवहन करने के लिए चल रहे ट्रकों से सड़कों की खस्ता हाल हो रही है। खनन गतिविधियों से पेयजल आपूर्ति से जुड़े पाइपलाइन तक तोड़ दी गई है। कई बार स्थानीय प्रशासन से गांव की सड़कों की मरम्मत करवानी और पेयजल वापस व्यवस्था सुचारू करने की मांग की गई।

किसान की शिकायत पर बीजेपी पर मानहानि का मुकदमा दर्ज

फोटो के गलत इस्तेमाल करने का आरोप

जैसलमेर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। किसान माधुराम का कहना है कि बिना उसकी इजाजत के भाजपा ने अपने पोस्टर में उसका फोटो इस्तेमाल किया है। भाजपा के इस झूठ के कारण मेरी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है।

जैसलमेर में भाजपा के किसानों की जमीन नीलामी वाले पोस्टर पर विवाद बढ़ गया है। पोस्टर में लगी फोटो पर आपत्ति जताने वाले किसान माधुराम ने रामदेवरा थाने में बीजेपी पर मानहानि का मामला दर्ज कराया है। किसान माधुराम का कहना है कि बिना उसकी इजाजत के भाजपा ने अपने पोस्टर में उसका फोटो

इस्तेमाल किया है। माधुराम का कहना है कि मेरी न कोई जमीन नीलाम हुई, न मुझ पर कर्ज है। भाजपा किसानों को झूठा बदनाम करने में लगी है।

भाजपा की ओर से प्रदेशभर में चुनाव को लेकर 'नहीं सहेगा राजस्थान' अभियान चलाया जा गया था। इस दौरान भाजपा ने किसानों से जुड़ा एक पोस्टर जारी किया था। जिस पर किसान माधुराम का फोटो लगा हुआ है। माधुराम का कहना है कि भाजपा किसानों को झूठा बदनाम कर रही है। मेरे न तो कोई जमीन नीलाम हुई है और न ही मेरे ऊपर कोई कर्ज है। भाजपा अपने फायदे के लिए गलत तरीके से उसकी फोटो को इस्तेमाल कर रही है। इसी नाराजगी के चलते किसान माधुराम ने रामदेवरा थाने में बीजेपी के पर मानहानि का मामला दर्ज कराया है।

रामदेवरा थाने में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार भाजपा ने मेरी इजाज़त के बिना मेरा फोटो अपने पोस्टर पर लगा दिया और यह पोस्टर पूरे राजस्थान में लगाया है। भाजपा के इस पोस्टर पर यह लिखा गया है कि 19 हज़ार किसानों की ज़मीन नीलाम हुई है। भाजपा के इस झूठ के कारण मेरी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। मेरी कोई ज़मीन नीलाम नहीं हुई है। मेरे पास 200 बीघा ज़मीन है। किसान माधुराम ने जैसलमेर भाजपा जिला अध्यक्ष, भाजपा ब्लॉक अध्यक्ष और पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

रामदेवरा थानाधिकारी खम्माराम ने बताया कि शिकायत पर कार्रवाई करते हुए धारा 500 के अंर्तगत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में एक किलोमीटर तक फैली आग

सेना के जवानों ने मशक्कत के बाद पाया काबू

जैसलमेर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। गांव गोमट के क्षेत्र पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज के रात भीषण आग लग गई। आग से फायरिंग रेंज का एक किलोमीटर का एरिया आग की चपेट में आ गया। सेना के जवानों ने आग पर काबू पाया।

जिला मुख्यालय से लगभग 102 किलोमीटर दूर पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में रविवार देर रात आग लग गई। आग किन कारणों से लगी अभी इस बात का खुलासा नहीं हो पाया है। देर शाम फायरिंग रेंज में धुआं उठता हुआ नजर आया, ग्रामीणों को तुरंत ही इसकी सूचना दी। तेज हवाओं के चलते आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। एक किलोमीटर का क्षेत्र आग की चपेट में आ गया। रेतीला क्षेत्र होने कारण मौके पर फायर ब्रिगेड नहीं पहुंच पाई। सेना के जवान ही आग पर काबू करने का प्रयास करते रहे। काफी मशक्कत के बाद आग पर क़ाबू पा लिया गया।

डिफेन्स पीआरओ लेफ्टिनेंट कर्नल अमिताभ शर्मा ने बताया कि गांव गोमट के क्षेत्र पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज के आसपास ये हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि स्थिति नियंत्रण में है। सेना के जवान और नागरिक प्रशासन घटनास्थल पर मौजूद हैं। जानमाल या संपत्ति के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

भैरोसिंह के दामाद का टिकट कटा; दीया कुमारी को मिला, मुख्यमंत्री पद के दावेदारों में भी नाम

जयपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। दीया कुमारी की जयपुर की राजनीति में एंट्री हो गई है। सियासी जानकार इसके अलग-अलग मायने निकाल रहे हैं। कुछ लोग दीया कुमारी को मुख्यमंत्री के तौर पर प्रोजेक्ट कर रहे हैं।

विधानसभा चुनाव की तारीखों के एलान के बाद ही भारती जनता पार्टी ने अपने 41 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी करके हंगामा मचा दिया है। हंगाम इस वजह से क्योंकि लिस्ट में कई नाम चौंकाने वाले हैं। टिकट की उम्मदी लगाए बैठे मजबूत दावेदारों में हंगामा मच गया है। इसी में एक नाम बीजेपी ने पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोसिंह के दामाद नरपत सिंह राजवी का है। नरपत सिंह का टिकट काटकर जयपुर की विद्याधर सीट से सांसद दीया कुमारी को टिकट दिया गया है। दीया कुमार राजसंमद से सांसद है।

नरपत सिंह राजवी को उम्मीद थी कि उनकी जगह उनके बेटे को पार्टी से टिकट दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। ऐसा भी नहीं कि राजवी रिपोर्ट खराब हो। राजवी विद्याधर नगर से लगातार चुनाव जीत रहे थे। इसके बावजूद उनका टिकट काट दिया गया है।

लिस्ट के सामने आते ही टिकट कटने से नाराज दावेदारों ने भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। दावेदारों की नारजगी झेल रही भाजपा के लिए ये अच्छा है कि इस उठापटक में दीया कुमारी की जयपुर की राजनीति में एंट्री हो गई है। सियासी जानकार इसके अलग-अलग मायने निकाल रहे हैं। कुछ लोग दीया कुमारी को मुख्यमंत्री के तौर पर प्रोजेक्ट कर रहे हैं।

वसुंधरा राजे समर्थक राजपाल सिंह शेखावत और नरपत सिंह राजवी का टिकट काट दिया गया है। नरपत सिंह राजवी पूर्व उपराष्ट्रपति और बीजेपी के दिग्गज नेता रहे भैरोसिंह शेखावत के दामाद हैं। जयपुर की विद्याधर नगर से कई बार विधायक बने हैं। सियासी जानकारों का कहना है कि बीजेपी की पहली लिस्ट में वसुंधरा राजे की नहीं चली है। वसुंधरा राजे ने जिन नामों की पैरवी की थी उन्हें पार्टी आलाकमान ने नहीं माना है।

सियासी जानकारों का कहना है कि बीजेपी की पहली लिस्ट में वसुंधरा राजे की अनदेखी की गई है। बीजेपी के 41 नामों की लिस्ट वसुंधरा राजे समर्थक नहीं हैं। सियासी जानकारों का कहना है कि लिस्ट देखने के बाद एक बात तो साफ हो जाती है कि पार्टी आलाकमान ने गुटबाजी करने वालों को टिकट नहीं दिया है। किसी नेता के समर्थक को टिकट नहीं दिया गया है। पहली लिस्ट में जयपुर के झोटवाड़ा से वसुंधरा राजे समर्थक राजपाल सिंह की जगह राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को टिकट दिया गया है।

चुनाव तारीख से खुश नहीं महामंडलेश्वर

जानकार भी कह रहे 15 प्रतिशत वोट गिरने की बात, क्या है वजह

जयपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश में चुनाव 23 नवंबर यानी देव उठनी ग्यारस पर होना तय हुआ है, प्रदेश में पिछले साल लगभग 60 हजार शादी हुई थीं, जोकि रिकार्ड है, इस वर्ष भी यह आंकड़ा लगभग समान रहने वाला है, शादी की धूमधाम चुनाव पर खासा प्रभाव डाल सकती है।

राजस्थान में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही एक नया विवाद सामने आ गया है। उस दिन देवउठनी एकादशी भी है। वैसे तो देवउठनी एकादशी एक पावन पर्व माना जाता है, इस दिन बिना मुहूर्त के भी सब मांगलिक कार्य किए जा सकते हैं। 23 नवंबर देव

उठनी एकादशी के दिन को ही चुनाव आयोग ने मतदान के दिन के रूप में चुना है, जिसका एक बड़ा प्रभाव राजस्थान में वोट की प्रतिशत पर होने की संभावना जताई जा रही है। इसको लेकर अंतरराष्ट्रीय हरिशेवा धाम के महंत और महामंडलेश्वर हंसराम ने चुनाव आयोग से तारीख बदलने की मांग की है।

प्रदेश में पिछले वर्षों को देखे तो जो शादियां होटल और गार्डन में हुई हैं उनका आंकड़ा लगभग 50 हज़ार रहा है, पिछले साल यह आंकड़ा 60 हज़ार रहा है, इसमें वो शादियां शामिल नहीं है, जो निजी प्लॉट, घर और अन्य स्थानों पर हुई हैं। शादियों का हर समाज में अपना महत्व और प्रभाव होता है, प्रदेश में शादियों का असली माहौल ग्रामीण इलाकों में होता है, जहां आज भी शादी एक पांच दिन का उत्सव है। आज भी ग्रामीण इलाकों में पूरा गांव एकत्र होकर शादी में जाता है, इसका सीधा प्रभाव वोटिंग पर नजर आने वाला है। शादियों में जाने के लिए लोग एक दिन पहले ही निकल जाते हैं और अगले दिन वापसी करते हैं।

जीडिमेटला सीरवी समाज का नवरात्रि महोत्सव 15 से

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर मे रविवार 15 अक्टूबर से सोमवार 23 अक्टूबर तक समाज बन्धुओं के सानिध्य मे नवरात्रि महोत्सव एवं डी.जे. की धुन पर रंगारंग डांडिया नृत्य कार्यक्रम प्रतिदिन आयोजित किया जाएगा। सचिव नारायणलाल बरपा ने बताया कि नवरात्रि महोत्सव रविवार 15 अक्टुबर से सोमवार 23 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रतिदिन पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ प्रात: 7.31 बजे से 10.31 बजे तक रहेगा। पूर्णाहुति कार्यक्रम सोमवार 23 अक्टूबर प्रात: 7.15 बजे से 11 बजे तक किया जाएगा। रविवार 15 अक्टूबर को रात्रि 9.15 बजे से एक शाम श्री आईमाता के नाम जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमें रविन्द्रसिंह राजपुरोहित एंड पार्टी माई के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। सोमवार 16 अक्टूबर से सोमवार 23 अक्टूबर तक रात्रि 9.15 बजे से 11.30 बजे तक समाज बन्धुओं के सान्निध्य में नवरात्रि महोत्सव डी.जे.की धुन पर रंगारंग डांडिया नृत्य मंदिर प्रांगण मे आयोजित किया जाएगा। डांडिया नृत्य कार्यक्रम में सीरवी समाज बन्धु ही भाग ले सकते हैं। डांडिया कार्यक्रम के मध्य फोटो व विडियोंग्राफी पर प्रतिबंध रहेगा। हवन मे बैठने के लिए समाज बन्धु अपना नाम अध्यक्ष मांगीलाल काग, सचिव नारायणलाल बरपा के पास सम्पर्क कर दे सकते है। अध्यक्ष मांगीलाल काग ने समाज बन्धुओं से निवेदन किया है कि नवरात्रि महोत्सव मे पूजा-अर्चना में भाग लें।

करमनघाट सीरवी समाज का रंगारंग डांडिया नृत्य 15 से

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर में रविवार 15 अक्टूबर से सोमवार 23 अक्टूबर तक समाज बन्धुओं के सानिध्य में नवरात्रि महोत्सव एवं डी.जे. की धुन पर रंगारंग डांडिया नृत्य कार्यक्रम प्रतिदिन आयोजित किया जाएगा। प्रेस विज्ञप्ति में सचिव पुखराज चोयल ने बताया कि प्रतिदिन पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ प्रात: 7.15 बजे से 10.15 बजे तक एवं शाम 8.15 बजे से 10.30 बजे तक डांडिया नृत्य कार्यक्रम रहेगा। रविवार 22 अक्टूबर रात्रि 9.15 बजे से एक शाम श्री आईमाता के नाम जागरण का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रह्लादसिंह टोकरला एंड पार्टी माई के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। रविवार 22 अक्टूबर समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण मे सायं 6.15 बजे से रात्रि 9 बजे तक रहेगी। पूर्णाहुति कार्यक्रम 23 अक्टूबर प्रात: 7.15 बजे से 11 बजे तक रहेगी। अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा ने समाज बन्धुओं से निवेदन किया है कि नवरात्रि महोत्सव में पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ, भजनों के कार्यक्रम मे सपरिवार भाग लेकर, माँ श्री आईजी का दर्शनकर, कार्यक्रम का लाभ लें।

7 तेलंगाना गर्ल्स बटालियन का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनसीसी में वार्षिक प्रशिक्षण शिविर कैडेटों के लिए प्रशिक्षण की परिणति है जिसमें वे शारीरिक प्रशिक्षण, योग, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, ड्रिल अभ्यास, फायरिंग, व्यक्तित्व विकास, सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गुजरते हैं। ज्ञान को आत्मसात करने और कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में कैडेट के क्षितिज को खोलने के उद्देश्य से कई अतिथि व्याख्यान भी आयोजित किए जाते हैं। कैडेट विभिन्न खेलों और खेल प्रतियोगिताओं में भी भाग लेते हैं। कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं जिनमें कैडेट एकल और समूह कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। एनसीसी ग्रुप हैदराबाद के 7 तेलंगाना गर्ल्स बटालियन भाग का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर 01 से 10 अक्टूबर 2023 तक बाइसन ट्रेनिंग ग्राउंड, सिकंदराबाद में आयोजित किया गया था। कुछ महत्वपूर्ण व्याख्यान-सह-प्रदर्शन जैसे मिस डॉ. चिन्मई द्वारा 'युवा दिमाग पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नकारात्मक प्रभाव, इस्कॉन से मिस रोमा द्वारा 'माइंडफुलनेस', हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस द्वारा 'ट्रैफिक कंट्रोल अवेयरनेस प्रोग्राम', 'फायर फाइटिंग टेक्निक्स' तिरुमलगिरी फायर स्टेशन, साइबराबाद सुरक्षा परिषद सोसायटी द्वारा 'साइबर अपराध कार्यक्रम', साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय, गाचीबोवली, हैदराबाद में शिविर में भाग लेने वाले सभी कैडेट और कर्मचारी अतिथि व्याख्यान से अत्यधिक लाभान्वित हुए।

नवीकरण पाठ्यक्रम से अपने भाषा कौशलों का विकास करें : प्रो. कुलकर्णी

केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र द्वारा 464वें नवीकरण पाठ्यक्रम शुरू

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के हैदराबाद केंद्र द्वारा एससीईआरटी, पोरवरीम, गोवा में गोवा राज्य के हिंदी अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए आयोजित 464वें नवीकरण पाठ्यक्रम का उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में विद्या प्रबोधिनी कॉलेज, गोवा के प्राचार्य प्रो. भूषण भावे तथा सम्माननीय अतिथि के रूप में एससीईआरटी, गोवा के निदेशक डॉ. एस. एस. घाड़ी, विशिष्ट अतिथि के रूप में एससीईआरटी, गोवा के समन्वयक डॉ. गोपाल प्रधान एवं अतिथि प्रवक्ता डॉ. संध्या दास उपस्थित थे। डॉ. गंगाधर वानोडे, क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र इस नवीकरण पाठ्यक्रम के संयोजक हैं। इस नवीकरण पाठ्यक्रम में गोवा राज्य के कुल 86 हिंदी अध्यापकों ने भाग लिया। डॉ. गंगाधर वानोडे, क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र ने अतिथियों का स्वागत किया एवं अतिथियों का परिचय दिया। गोवा राज्य के हिंदी अध्यापक प्रतिभागियों ने अपना मंतव्य देते हिंदी भाषा को पढ़ते एवं पढ़ाते समय आने वाली समस्याओं का समाधान करने की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि गोवा में पढ़ाने वाले अध्यापकों में ह्रस्व-दीर्घ की समस्याएँ कोंकणी, 9वीं एवं 10वीं में सरल कविताएँ नहीं होती हैं उसे किस प्रकार पढ़ानी हैं, इस पाठ्यपुस्तक को पढ़ाते समय आनेवाली समस्याओं का समाधान करने का निवेदन किया।

मुख्य अतिथि प्रो. भूषण भावे ने कहा कि व्याकरण हँसते-खेलते पढ़ाने का विषय है। पद्य पढ़ाने की अपनी शैली होती है। इनको किस प्रकार पढ़ाना है, यह जानना आवश्यक है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. गोपाल प्रधान ने कहा कि हिंदी अध्यापकों को हिंदी में दक्ष होना चाहिए। हिंदी की दक्षता को बढ़ाने के लिए ऐसे नवीकरण पाठ्क्रम कारगर सिद्ध होते हैं। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील कुलकर्णी ने कहा कि सबकी बोलने की शैलियाँ अगल-अलग होती हैं जिससे आपके ज्ञान में वृद्धि होगी। नवीकरण पाठ्यक्रम में केवल हम हिंदी का ज्ञान ही ग्रहण नहीं करते बल्कि अलग-अलग कौशल, गुणों की अभिव्यक्ति इस प्रकार के प्रशिक्षणों दरमियान बाहर आती है। आज देश में बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अधिक मात्रा में आई हैं और अपने उत्पाद खरीद व बेच रही हैं। इसी स्थिति में बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम करने वाले विशेषज्ञों, कामगारों को बहु-कौशल को विकसित होना चाहिए। कार्यक्रम का सफल संचालन अतिथि प्रवक्ता डॉ. संध्या दास द्वारा किया गया। केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र की सदस्या डॉ. एस. राधा ने आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

दम्पति ने जीवन लीला समाप्त की, दो बच्चे अनाथ हो गए

पेद्दापल्ली, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को मंथनी मंडल के एकलासपुर गांव नेल्लीपल्ली में एक जोड़े की कथित तौर पर आत्महत्या से मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, कट्टुकु अशोक (32) और उनकी पत्नी संगीता (27) की उनके घर में कीटनाशक खाकर आत्महत्या करने की आशंका है। हालांकि सटीक कारण अभी तक ज्ञात नहीं है, लेकिन कहा जाता है कि वित्तीय समस्याओं ने जोड़े को चरम कदम उठाने के लिए उकसाया था। अशोक और संगीता के दो बच्चे हैं।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा अग्र भारतीय नारी उत्सव कल

हैदराबाद, 10 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। 5147वीं अग्रसेन महाराज जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य अग्रवाल समाज नारी शक्ति के संयोजन में अग्र नारी उत्सव समारोह का आयोजन 12 अक्तूबर को सिकंदराबाद स्थित क्लासिक गार्डन में किया जा रहा है। इस उत्सव के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, मेला, तंबोला के साथ साथ महिलाओं के लिए श्रृंगार सम्बंधित प्रियोगिताओं का भी आयोजन किया जा रहा है। प्रेस विज्ञप्ति में संयोजक श्रीमती ऋतु अग्रवाल ने बताया कि यह अपने आप में एक अनोखा ,महिलाओं को प्रोत्साहित करने वाला कार्यक्रम होगा।

यह कार्यक्रम मात्र महिलों के लिए ही होगा। कार्यक्रम का समय दोपहर 12 बजे सांय 4 बजे तक रहेगा। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल एवम अग्रवाल समाज के उपाध्यक्ष व जयंती के प्रधान संयोजक पुरषोत्तम अग्रवाल ने अग्रवाल नारी शक्ति से इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में हिस्सा लेने का विशेष आग्रह किया है।

जनसेवा संघ संचालन समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के खैरताबाद स्थित केंद्रीय कार्यालय में संचालन समिति की बैठक संस्था के अध्यक्ष एलएम चौधरी के नेतृत्व में आयोजित की गई। सभा में संस्था के प्रेरणास्रोत पूर्व आईपीएस अधिकारी विनय कुमार सिंह उपस्थित हुए। उन्होंने संस्था की गतिविधियों का सर्वेक्षण करते हुए संस्था के विकास और प्रबल बनाने के लिए कार्य योजना का खांचा तैयार किया। संचालन समिति के सदस्यों के द्वारा भिन्न-भिन्न क्षेत्र में क्षेत्रीय समिति गठित करने का व्यवस्था करने को कहा। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि कोई भी संस्था मजबूत स्थिति में तभी आती है जब उसके क्षेत्रीय सदस्य यानी कि क्षेत्रीय समिति काम करती है। इसलिए सभी संचालन समिति के सदस्यों को अपने-अपने एरिया में क्षेत्रीय अध्यक्षों के द्वारा सदस्यता अभियान शुरू करने के लिए प्रेरित किया। उत्सव कमेटी के चेयरमैन आरपी सिंह ने क्षेत्रीय कमेटी का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए बताया कि श्रीकांत पांडेय को मेडचल, मनोहराबाद, कलाकल, परमानंद शर्मा को नारायणगुड़ा, गांधीनगर, मुशीराबाद, डॉ. अमित को हयातनगर, वनस्थलीपुरम, एलबी नगर, डीडी तिवारी कोंमपल्ली, पेटबशीराबाद, डुँडिगल, एलएम चौधरी को मियापुर, चंदानगर, कुकटपल्ली, गोविंद तिवारी को चर्ल्लापल्ली, केसरगुट्टा, कुशाईगुड़ा, हरेंद्र चौबे को सनतनगर, मधापुर, मल्काजगीरी, नेरेडमेट, आरके पुरम, आरपी सिंह को काचीगुड़ा, नल्लाकुंटा, मलकपेट, एसए खान को बोलाराम, शामीरपेट, मनीष चौबे को आईडीए बोलाराम, सदाशिवपेठ, जोगीपेट, वीडी चौबे को नरसापुर, इसनापुर, संगारेड्डी सुशील श्रीवास्तव चिक्कड़पल्ली, रामगोपालपेट चिल्कालगुड़ा, रजीव रंजन चौबे को जवाहर नगर तुकाराम गेट, नचाराम गोपालापुरम लल्लागुड़ा, मारेडपल्ली, हरि सिंह को बेगमपेट, नामपल्ली, महाकाली, शमशाबाद, मोंडा मार्केट, सुनील श्रीवास्तव को कारखाना, बोइनपल्ली, तिरुमलगिरी, एके मिश्रा को बालापुर पहाड़ी शरीफ, कंचनबाग, चारमीनार सुधीर जायसवाल को कुलसुमपुरा, आसिफनगर, लंगर हाउस, सीताराम ठाकुर को मेडिपल्ली, नारायण ओझा को मुशीराबाद, चिक्कड़पल्ली, सुल्तान बाजार, पीएन पांडेय को फलकनुमा, चंद्रायणगुट्टा, मदन्नापेट, मनीष चौबे को जीड़िमेटला, जगदीरगुट्टा, बलानगर, केपीएचबी, सत्य प्रकाश सिंह को मीरपेट, आदिबट्ला, बालापुर, विनीत कुमार सिंह को आरसी पुरम, हमीरपुर, धनंजय गिरी को नरसिंगी, रायदुर्गम, गच्चीबौली नानकरामगुड़ा का प्रभारी बनाया गया।

पाकिस्तान की डायरी पुस्तक व द्वितीय कवि सम्मेलन का आयोजन संपन्न

हैदराबाद, 10 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी लेखक संघ हैदराबाद और गीत चाँदनी के संयुक्त तत्वावधान में कीर्तिशेष नेहपाल सिंह वर्मा की 87वीं जयंती पर स्व. नेहपाल सिंह वर्मा द्वारा लिखित पाकिस्तान की डायरी पुस्तक का लोकार्पण व द्वितीय कवि सम्मेलन का आयोजन गीत चाँदनी धाम में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। वरिष्ठ कवि रामदास कृष्णा कामत मुख्य अतिथि और श्रीमती उर्मिला वर्मा विशेष अतिथि थी। उर्दू के वरिष्ठ शायर जनाब सलाहुद् दीन नय्यर ने पाकिस्तान की डायरी पुस्तक का लोकार्पण किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मिलिंद प्रकाशन की संचालिका श्रीमती विभा भारती ने की। डॉ. राजनारायण अवस्थी, श्रुतिकांत भारती, ठाकुर दिनेश सिंह और जनाब अब्दुल हमीद ख़ान ने लोकार्पित पुस्तक पर अपने-विचार प्रस्तुत किये। इस अवसर पर नगर के कवि काव्य पाठ कर वरिष्ठ कवि नेहपाल सिंह वर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित किये। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता गीत चाँदनी के अध्यक्ष गीतकार चंपालाल बैद ने की और संचालन संस्था के कार्यदर्शी व कवि गोविंद अक्षय ने किया। कवि सम्मेलन में कविता पाठ करने वाले कवियों में कवि संतोष कुमार मिश्र माधुर्य, रत्नकला मिश्र, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, चंपालाल बैद, गोविंद अक्षय, रामदास कृष्णा कामत, जनाब सलाहुद् दीन नय्यर, ठाकुर दिनेश सिंह, अब्दुल हमीद ख़ान, पुष्पा वर्मा, सदानद लाल गोगीकार, शोभा देशपांडे, दुर्गाराज पटून, अनिल कुमार गुप्ता, डी. प्रेमराज, जी. परमेश्वर, रेखा देवी, दीपक चिडालिया वाल्मीकि आदि के नाम प्रमुख हैं।

अखंड ज्योत रथयात्रा का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नाचाराम मल्लपुर शाखा और कृष्ण सखिया ने महाराज अग्रसेन की 5147वीं जयंती के अवसर पर अखंड ज्योत रथयात्रा का भव्या स्वागत किया। तदुपरांत महाराज अग्रसेन की पूजा-अर्चना कर शाखा स्तर पर जयंती मनाई, जिसमें हमने सांस्कृतिक कार्यक्रम, अग्रसेन कथा और पौराणिक कथाओं पर आधारित प्रश्नोत्तरी और तंबोला खेल का आयोजन किया। इस अवसर पर अपने वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में दिलीप पंसारी और कोठापेट शाका के पदाधिकारी उपस्थित थे। नाचाराम मल्लपुर शाखा की तरफ से अध्यक्ष प्रदीप कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्षसुनील अग्रवाल, सचिव-प्रतीक कुमार नारसरिया, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण गोयल, केएस-भुनेश्वर अग्रवाल और अन्य शाखा सदस्य उपस्थित रहे। कृष्णासखिया की तरफ से अध्यक्ष राधिका अग्रवाल, उपाध्यक्ष अंतिमा अग्रवाल, सचिव बबीता अग्रवाल, संयुक्त सचिव निशा गुप्ता, कोषाध्यक्ष माया नारसरिया, केएस मंदाकिनी अग्रवाल और अन्य सखिया उपस्थित थे। कार्यक्रम में पुरुषों में सुरेश जीतपुरिया, पवन कुमार नारसरिया, प्रकाश नारसरिया, रामबाबू अग्रवाल, दामोदर केजरीवाल, सुरेश जाखनीवाल, विकास जाखनीवाल, अमित जाखनीवाल, विनोद गोयल, सतीश गोयल, विकास गुप्ता, दीपक मित्तल, अनिल अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल,मोहन नारसरिया,राहुल अग्रवाल, नकुल गर्ग, प्रवीण जाखनीवाल, महावीर प्रसाद अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, ज्वाला मोहन गुप्ता, रीतेश अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल और अन्य उपस्थित थे। महिलाओं में वनिता अग्रवाल, अंजू गोयल, पिंकी जीतपुरिया और अन्य उपस्थित थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

किसान एग्री मॉल द्वारा पैन इंडिया स्केलअप हेतु फ्रेंचाइज़ मॉडल लॉन्च

हैदराबाद, 10 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी कृषि इनपुट रिटेल चेन "किसान एग्री मॉल" द्वारा पैन इंडिया स्केलअप हेतु अपना फ्रेंचाइज़ मॉडल लॉन्च किया गया। इस संदर्भ में, किसान एग्री मॉल (केएएम) ने मैनेज (राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान, राजेंद्रनगर में मैनेज, महानिदेशक डॉ. पी. चंद्रशेखर, नाबार्ड मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती सुशीला चिंताला और मैनेज निदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. सरवनन राज की उपस्थिति में अपना एफओएफओ (फ्रैंचाइज़ी स्वामित्व और फ्रेंचाइज़ी संचालित) मॉडल लॉन्च किया है। गौरतलब है कि भारतभर में उद्योग, सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एग्रीप्रूनरशिप (सीआईए), मैनेज (राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान), हैदराबाद, में किसान एग्री मॉल गुणवत्ता का पर्याय, भरोसा, और कृषि परामर्श आदि इन 3 मुख्य सिद्धांतों के साथ, किसान एग्री मॉल "वन-स्टॉप" के रूप में मशहूर है।फसल कटाई के उपरांत समाधान के लिए बीज उपलब्ध कराने का गंतव्य'' संपूर्ण फसल मूल्य श्रृंखला को कवर करता है।

अब गर्मी से कोई राहत नहीं, लगातार बढ़ रहा है तापमान

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अक्टूबर माह आने के बावजूद, हैदराबाद के निवासी वर्तमान में शुरुआती गर्मियों की याद दिलाने वाली मौसम की स्थिति से जूझ रहे हैं। शहर में तापमान में वृद्धि हो रही है, कई क्षेत्रों में तापमान लगातार 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बढ़ रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) का अनुमान है कि तेज़ गर्मी के इस दौर से तत्काल राहत की कोई उम्मीद नहीं है।

आईएमडी-हैदराबाद के वैज्ञानिक डॉ. ए. श्रावणी ने कहा कि हम वर्तमान में मानसून से सर्दियों के संक्रमण काल में हैं। इस संक्रमण चरण के दौरान इस तरह की तीव्र गर्मी असामान्य नहीं है। जबकि दक्षिण तेलंगाना के कुछ जिलों में छिटपुट बारिश हो सकती है, हैदराबाद सहित अन्य सभी जिलों के शुष्क रहने की उम्मीद है।

डॉ. श्रावणी ने कहा कि नवंबर से तापमान में गिरावट का अनुमान है, जो सर्दियों की शुरुआत का संकेत है। नवंबर के दूसरे सप्ताह के दौरान हैदराबाद में मौसम के मिजाज में महत्वपूर्ण बदलाव देखने की उम्मीद है।

सीताफलमंडी में मंगलवार को सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया, जो 37.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने कहा है कि यह बढ़ता तापमान महीने के अंत तक जारी रहने की उम्मीद है, जिससे हैदराबाद सहित पूरा राज्य प्रभावित होगा।

एक करोड़ से अधिक किसानों के खातों में 1720 करोड़ डालेगी सरकार

मुंबई, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार नमो शेतकारी महासंमान निधि योजना के तहत धनराशि की पहली किश्त के रूप में किसानों को 1,720 करोड़ रुपये का वितरण करेगी। मंगलवार को सरकार ने अहम फैसले में पैसों के वितरण को मंजूरी दी। महाराष्ट्र सरकार के कृषि विभाग की तरफ से संकल्प पत्र जारी किया गया।

राज्य कृषि विभाग के संकल्प में कहा गया था कि सरकारी खजाने से जो राशि जारी की जाएगी, वह सीधा किसानों के बैंक खातों में जमा की जाएगी। गौरतलब है कि सरकार की इस नई वित्तीय योजना जिसके तहत राज्य के 1 करोड़ से अधिक किसानों को सालाना 6,000 रुपये का भुगतान किया जाएगा। किसानों को लाभ देने संबंधी इस प्रस्ताव को मई में कैबिनेट बैठक में मंजूरी दी गई थी।

बता दें कि उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली सरकार गिरने के बाद जब एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बने तो वित्त मंत्रालय ने इस योजना की घोषणा की थी। वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उस समय वित्त विभाग संभाल रहे थे। उन्होंने विधानसभा में किसानों को आर्थिक मदद देने की योजना का एलान किया था।

कुम्भ मेला अग्रवाल बंधू व अशोक फाउंडेशन द्वारा संस्थापक अध्यक्ष अशोक कुमार अग्रवाल के स्मृति दिवस पर आयोजित अन्नदान कार्यक्रम में भाग लेते हुए पंकज कुमार अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, रबीन्द्र कुमार नारनौली, राजकमल भट्टड़, पवन भट्टड, सुनील, शेष गोयल, श्रीनिवास, अन्य कार्यकर्तागण।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

कश्मीर में अब...

उन्होंने कहा कि कल चुनाव आयोग ने चुनाव आयोग की घोषणा की क्या आप तेलंगाना में फिर से केसीआर सरकार को लाना चाहते हो। आपकी आवाज बताती है कि 3 दिसंबर को यहां मोदी सरकार बन रही है।

अमित शाह ने आदिलाबाद की रैली में कहा कि मैं छोटा था तब यहां आया था तो कोमराम भीम का नाम सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते थे। उन्होंने आजादी के लिए लड़ाई लड़ी। ये वही भूमि है जिसने आजादी के लिए दो लड़ाइयां लड़ीं। देश ने सिर्फ अंग्रेजों से आजादी की लड़ाई लड़ी, लेकिन तेलंगाना पहले अंग्रेजों के खिलाफ लड़ा और फिर निजामों से। हाल ही में मोदी जी तेलंगाना आए थे। उन्होंने तीन योजनाओं का उद्घाटन किया। पीएम मोदी यहां सेंट्रल आदिवासी यूनिवर्सिटी बनाना चाहते थे, लेकिन केसीआर इसे बनने नहीं दे रहे थे। अब मोदी सरकार 950 करोड़ की लागत से यह यूनिवर्सिटी बना रहे हैं।

केसीआर तेलंगाना में घोघला प्रचार कर रहे हैं कि मैंने राज्य को नंबर वन बना दिया, जो बिलकुल झूठ है। सिर्फ किसानों की आत्महत्या के मामलों में तेलंगाना नंबर वन बन गया है और महिलाओं और बच्चों से अपराध के मामले में तेलंगाना नंबर वन बन गया है।

केसीआर सिर्फ अपने परिवार के बारे में सोचते हैं। आदिलाबाद में हवाई पट्टी बननी थी, आदिवासी भाई-बहनों को दो बेडरूम के घर देने थे, लेकिन कुछ नहीं हुआ। उनके सारे वादे झूठे हैं और उसके इरादे खराब हैं।

आप सभी ने 2014 और 2019 के चुनावों के दौरान पीएम मोदी जी पर बहुत प्यार बरसाया है। अब समय आ गया है कि तेलंगाना को डबल इंजन सरकार बने।

अजित पवार ने...

मैं सकारात्मक और विकास की राजनीति में भरोसा करता हूं। किसी भी काम को उसके तार्किक अंत तक ले जाना और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना ही मेरा विश्वास है।

उन्होंने आगे कहा कि राकांपा छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा फुले, शाहू महाराज, डॉ.बीआर अंबेडकर और यशवंतो चव्हाण के आदर्शों में विश्वास करती है। मेरे नेतृत्व में पार्टी इस विरासत को जारी रखेगी। अजित पवार ने आगे कहा, महाराष्ट्र के राजनीतिक इतिहास में कई शीर्ष नेताओं ने अलग राजनीतिक रुख अपनाया है। हर राजनीतिक नेता मौजूदा राजनीतिक और सामाजिक स्थिति के आधार पर अपना रुख तय करता है।

उन्होंने कहा, मेरे नेतृत्व में राकांपा ने दो जुलाई, 2023 को इसी तरह का रुख अपनाया और राज्य सरकार में शामिल हो गई। उन्होंने कहा कि राकांपा किसानों, युवाओं, महिलाओं और समाज के विभिन्न वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए काम करेगी। अजित ने आगे कहा, हम 100 दिनों से इस रास्ते पर चल रहे हैं और आगे भी चलते रहेंगे।

एशियाई खेलों में कमाल करने वाले खिलाड़ियों से मिल पीएम मोदी

ने कहा- आपने स्वर्ण पदकों की झड़ी लगा दी

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। एशियाई खेलों में भारत ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और कुल 107 पदक जीते। भारत के 100 पदक पूरे होने के बाद ही प्रधानमंत्री ने सभी खिलाड़ियों का स्वागत करने की बात कही थी। खिलाड़ियों के देश लौटने पर प्रधानमंत्री ने अपना वादा पूरा किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशियाई खेल 2023 में कमाल करने वाले खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और अन्य नेता भी मौजूद रहे। दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में हुए इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने हांगझोऊ से लौटे सभी खिलाड़ियों का स्वागत किया। भारत ने इस बार एशियाई खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 107 पदक अपने नाम किए और नया कीर्तिमान बनाया। पीएम मोदी एशियाई खेलों के दौरान लगातार खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते रहे थे और हर पदक जीतने पर उन्हें बधाई दी थी।

खिलाड़ियों के स्वागत समारोह में खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा ₹आपने खिलाड़ियों को जो सुविधाएं दी थीं और जिस तरह से उन्हें आगे बढ़ाया था। उसे खिलाड़ियों ने व्यर्थ नहीं जाने दिया। खिलाड़ियों ने अपना पसीना बहाकर देश को 107 पदक दिलाए हैं। अब पेरिस ओलंपिक में भी हमारे खिलाड़ी नया इतिहास रचेंगे।

इस कार्यक्रम में एक डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई, जिसमें बताया गया कि 2014 की तुलना में भारत के खेल बजल कितना बदला है और कैसे देश में हर खेल की हालत बेहतर हुई है। 2014 की तुलना में देश का केल बजट तीन गुना हो चुका है। खेलो इंडिया जैसी योजनाओं ने देश के कोने-कोने और हर गांव से खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। वहीं, टॉप्स जैसी योजनाओं ने राष्ट्रीय स्तोर के खिलाड़ियों को सभी सुविधाएं दिलाई हैं, जिससे वह देश के लिए पदक जीत रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने सभी खिलाड़ियों और उनके परिवार को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हर चीज की शुरुआत घर से होती है और इसकी शुरुआत के लिए सभी खिलाड़ियों के माता-पिता बधाई के पात्र हैं। उन्होंने आगे कहा कि एशियाई खेलों में हमारा ऐतिहासिक प्रदर्शन दर्शाता है कि हम सही दिशा में जा रहे हैं। उन्होंने खिलाड़ियों की तारीफ में कहा कि आप लोगों ने तो स्वर्ण पदकों की बारिश कर दी। ऐसा लग रहा था कि हमारी बेटियां ट्रैक एंड फील्ड में सबसे आगे रहने के लिए ही उतरी हैं।

इससे पहले एशियाई खेलों में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 70 पदक जीतने का था। 2018 जकार्ता में हुए एशियाई खेलों में भारत ने 70 पदक जीते थे। इस बार भारत ने सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए 107 पदक जीते और स्वर्ण पदक जीतने का नया रिकॉर्ड भी बनाया। भारतीय दल इस बार 100 पार का नारा लेकर चीन के हांगझोऊ रवाना हुआ था और इसे हकीकत में बदलने के बाद ही वापस लौटा है।

पवन सेहरावत प्रो-कबड्डी इतिहास के सबसे महंगे प्लेयर बने

तेलुगु टाइटंस ने 2.60 करोड़ में खरीदा; मोहम्मदरेजा शादलू सबसे महंगे विदेशी

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रो-कबड्डी लीग के ऑक्शन में ऐतिहासिक बोली देखने को मिली। भारतीय कबड्डी टीम के कप्तान पवन कुमार सेहरवात को तेलुगु टाइटंस ने 2.605 करोड़ रुपए में खरीदा। इसी के साथ पवन पीकेएल इतिहास के सबसे महंगे प्लेयर बने। वह पिछले ऑक्शन में भी सबसे महंगे प्लेयर बने थे, तब तमिल थलाइवास ने उन्हें 2.26 करोड़ रुपए में खरीदा था।

ऑक्शन के पहले दिन ईरान के मोहम्मदरेजा शादलू सबसे महंगे विदेशी प्लेयर बने। उन्हें पुणेरी पल्टन ने 2.35 करोड़ रुपए में खरीदकर लीग इतिहास का सबसे महंगा प्लेयर बना दिया था। लेकिन फिर पवन का नाम आ गया और सबसे महंगे प्लेयर का टैग शादलू से हटकर पवन पर पहुंच गया। कुल 23 प्लेयर्स बिके। नीलामी मंगलवार को दूसरे और आखिरी दिन सुबह 10:00 बजे से फिर शुरू होगी। पीकेएल भारत में हर साल होने वाला कबड्डी का फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट है, जो इस साल 2 दिसंबर से शुरू होगा।

23 खिलाड़ी बिके, इनमें 20 भारतीय

पीकेएल सीजन 10 के लिए मुंबई के जियो कन्वेंशन सेंटर ने मिनी ऑक्शन हुआ। सभी टीमें अपने स्क्वॉड में बची हुई जगह को भर रही है। भारत समेत कुल 13 देशों के 500 से ज्यादा प्लेयर्स को ऑक्शन में जगह मिली। लेकिन ऑक्शन के पहले दिन 23 खिलाड़ी ही बिके। इनमें ईरान के 3 और 20 भारत के रहे।

ईरान के 3 खिलाड़ी बिके, 2 करोड़पति बने

ईरान के 3 खिलाड़ियों को ऑक्शन में खरीदा गया, इनमें से 2 को डेढ़ करोड़ रुपए से ज्यादा की कीमत मिली। ऑलराउंडर मोहम्मदरेजा शादलू को पुणेरी पल्टन ने 2.35 करोड़ रुपए में खरीदा। वह पीकेएल इतिहास के सबसे महंगे विदेशी प्लेयर बने। वहीं ईरान नेशनल टीम के कप्तान डिफेंडर फजल अतराचली को गुजरात जायंट्स ने 1.60 करोड़ रुपए में खरीदा।

ऑक्शन में बिकने वाले ईरान के तीसरे प्लेयर ऑलराउंडर मोहम्मद नबीबख्श रहे, जिन्हें भी गुजरात जायंट्स ने ही खरीदा। लेकिन उन्हें 22 लाख रुपए की कीमत मिली।

20 भारतीयों में 3 करोड़पति बने

ऑक्शन में 20 भारतीय प्लेयर खरीदे गए। इनमें से 3 करोड़पति बने। रैडर सिद्धार्थ देसाई को हरियाणा स्टीलर्स ने एक करोड़ रुपए में खरीदा। पवन सेहरावत 2.605 करोड़ रुपए में तेलुगु टाइटंस का हिस्सा बने। वहीं बंगाल वॉरियर्स ने टीम के स्टार रैडर मनिंदर सिंह को 2.12 करोड़ रुपए की बोली लगाकर खरीदा।

इन तीन के अलावा 8 प्लेयर्स के लिए टीमों ने 50 से 99 लाख रुपए तक की बोली लगाई। वहीं बाकी 9 प्लेयर्स की कीमत 9 से 49 लाख रुपए के बीच रही।

गुजरात ने सबसे ज्यादा 5 प्लेयर्स खरीदे

10 टीमों ने 23 प्लेयर्स खरीदे। जयपुर पिंक पेंथर्स और तमिल थलाइवास ने एक भी खिलाड़ी नहीं खरीदा। 2 बार की रनर-अप गुजरात जायंट्स ने सबसे ज्यादा 5 प्लेयर्स खरीदे। बंगाल वॉरियर्स टीम ने 4 प्लेयर्स खरीदे। मनिंदर सिंह पर 2.12 करोड़ रुपए खर्च किए, वहीं बाकी 3 प्लेयर्स को 50 लाख रुपए के अंदर ही खरीद लिया।

दबंद दिल्ली और यू मुंबा ने 3-3 प्लेयर्स खरीदे। जबकि हरियाणा स्टीलर्स और बेंगलुरु बुल्स ने 2-2 खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल किया। पटना पायरेट्स, तेलुगु टाइटंस, यूपी योद्धास और पुणेरी पल्टन ने एक-एक खिलाड़ी खरीदा।

4 पॉइंट्स में समझिए ऑक्शन से जुड़ी जरूरी बातें

टीमें ऑक्शन में 5 करोड़ रुपए खर्च कर सकती है। पिछले साल ये रकम 4.4 करोड़ रुपए थी। खिलाड़ियों की बेस प्राइस 4 कैटेगरी में रखी गईं। इनमें 9 लाख, 13 लाख, 20 लाख और 30 लाख की बेस प्राइस शामिल हैं। 500 से ज्यादा खिलाड़ियों को ऑक्शन में शामिल किया गया। 12 फ्रेंचाइजी टीमें कम से कम 18 और ज्यादा से ज्यादा 25 प्लेयर्स को अपने स्क्वॉड में शामिल कर सकती हैं।

पीकेएल इतिहास में 4 ही खिलाड़ी 2 करोड़ से ज्यादा में बिके, इनमें से 3 इस बार

प्रो कबड्डी में इस बार ऐतिहासिक बोली लगी और 3 प्लेयर्स को 2 करोड़ रुपए से ज्यादा की कीमत मिली। इससे पहले ऐसा एक ही बार पिछले साल ही हो सका था। जब पवन कुमार सेहरवात को तमिल थलाइवास ने 2.26 करोड़ रुपए में खरीदा था। हालांकि वह पहले ही मैच में इंजर्ड हो जाने के बाद पूरे सीजन से बाहर हो गए थे।

2 दिसंबर से शुरू होगा सीजन

पीकेएल का 10वां सीजन इसी साल 2 दिसंबर से शुरू होगा। अब तक इसके 9 सीजन खेले गए हैं। पटना पायरेट्स सबसे सफल टीम है, उन्होंने 3 बार खिताब जीता है। जयपुर पिंक पेंथर डिफेंडिंग चैंपियन है, उन्होंने सीजन का पहला खिताब भी जीता था। इनके अलावा यू मुंबा, बंगाल वॉरियर्स, बेंगलुरु बुल्स और दबंद दिल्ली टीम एक-एक बार चैंपियन बनी है। जबकि तेलुगु टाइटंस, तमिल थलाइवास, गुजरात जायंट्स, हरियाणा स्टीलर्स, यूपी योद्धास और पुणेरी पल्टन टीम एक बार भी खिताब नहीं जीत सकी।

सात्विक-चिराग बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में नंबर-1

यह मुकाम हासिल करने वाली पहली भारतीय शटलर जोड़ी

एशियाड में बैडमिंटन में भारत को दिलाया था पहला गोल्ड

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार शटलर जोड़ी बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंच गए हैं। यह पहली भारतीय जोड़ी है जिसने यह मुकाम हासिल किया है। ये नंबर-3 से टॉप पर पहुंचे हैं। मंगलवार को बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने BWFकी ताजा रैंकिंग जारी की। सात्विक और चिराग की जोड़ी के अब 92,411 पॉइंट हैं।

एशियन गेम्स में पहली बार भारत को दिलाया गोल्ड

सात्विक-चिराग ने चीन में संपन्न हुए 19वें एशियन गेम्स में पहली बार भारत को बैडमिंटन में गोल्ड दिलाया। इससे पहले भारत ने एशियाई खेलों की बैडमिंटन प्रतियोगिता में कभी गोल्ड मेडल नहीं जीता था। पीवी सिंधु ने जकार्ता 2018 एशियन गेम्स में विमेंस सिंगल्स इवेंट में सिल्वर जीता था, जो सात्विक-चिराग के गोल्ड जीतने से पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

सात्विक-चिराग के अचीवमेंट्स

- BWF सुपर 500+ खिताब जीतने वाली पहली भारतीय डबल्स जोड़ी
- टॉप रैंकिंग (5) पर पहुंचने वाला पहला डबल्स पेयर
- कामनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय डबल्स जोड़ी
- वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेंस डबल्स में मैडल जीतने वाली पहली डबल्स जोड़ी
- एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप में गोल्ड जीतने वाली पहली डबल्स जोड़ी
- ऐतिहासिक पहला थॉमस कप खिताब जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा

52 साल बाद एशियाई चैंपियनशिप में भारत को दिलाया था गोल्ड

सात्विक-चिराग ने अप्रैल में हुए एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत को 52 साल बाद मेंस डबल्स में गोल्ड दिलाया। इससे पहले इस चैंपियनशिप में भारत के लिए गोल्ड मेडल सिर्फ दिनेश खन्ना ने जीता था, जब उन्होंने 1965 में लखनऊ में थाईलैंड के सांगोब रत्तनुसोर्न को मेंस सिंग्लस के फाइनल में हराया था। वहीं इससे पहले इस चैंपियनशिप में भारतीय मेंस डबल्स टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कांस्य पदक रहा है जो 1971 में दीपू घोष और रमन घोष ने जीता था।

पिछले साल कॉमनवेल्थ गेम्स में जीता था गोल्ड

पिछले साल सात्विक-चिराग ने कॉमनवेल्थ गेम्स का गोल्ड मेडल जीता था। इसके अलावा उन्होंने फ्रेंच ओपन सुपर 750 खिताब और मौजूदा सीजन में इंडोनेशिया ओपन और स्विस ओपन 300 खिताब भी अपने नाम किया था।

128 साल बाद ओलिंपिक में क्रिकेट की वापसी होगी

फ्लैग फुटबॉल और बेसबॉल को भी हरी झंडी

लंदन, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। लॉस एंजिलिस ओलिंपिक 2028 में क्रिकेट भी शामिल किया जाएगा। ब्रिटिश अखबार 'द गार्डियन' की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक- क्रिकेट के साथ ही फ्लैग फुटबॉल, बेसबॉल और सॉफ्टबॉल को भी इवेंट में शामिल किया गया है।

इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी इसका फाइनल ड्राफ्ट तैयार कर चुकी है। इस बारे में ज्यादा जानकारी रविवार से मुंबई में शुरू हो रहे आईओसी के 141वें सेशन में दी जाएगी। हालांकि, लॉस एंजिलिस ओलिंपिक 2028 में टी-20 फॉर्मेट में मेंस और विमेंस मुकाबले होंगे। इसके पीछे एशिया का कमर्शियल मार्केट भी बहुत बड़ी वजह है। कम से कम भारत में तो इसका जबरदस्त क्रेज है और इस वक्त हमारी इकोनॉमी दुनिया में पांचवें नंबर पर है। इस बार के एशियन गेम्स में क्रिकेट शामिल किया गया था। भारत ने मेंस और विमेंस दोनों कैटेगरी में अपनी टीमें भेजीं और दोनों में भारत ने गोल्ड मेडल जीता। टी-20 फॉर्मेट का क्रिकेट एशियाड में सफल रहा, जिसे देखते हुए इसे ओलिंपिक में भी शामिल किया जा रहा है। ब्रिटिश अखबार ने अपनी रिपोर्ट में कहा- हमने जुलाई में ही बता दिया था कि लॉस एंजिलिस ओलिंपिक गेम्स में क्रिकेट की एंट्री बिल्कुल तय है। इसकी वजह ये है कि ओलिंपिक कमेटी भारत की करीब 1.5 अरब आबादी और यहां के फाइनेंशियल रिसोंसेज को अनदेखा करने की हालत में नहीं है। हालांकि, लॉस एंजिलिस कमेटी और IOC के बीच बातचीत में कई बार दिक्कतें भी आईं।

इस रिपोर्ट के मुताबिक- भारत में अभी ओलिंपिक ब्रॉडकास्टिंग राइट्स इंडिविजुअल गेम्स पर बेस्ड हैं और इनकी मार्केट वैल्यू तकरीबन 20 लाख डॉलर है। यह आंकड़ा पेरिस ओलिंपिक 2024 के लिहाज से तय किया गया है। हालांकि, मार्केट एक्सपर्ट्स मानते हैं कि अगर भारत के क्रिकेट मैचों को शुमार कर लिया जाए तो यह आंकड़ा आसानी से कई गुना ज्यादा हो सकता है।

यह पहली बार नहीं है जब ओलिंपिक में क्रिकेट खेला जाएगा। इसके पहले पेरिस ओलिंपिक (साल 1900) में भी क्रिकेट खेला जा चुका है। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस ने गोल्ड मेडल के लिए सिर्फ एक टेस्ट मैच खेला था, जिसमें ग्रेट ब्रिटेन की टीम 158 रन से जीत गई थी।

क्रिकेट कॉमनवेल्थ गेम्स में भी 2 बार 1998 और 2022 में शामिल किया गया है। वहीं एशियन गेम्स में 2010, 2014 और 2023 में तीन बार क्रिकेट को जगह मिली।

फुटबॉल के बारे में तो दुनिया जानती है। अब लॉस एंजिलिस ओलिंपिक 2028 के लिए फ्लैग फुटबॉल को एंट्री दी जाने वाली है। रिपोर्ट के मुताबिक- फ्लैग फुटबाल में दोनों टीमों के पास पांच-पांच प्लेयर होते हैं और इसे फुटबॉल का अमेरिकन वैरिएंट कहा जाता है।

बेसबॉल और सॉफ्टबॉल को शामिल किए जाने से भी न सिर्फ रेवेन्यू बढ़ेगा, बल्कि टीम स्पोर्ट्स को भी बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, मुश्किल ये है कि चार नए खेलों को शामिल करने से गेम्स की ड्यूरेशन काफी बढ़ जाएगी। माना जा रहा है कि ओलिंपिक कमेटी कुछ खेलों के मेडल इवेंट्स कम करके इसकी भरपाई करेगी और ओलिंपिक गेम्स की ड्यूरेशन को बहुत ज्यादा बढ़ाया नहीं जाएगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ मैच से पहले टीम इंडिया के लिए गुड न्यूज

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के खिलाफ विश्व कप मैच से पहले भारत के लिए गुड न्यूज आया है। भारत के विस्फोटक ओपनर बल्लेबाज शुभमन गिल को डेंगू के ईलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन अब उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। अफगानिस्तान के खिलाफ विश्व कप मैच से पहले भारत के लिए गुड न्यूज आया है। भारत के विस्फोटक ओपनर बल्लेबाज शुभमन गिल को डेंगू के ईलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन अब उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। यह फैंस और भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खुशी की बात है। बता दें कि आज ही गिल को ईलाज के लिए चेन्नई के कावेरी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चलिए आपको बताते हैं कि अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद क्या गिल अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में वापसी कर सकते हैं।

क्या पाकिस्तान के खिलाफ वापसी करेगा गिल

भारत बनाम अफगानिस्तान का मुकाबला 11 अक्टूबर को खेला जाएगा। भारत अपना पहला मुकाबला जीत कर आ रही है। वहीं, अफगानिस्तान को अपनी पहली जीत की तलाश होगी। विश्व कप में गिल और रोहित की जोड़ी धमाल मचाने के लिए तैयार थी, लेकिन भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के बीच मुकाबले से पहले ही शुभमन गिल डेंगू के चपेट में आ गए और प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं बन सके।

यह तो पहले ही साफ हो चुका है कि गिल अफगानिस्तान के खिलाफ मैच का हिस्सा नहीं होंगे। लेकिन गिल के अस्पताल से छुट्टी के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि वह पाकिस्तान के खिलाफ मैच में वापसी कर सकते हैं, जो कि 14 फरवरी को होने वाला है।

गिल की वापसी से बैटिंग होगी मजबूत

शुभमन गिल को लेकर टीम प्रबंधक को उम्मीद है कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले गिल पूरी तरह से स्वस्थ्य हो जाएंगे। ऐसे में विश्व कप के सबसे हाई वोल्टेज मैच में गिल खेलते नजर आ सकते हैं। गिल की वापसी फैंस को काफी राहत देगी। गिल काफी शानदार फॉर्म में चल रहे हैं, ऐसे में उनकी वापसी से टीम इंडिया की बैटिंग लाइनअप काफी मजबूत होगी।

गिल, सिराज आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नॉमिनेट

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के ओपनर शुभमन गिल और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने सितंबर महीने के लिए प्लेयर ऑफ मंथ अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया है। इन दोनों भारतीय के अलावा तीसरे खिलाड़ी के तौर पर इंग्लैंड के ओपनर डेविड मलान को शामिल किया गया है।

शुभमन गिल- श्रीलंका और पाकिस्तान में सितंबर महीने में खेले गए एशिया कप में शुभमन गिल टॉप स्कोरर थे। गिल ने 6 मैचों में 75.50 की ओसत से 302 रन बनाए थे। वहीं सितंबर महीने में खेले गए 8 वनडे में गिल ने 80 की औसत से 480 रन बनाए।

मोहम्मद सिराज-श्रीलंका और पाकिस्तान में सितंबर महीने में खेले गए एशिया कप में मोहम्मद सिराज टूर्नामेंट के दूसरे टॉप विकेट टेकर थे। सिराज ने 5 मैचों में 4.63 की इकोनॉमी रेट से 10 विकेट लिए।वहीं सिराज ने इस महीने खेले 6 वनडे मैचों में कुल मिलाकर 11 विकेट लिए। वहीं उन्होंने एशिया कप में श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में 21 रन देकर 6 विकेट लिए, जिसमें एक ओवर में 4 विकेट थे।

इंग्लैंड ने इस वर्ल्ड कप में पहला मैच जीता

बांग्लादेश को 137 रन से हराया; मलान की सेंचुरी, टॉप्ली ने झटके 4 विकेट

धर्मशाला, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में पहला मुकाबला जीत लिया है। डिफेंडिंग चैंपियन ने धर्मशाला में बांग्लादेश को 137 रन के बड़े अंतर से हराया। ये टीम की बांग्लादेश के खिलाफ वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी जीत है। इंग्लैंड ने पहले बैटिंग करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट पर 364 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश 48.2 ओवर में 227 रन बनाकर ऑलआउट हो गया।

इंग्लैंड से डेविड मलान ने 140 रन बनाए, उन्हें जो रूट का साथ मिला, जिन्होंने 82 रन की पारी खेली। दूसरी पारी में लेफ्ट आर्म पेसर रीस टॉप्ली ने 4 विकेट झटके।

बांग्लादेश पर बड़ी जीत के बाद इंग्लैंड अब पॉइंट्स टेबल 10वें से छठे नंबर पर आ गया है। टीम के 2 पॉइंट्स हैं। वहीं बांग्लादेश के भी 2 मैच में एक जीत और एक हार से 2 पॉइंट्स हैं, टीम पांचवें नंबर पर है।

बांग्लादेश से 2 ही फिफ्टी लगीं

365 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने 49 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए। यहां से लिट्टन दास ने 76 और मुशफिकुर रहीम ने 51 रन की पारी खेल टीम को संभाला। लेकिन इन दोनों के आउट होने के बाद लगातार विकेट गिरते गए और टीम 227 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

तौहीद हृदॉय ने 39, तस्कीन अहमद ने 15, मेहदी हसन ने 14 और शोरिफुल इस्लाम ने 12 रन बनाए। टीम के बैटर्स 10 रन का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके।

इंग्लैंड से रीस टॉप्ली के अलावा क्रिस वोक्स को 2 विकेट मिले। जबकि सैम करन, मार्क वुड, आदिल रशीद और लियम लिविंगस्टन को 1-1 विकेट मिला।

मुशफिकुर रहीम की 47वीं फिफ्टी

बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम ने अपने ODI करियर का 47वां अर्धशतक लगाया। रहीम ने 64 गेंदों में 4 चौके की मदद से 51 रनों की पारी खेली। रहीम को रीस टॉप्ली ने आउट किया।

लिट्टन दास की 11वीं फिफ्टी

बांग्लादेश के ओपनर लिट्टन दास ने अपने ODI करियर का 11वां अर्धशतक लगाया। लिट्टन ने 66 गेंदों में 7 चौके 2 छक्के की मदद से 76 रनों की पारी खेली। लिट्टन को क्रिस वोक्स ने आउट किया।

लिट्टन-मुशफिकुर के बीच अर्धशतकीय साझेदारी

लिट्टन और मुशफिकुर के बीच पांचवें विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी हुई। दोनों ने 75 बॉल पर 72 रन की पार्टनरशिप की। इस पार्टनरशिप को क्रिस वोक्स ने तोड़ा।

पावरप्ले में 4 विकेट गिरे

बांग्लादेश के पावरप्ले में 4 विकेट गिर गए। तंजिद हसन तमीम 1 रन, नजमुल हुसैन शांतो 0 रन, कप्तान शाकिब अल हसन 1 रन और मेहदी हसन 8 रन बना कर पवेलियन लौटे।

भारत-पाक मैच के लिए 11,000 से ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात

इसमें एनएसजी का बॉम्ब स्क्वॉड और एंटी ड्रोन टीम भी शामिल

अहमदाबाद में चप्पे-चप्पे पर जवान देंगे पहरा

अहमदाबाद, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। 14 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच वनडे वर्ल्ड कप का हाई वोल्टेज मैच होने जा रहा है। यह मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच को लेकर मिल रही धमकियों को देखते हुए गुजरात पुलिस ने पुख्ता इंतजाम किए हैं।

पुलिस कमिश्नर जीएस मलिक ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था में 7 हजार पुलिसकर्मी और 4 हजार होमगार्ड के जवान तैनात रहेंगे। साथ ही एनएसजी की बॉम्ब स्क्वॉड और एंटी ड्रोन टीम भी सुरक्षा व्यवस्था में शामिल रहेगी। वहीं खिलाड़ियों, वीवीआईपी और दर्शकों की सुरक्षा के लिए एसआरपीएफ, आरएएफ और एनएसजी भी तैयार रहेंगे। मैच के टिकट पहले ही बिक चुके हैं। मैच के दौरान जहां स्टेडियम की सुरक्षा पर ध्यान दिया गया है, वहीं शहर के अन्य संवेदनशील इलाकों में भी प्रशासन ने पुलिस बल की व्यवस्था की है। स्टेडियम के आसपास के होटलों में भी चेकिंग की जाएगी।

नारायण ने मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखा पत्र

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने का आग्रह

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव डॉ. के. नारायण ने संविधान और उसके निर्माताओं के अनुसार लोकतांत्रिक प्रणाली को पारदर्शी ढंग से कार्य करने को सुनिश्चित करने और सक्षम करने के लिए भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त को एक पत्र लिखा।

पत्र में सीपीआई नेता ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह मामला भारतीय लोकतंत्र के 140 करोड़ लोगों से संबंधित है, इसका मजाक नहीं बनना चाहिए और सीईसी जैसी प्रणाली को लोकतंत्र को अक्षरश: लागू करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। तकनीकीताओं की आड़ में नियम लोगों और लोकतंत्र के हितों के खिलाफ नहीं हो सकते। प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के आधार पर नियम बनाए जाने चाहिए। संविधान के अनुसार, चुनाव आयोग को विपक्षी दलों को विश्वास दिलाने के लिए चुनाव/मतदान प्रक्रिया के दौरान मौके पर ही निर्णय लेने का अधिकार है, ताकि उन्हें लगे कि चुनाव उनके बचाव में है। उन्होंने कहा कि वर्तमान चुनाव नियमों के अनुसार, चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद पुलिस, सिविल और राजस्व अधिकारियों सहित किसी भी अधिकारी की पोस्टिंग या स्थानांतरण नहीं होना चाहिए। आज का आलम यह है कि सभी सत्ताधारी दल समय सीमा का पालन किए बिना, अपनी इच्छा और पसंद के अनुसार तबादले कर रहे हैं। वे अधिसूचना के दो या तीन दिन पहले भी अपने पसंदीदा अधिकारियों के तबादले कर रहे हैं। ऐसी व्यवस्था और नियम होना चाहिए ताकि कोई भी स्थानांतरण अधिसूचना से छह महीने पहले ही किया जा सके।

लेकिन मौजूदा व्यवस्था का फायदा उठाकर अधिसूचना जारी होने से दो तीन दिन पहले भी तबादले किये जा रहे हैं। यदि इस प्रकार के तबादलों की अनुमति दी जाती है, तो स्थानांतरित अधिकारी सत्तारूढ़ दलों के "सुझावों" के राजनीतिक लाभ के लिए एक निजी सेना की तरह बन जाएंगे। यदि चुनाव अधिसूचना से छह महीने पहले तबादले किए जाते हैं, तो इससे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए अनुकूल माहौल तैयार होगा। सत्तारूढ़ दलों के लिए अधिसूचना से एक दिन पहले भी चुनावी वादे करना और रियायतों और मुफ्त सुविधाओं की घोषणा करना आम बात हो गई है। यह बिल्कुल मतदाताओं को लुभाने, फुसलाने और सरकारी धन से रिश्वत देने जैसा है। यह और कुछ नहीं बल्कि चुनाव आचार संहिता का सरासर उल्लंघन है। इससे सबसे बड़े लोकतंत्र के चुनाव आयोग की आपत्तियों का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा।

सरकारी स्कूलों में छात्राएं इस माह से सीखेंगी आत्मरक्षा के गुर

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों की छात्राएं इस महीने से धक्का-मुक्की, लात, लात से लेकर घूंसे तक आत्मरक्षा तकनीक सीखेंगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने 'रानी लक्ष्मीबाई आत्म रक्षा प्रशिक्षण' कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है जो छात्राओं को आत्मरक्षा तकनीक प्रदान करता है। 3,566 सेकेंड और सीनियर सेकेंडरी और 500 प्राथमिक विद्यालयों सहित 4,066 स्कूलों में छात्राओं को प्रधानाध्यापकों, शारीरिक शिक्षा शिक्षकों या शारीरिक निदेशकों की देखरेख में आत्मरक्षा तकनीक सिखाई जाएगी। स्कूल समय में एक सप्ताह में तीन सत्र होंगे और एक माह में 12 सत्र शामिल होंगे। विभाग ने जिला शिक्षा अधिकारियों को स्कूलों में प्रशिक्षक आवंटित करने को कहा है। उन्हें महिला प्रशिक्षकों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया है. महिला प्रशिक्षकों की अनुपस्थिति में पुरुष प्रशिक्षकों को लगाया जा सकता है।

हरीश राव ने सीएम केसीआर की सभा की व्यवस्था का निरीक्षण किया

सिद्दीपेट, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने मंगलवार को बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की सार्वजनिक बैठक की व्यवस्था का निरीक्षण किया, जो 15 अक्टूबर को सिद्दीपेट जिले के हुस्नाबाद में होने वाली है। हरीश राव ने राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष बी. विनोद कुमार और स्थानीय विधायक सतीश बाबू के साथ हुस्नाबाद शहर में एक बिजली सबस्टेशन के पीछे प्रस्तावित सार्वजनिक बैठक के लिए खुले स्थान के परिसर का निरीक्षण किया और पार्टी नेताओं से भव्य आयोजन के लिए पर्याप्त उपाय करने को कहा।

इस अवसर पर बोलते हुए, हरीश राव ने कहा कि बीआरएस अध्यक्ष पिछले चुनाव की तरह हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र से अपने चुनाव की शुरुआत करेंगे। केसीआर की पहली बैठक का मतलब हुस्नाबाद के लोगों के प्रति उनका प्यार और विश्वास है. पहली सार्वजनिक बैठक पिछले चुनाव में हुई थी. इसी तरह, केसीआर ने इस बार भी हुस्नाबाद से चुनाव अभियान शुरू करने का फैसला किया है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर फर्जी सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रसारित करने के लिए कांग्रेस पार्टी की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करने की स्थिति में नहीं है। केसीआर एकमात्र मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने 2014 और 2018 के चुनावों में किए गए वादों को पूरा किया।

इसी तरह, बीआरएस अध्यक्ष 15 अक्टूबर को पार्टी के घोषणापत्र का अनावरण करेंगे और उसी दिन हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र से चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे।

पुलिस ने राज्य सीमा पर वाहन जांच तेज कर दी

नलगोंडा, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने पूर्ववर्ती नलगोंडा जिले में राज्य सीमा जांच चौकियों और रणनीतिक बिंदुओं पर वाहन जांच तेज कर दी है। तेलंगाना राज्य के विधान सभा चुनावों के लिए कार्यक्रम जारी होने के तुरंत बाद आदर्श आचार संहिता लागू हो गई, पुलिस और आबकारी अधिकारियों ने पड़ोसी राज्यों से राज्य में धन और शराब के अवैध परिवहन को रोकने के लिए एक योजना तैयार की। नलगोंडा और सूर्यापेट जिले पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के साथ राज्य की सीमा साझा कर रहे हैं। पुलिस ने सूर्यापेट के रामापुरम में राज्य-सीमा चेक पोस्ट और नागार्जुन सागर और वाडापल्ली में सीमा चेक पोस्ट पर सभी निजी वाहनों की जांच शुरू कर दी।

मंगलवार को पुलिस ने राशि के लिए वैध दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए अथमाकुर (एस) मंडल के नेम्मिकल में वाहन जांच के दौरान कार से 1.8 लाख रुपये जब्त किए।

24 घंटे में 6.1 लाख रुपये जब्त किये गये हैं।

सोमवार की रात, पुलिस ने सूर्यापेट के मैटमपल्ली में एक चेक पोस्ट पर वाहन जांच के दौरान दो कारों से 4.3 लाख रुपये नकद जब्त किए।

अधिकारियों ने कहा कि पैसे ले जाने वाले व्यक्तियों द्वारा लेनदेन के सबूत के रूप में दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने के बाद राशि जब्त कर ली गई। आदर्श आचार संहिता लागू होने के 24 घंटे के भीतर तत्कालीन नलगोंडा जिले में पुलिस ने कुल 6.1 लाख रुपये नकद जब्त किए।

इंद्रकरण ने बीआरएस पर टिप्पणी के लिए अमित शाह की आलोचना की

निर्मल, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन मंत्री अल्लोला इंद्रकरण रेड्डी ने राज्य सरकार की आलोचना करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ गुस्सा व्यक्त किया। शाह ने मंगलवार को आदिलाबाद में एक जनसभा को संबोधित किया। सरकार के खिलाफ शाह की टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए रेड्डी ने कहा कि शाह ने सरकार के खिलाफ झूठ फैलाया। उन्होंने भाजपा का उपहास किया कि आपकी डबल इंजन सरकार नहीं है। यह एक संकटमोचक है। आने वाले चुनाव में तेलंगाना के लोग भगवा पार्टी को सबक सिखाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के हाथों में सुरक्षित है, लेकिन भाजपा पर कॉरपोरेट ताकतों का नियंत्रण है। मंत्री ने आगे कहा कि लोग अब बीजेपी के नेताओं के बयानों पर भरोसा नहीं करेंगे. शाह बीआरएस सरकार पर बेबुनियाद आरोप लगाने के लिए जाने जाते हैं। क्या उन्हें राज्य में हुए विकास की समझ है? क्या वह विकासात्मक गतिविधियों से अवगत हैं? उन्होंने सवाल किया. प्रदेश की जनता विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानती है। श्री रेड्डी ने कहा कि केंद्रीय मंत्री आवास योजना और किसानों की आत्महत्या के बारे में बोलने के योग्य नहीं हैं। उन्होंने सरकार के खिलाफ टिप्पणी करने और बीआरएस को नैतिकता का उपदेश देने के लिए भाजपा नेताओं में खामियां निकालीं। उन्होंने शाह से पूछा कि उन्होंने आदिलाबाद में बीमार सीमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की इकाई के पुनरुद्धार के बारे में एक भी शब्द क्यों नहीं बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि शाह जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

राहुल गांधी की बीसी जनगणना की बात हास्यास्पद : कविता

निज़ामाबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी कविता ने बीसी जनगणना की मांग उठाने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना की। मंगलवार को यहां निज़ामाबाद शहर में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए, बीआरएस एमएलसी ने सवाल किया कि 60 वर्षों तक देश पर शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी ने अब तक बीसी जाति जनगणना क्यों नहीं की।

कविता ने बताया कि यह विडंबना है कि राहुल गांधी अब जाति जनगणना के बारे में बोल रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं ने कभी भी बीसी और बीसी जनगणना के मुद्दों पर बात नहीं की। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, राहुल गांधी ने बीसी का मुद्दा उठाया है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि कांग्रेस और भाजपा दोनों ने कभी भी केंद्र सरकार में बीसी के लिए एक अलग मंत्रालय की मांग का समर्थन नहीं किया और कहा कि दोनों पार्टियों को बीसी के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। कविता ने यह भी मांग की कि केंद्र सरकार देश में पिछड़े वर्गों की जाति आधारित जनगणना कराएं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.